* वर्ष 40 * अंक 51 * प्रभात * पंजीयन सं. 46518/85 * पृष्ठ 8 * मूल्य ₹ 3 /- * संस्थापक : स्व. श्री कुंजबिहारी आचार्य

दैनिक पुकार

www.dainikpukar.com

उदयपुर रविवार दिनांक 17 नवम्बर 2024

दक्षिणी राजस्थान का प्रमुख हिन्दी दैनिक

पीएम मोदी नाइजीरिया दौरे के लिए हुए रवाना

17 साल बाद भारतीय पीएम का दौरा

अबुजा (एजेंसी)। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री का 17 साल में पहला नाइजीरिया दौरा होगा। मोदी से पहले साल 2007 में तत्कालीन पीएम डॉ. मनमोहन सिंह नाइजीरिया के दौरे पर गए थे। पीएम मोदी रविवार को राष्ट्रपति टिनूबू से मुलाकात करेंगे। उनके बीच भारत-नाइजीरिया के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। इसके बाद मोदी राजधानी अबुजा में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। नाइजीरिया में 150 से ज्यादा भारतीय कंपनियां हैं, जिनका 2 लाख करोड़ से ज्यादा का कारोबार है।

भारत के लिए अहम क्यों है नाइजीरिया : तेल और गैस के विशाल भंडार की वजह से नाइजीरिया, अफ्रीका के अहम देशों में से एक है। यह देश भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करता है। अफ्रीका में भारतीय निवेश खासकर ऊर्जा, खनन, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहा है। नाइजीरिया इस्लामिक देशों के संगठन (ओआईसी) और तेल उत्पादक देशों के संगठन (ओपीईसी) का अहम सदस्य है। ये दोनों संगठन भारत की कूटनीति और आर्थिक नीति के लिए अहम हैं।

शिरोमणि अकाली दल में खटपट

सुखबीर ने दिया अध्यक्ष पद से इस्तीफा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद)

में लंबे समय से चल रही खटपट के बाद पार्टी के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने अपने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। यह इस्तीफा उन्होंने पार्टी की कार्यकारिणी समिति को सौंपा है। बादल ने अपने नेतृत्व के दौरान मिले समर्थन के लिए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व को लेकर लंबे समय से असंतोष था। कई पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि उनके नेतृत्व में पार्टी अपने मूल उद्देश्यों से भटक गई है। अकाल तख्त साहिब पर भी उनके खिलाफ शिकायतें दर्ज की गई थीं। बंदी छोड़ दिवस के अवसर पर ज्ञानी रघुबीर सिंह ने शिरोमणि अकाली दल के कमजोर होते संगठन और इसके उद्देश्यों से भटकने पर सवाल उठाए थे। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने कहा, पंजाब की स्थिति खराब है। हमारे युवा जेलों में हैं, कृषि संकट में है और चंडीगढ़ का हिस्सा हरियाणा को दिया जा रहा है। पार्टी को मजबूत बनाने के लिए यह बदलाव जरूरी था। सुखबीर बादल के इस्तीफे के बाद अब शिअद को अपनी खोई हुई ताकत वापस पाने का मौका मिलेगा।

राहुल बोले- पीएम मोदी को बाइडेन जैसे भूलने की बीमारी

अमरावती (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को महाराष्ट्र के चंद्रपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

की तुलना अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से की। राहुल ने कहा- मोदी जी की याददाश्त कमजोर हो रही है, अमेरिकी राष्ट्रपति को भी भूलने की बीमारी है। राहुल ने कहा कि मेरी बहन ने मुझे बताया कि आजकल मोदी जी अपने भाषणों में वही बातें बोल रहे हैं, जो हम बोल रहे हैं। शायद मोदी जी को मेमोरी लॉस हो गया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति भी भाषण देते वक्त भूल जाते थे। बोलना कुछ होता था और बोल कुछ और देते थे। फिर पीछे से उन्हें बताया जाता था कि ये नहीं बोलना है। यूक्रेन के राष्ट्रपति आए थे, उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति ने रूस का राष्ट्रपति पुतिन कह दिया। उनके पीछे खड़े लोगों ने कहा कि ये रूस के नहीं हैं, यूक्रेन के हैं। उनका मेमोरी लॉस हो गया था। ऐसे ही हमारे प्रधानमंत्री का मेमोरी लॉस हो गया है। राहुल ने कहा कि हो सकता है अगली मीटिंग में प्रधानमंत्री मोदी आपसे कहें कि महाराष्ट्र सरकार सोयाबीन के लिए प्रति क्विंटल 7 हजार रुपए देती है। मैंने कहा भाजपा कॉन्स्टिट्यूशन पर आक्रमण कर रही है, वो कहते हैं कांग्रेस पार्टी संविधान पर आक्रमण कर रही है।

जनजाति गौरव महोत्सव : भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष में कोटड़ा में आयोजन, उपराष्ट्रपति धनखड़े बोले-

लालच देकर हमारी आस्था को बदलने की कोशिश, हितैषी बनकर हो रहा प्रयास; विभाजनकारी ताकतों को बढ़ावा नहीं दें

उदयपुर (पुकार)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा- देश में एक कुप्रयास हो रहा है। आजकल देश में चिकनी-चुपड़ी बातें कर और हमारा हितैषी बनकर, हमें लालच देकर हमारी आस्था को बदलने की कोशिश हो रही है। हमारी सांस्कृतिक धरोहर हमारी नींव है। जब नींव हिल जाएगी तो कोई भी इमारत सुरक्षित नहीं रहेगी। उन्होंने कहा- सुनियोजित तरीके से, षड्यंत्रकारी तरीके से, प्रलोभन देकर आकर्षण करने की प्रक्रिया जो मैं देख रहा हूं, उस पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। जनजाति वर्ग भारत की ताकत है, शौर्य है। आप विभाजनकारी ताकतों को बढ़ावा नहीं दें। राष्ट्र की एकता, परिवार की एकता, समाज की एकता, समाज में समरसता, नागरिक का दायित्व है। ये हमारा धर्म है। उप राष्ट्रपति शनिवार को उदयपुर दौरे पर पहुंचे थे। उन्होंने कोटड़ा में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित जनजाति गौरव महोत्सव में लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

हमारी सांस्कृतिक धरोहर हमारी नींव है

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा- जंगल हमारी सांस है, लेकिन हम जंगलों को दूसरे तरीके से देखते हैं। इन्हें लालच की नजर से नहीं देखा जा सकता है। वनवासी कल्याण का जो कार्य, समर्पण और सेवा का काम है और यह अच्छा काम हो रहा है। उन्होंने कहा- मैं जहां भी जाता हूं, मंत्रमुग्ध हो जाता हूं जनजाति की शैली, उनका कल्चर, उनका म्यूजिक, उनकी प्रतिभा, खेल हो, चाहे कुछ भी हो। पर देश में एक कुप्रयास हो रहा है। चिकनी-चुपड़ी बातें करके, हमारा हितैषी बनकर, हमें लालच देकर, हमें लुभाकर, हमारी आस्था को बदलने की कोशिश हो रही है। सुनियोजित तरीके से, षड्यंत्रकारी तरीके से, प्रलोभन देकर आकर्षण करने की प्रक्रिया जो मैं देख रहा हूं, उस पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

आपसे सीख ले लेते तो विश्व बर्बादी के किनारे नहीं आता

धनखड़ ने कहा- जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए पूरी दुनिया लगी हुई है। आप लोग वे हैं, जो धरती को नमन करते हैं, पूजा करते हैं। आपसे सीख ले लेते तो इस बर्बादी के किनारे विश्व नहीं आता। सब जानते हैं कि हमारे पास रहने की दूसरी पृथ्वी नहीं है। भगवान बिरसा मुंडा वो व्यक्ति थे जिन्होंने हमें ये कहा- 'जल जंगल जमीन।' ये शब्द नहीं हैं, ये जीवन शैली है। जनजाति के लोग हमें सिखाते हैं कि पर्यावरण क्या होता है, स्वदेशी क्या होता है, कुटुंब क्या होता है और व्यक्ति का दायित्व क्या होता है।

जर्मनी-जापान को पछाड़ेगा भारत

उप राष्ट्रपति ने कहा- मैं आपको यही कहूंगा, खास तौर से, बच्चे और बच्चियों को, आप शिक्षा पर ध्यान दें। हिंदुस्तान आपके द्वारा बदला जाएगा। आपके सामने कोई सीमा नहीं है। आज के दिन भारत बदल रहा है। भारत में सही लोगों को स्थान मिल रहा है। हम सच्ची आजादी के शहद को आज के दिन देख रहे हैं, उपयोग कर रहे हैं। भारत की जो अर्थव्यवस्था है, उसमें आपके विकास के लिए कोई पैसे की कमी नहीं है।

उन्होंने कहा- दुनिया में पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था में भारत है। कभी भारत कमजोर पांच में गिना जाता था। देश ने कनाडा, इंग्लैंड को पीछे छोड़ा है और अब जापान और जर्मनी का नंबर है। ये विकसित भारत का हवन तब ही सफल होगा, जब इसमें जनजाति वर्ग के लोग महत्वपूर्ण आहुति देंगे। वो अब आ रही है, इसने गति पकड़ी है। अब ये किसी के रोकने से नहीं रुकेगी।

धनखड़ ने कहा- आज के दिन उस महापुरुष बिरसा मुंडा को याद कर एक प्रण लेना चाहिए कि हमारे में ऊर्जा आनी चाहिए। आप विभाजनकारी ताकतों को बढ़ावा नहीं दें। राष्ट्र, परिवार और समाज की एकता नागरिक का दायित्व है।

महिलाओं की स्थिति में आया सुधार

धनखड़ ने कहा- किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रहित को नीचा नहीं करेंगे। देश के कानून में बहुत बड़ा बदलाव किया गया है। महिलाएं लोकसभा और विधानसभा में प्रतिनिधित्व कर रही हैं। लोकसभा में एक तिहाई महिलाएं होंगी। महिलाओं की उपस्थिति दूसरों को बताएगी कि आप में क्या ताकत है, क्या सोच है, क्या नीति निर्माण का तरीका है। कार्यक्रम में झाड़ोल क्षेत्र के 10 गांवों की 74 आदिवासी महिलाओं द्वारा निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई। उप राष्ट्रपति ने अपनी धर्मपत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ इनके प्रोडक्ट्स देखें। कार्यक्रम में झाड़ोल क्षेत्र के 10 गांवों की 74 आदिवासी महिलाओं द्वारा निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई। उप राष्ट्रपति ने अपनी धर्मपत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ के साथ इनके प्रोडक्ट्स देखें।

(विस्तृत पेज 8 पर)

मुठभेड़ में 5 नक्सली ढेर

दो जवान घायल हुए, रायपुर एयरलिफ्ट किया

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर और नारायणपुर की सरहद से लगे महाराष्ट्र बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने 5 नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें 2 महिला और 3 पुरूष हैं। सभी के शव और ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद हुए हैं। कई नक्सलियों के घायल होने की भी खबर है। वहीं दो जवान भी घायल हुए हैं, जिन्हें रायपुर एयरलिफ्ट किया गया है। डॉक्टर के मुताबिक, एक जवान की जांघ से गोली आर-पार हो गई है। वहीं दूसरे के सिर पर चोट लगी है। फिलहाल दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है।

कांकेर एसपी आईके एलिसेला ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। बस्तर के लगभग सभी जिलों के डीआरजी जवान और महाराष्ट्र के सी-60 कमांडोज ने नक्सल संगठन के सेंट्रल कमेटी मेंबर अभय को घेरने बड़ा ऑपरेशन लॉन्च किया है। इस दौरान डीआरजी के दो जवान खिलेश्वर खिलेश्वर गावड़े व हीरामन यादव घायल हो गए। गावड़े के हाथ और सिर पर चोट के निशान हैं। हीरामन के दोनों पैर पर जख्म हैं।

सुबह 6 बजे से रुक-रुककर फायरिंग हुई : नारायणपुर और कांकेर से लगे उत्तरी अबूझमाड़ में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर छ्त्रत्त, स्ज्ञस्त्र, क्ष्स्त्र की संयुक्त टीम को रवाना किया गया था। सुबह 8 बजे से यह मुठभेड़ शुरू हुई थी। कई घंटे रुक-रुककर फायरिंग हुई। वहीं नक्सली इस इलाके से महाराष्ट्र की ओर भाग न जाएं इसके लिए कांकेर जिले से लगे गढ़चिरौली इलाके में सी-60 कमांडो को तैनात किया गया था।

नक्सली लीडर अभय समेत बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद : जानकारी के मुताबिक, पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि कांकेर और नारायणपुर जिले की सरहद से लगे महाराष्ट्र बॉर्डर पर नक्सली लीडर अभय समेत बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसके बाद फोर्स को रवाना किया गया था। शनिवार सुबह अबूझमाड़ के जंगल में दोनों राज्यों की पुलिस फोर्स नक्सलियों के ठिकाने पर पहुंची तो नक्सलियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी।

शिकायतों पर एक्शन में चुनाव आयोग

नड्डा और खरगे को लिखा पत्र, 2 दिन में मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक खींचतान जारी है। इसी बीच चुनाव आयोग ने दोनों मुख्य पार्टियों की तरफ से लगातार की जा रही शिकायतों पर एक्शन लिया है। आयोग ने दोनों पार्टियों के अध्यक्षों को पत्र लिखकर एक-दूसरे की शिकायतों पर टिप्पणी करने के लिए कहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने नागरिकों से राज्य को वैभवशाली बनाने के लिए उनकी पार्टी को वोट देने का आग्रह किया। ठाणे शहर और कल्याण में कई रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य में राजनीतिक अस्थिरता की आलोचना की और कहा कि इसमें पूर्ण बदलाव की जरूरत है। उन्होंने लोगों से कहा कि राजनीतिक और व्यक्तिगत मतभेदों में फंसने के बजाय महाराष्ट्र के कल्याण को प्राथमिकता दें। ठाकरे ने कहा कि सत्ता में आने के 48 घंटे के भीतर उनकी पार्टी मस्जिदों पर लाउडस्पीकर के मुद्दे का समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि धार्मिक प्रथाओं से दूसरों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। मनसे प्रमुख ने कहा कि धर्म को घरों तक ही सीमित रहना चाहिए।

दिल्ली में एक्यूआई-440 पार

सरकारी ऑफिस की टाइमिंग बदली, स्कूलों में छठीं क्लास से मास्क अनिवार्य; मेट्रो के फेरे बढ़े ताकि निजी वाहन कम चलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शनिवार सुबह भी प्रदूषण बेहद खतरनाक स्तर पर रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली के 10 से ज्यादा स्टेशंस पर सुबह 7 बजे एक्यूआई 400+ दर्ज किया गया। जहांगीरपुरी में एक्यूआई सबसे ज्यादा 445 तक पहुंचा। प्रदूषण को देखते हुए मुख्यमंत्री आतिशी ने सरकारी ऑफिसों के लिए नए समय की घोषणा की। केंद्र सरकार के दफ्तर सुबह 9 से शाम 5.30, दिल्ली सरकार के दफ्तर 10 से शाम 6.30 और एमसीडी के दफ्तर 8.30 से शाम 5 बजे तक चलेंगे। दिल्ली के सभी प्राइमरी (5वीं क्लास तक) स्कूलों में ऑनलाइन क्लास चलाने का ऐलान शुक्रवार को ही कर दिया गया था। अब छठी से 12वीं तक के स्कूलों के लिए मास्क अनिवार्य करने का फैसला लिया गया है। सरकार ने लोगों से निजी वाहन न चलाने की अपील की है। इसके लिए 106 अतिरिक्त क्लस्टर बसें और मेट्रो के 60 और फेरे बढ़ाए गए हैं, ताकि लोग प्राइवेट व्हीकल का कम इस्तेमाल करें। एयर कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने एनसीआर यानी हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से आने वाली बसों के दिल्ली आने पर भी रोक लगा दी है।

मणिपुर में बंधकों की हत्या से भड़की हिंसा, मंत्रियों और विधायकों के घरों पर हमला; इंफाल में लगा कर्फ्यू

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में उग्रवादियों द्वारा की गई हत्या के खिलाफ बड़े पैमाने पर होने वाले विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने विधायकों और मंत्रियों के घरों पर हमला बोल दिया। उग्र होते विरोध प्रदर्शन को देखते हुए इम्फाल पश्चिम के प्रशासन ने जिले में अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लागू कर दिया है। मणिपुर प्रशासन द्वारा आज सुबह 5 बजे से रात 8 बजे तक कर्फ्यू में छूट की घोषणा की गई थी। लेकिन शहर में दो मंत्रियों और तीन विधायकों के आवासों पर प्रदर्शनकारियों के हमले के बाद प्रशासन ने यह छूट को वापस ले लिया और इंटरनेट पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। विधायकों और मंत्रियों के घरों पर हुए इस हमले के बारे में बात करते

हुए वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भीड़ ने लाम्फेल सनाकीथेल इलाके में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री सपम रंजन के आवास पर धावा बोल दिया था, जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने उन पर कार्रवाई की थी।

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार-गुरुवार को रेगुलर मामलों की सुनवाई नहीं, इनकी जगह ट्रांसफर याचिका, बेल केस और दूसरे मामले लिस्ट होंगे

सीजेआई खन्ना ने नियम बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को मामलों की सुनवाई को लेकर नया सर्कुलर जारी किया गया। इसके मुताबिक बुधवार और गुरुवार को रेगुलर सुनवाई वाले मामले लिस्ट नहीं किए जाएंगे। सर्कुलर में कहा गया कि मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ट्रांसफर याचिकाओं, बेल के मामलों और दूसरे केस को लिस्ट किया जाएगा। रेगुलर सुनवाई वाले मामले लिस्ट नहीं होंगे। वहीं, स्पेशल बेंच या पार्ट हियर्ड मैटर (आंशिक सुनवाई) वाले मामले चाहे वो मिसलेनियस हों या रेगुलर, जिन्हें मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को लिस्ट करने का निर्देश दिया गया है। ऐसे मामलों को लंच के बाद के सेशन या कॉम्पिटेंट अथॉरिटी के निर्देश के मुताबिक लिस्ट किया जाएगा।

वर्तमान प्रैक्टिस के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट में नए मामले सोमवार और शुक्रवार को लिस्ट किए जाते हैं। इन्हें मिसलेनियस डे भी कहा जाता है। मंगलवार-गुरुवार को रेगुलर सुनवाई के लिए तय किया गया है, जहां मामलों की अंतिम सुनवाई होती है।

बदला गया सुप्रीम कोर्ट का रोस्टर रिस्टम : 11 नवंबर को पद संभालने के बाद सीजेआई खन्ना ने मामलों की सुनवाई को लेकर बनाए जाने वाले रोस्टर में बदलाव किया था। फैसला लिया गया कि सीजेआई और दो सीनियर जजों की अध्यक्षता वाली पहली तीन बेंच लेटर पिटीशन और जनहित याचिकाओं (पीआईएल) की सुनवाई करेंगी। केस अलॉटमेंट के नए रोस्टर के तहत सुप्रीम कोर्ट को लिखे लेटर पर आधारित याचिकाओं और पीआईएल की सुनवाई सीजेआई खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच करेंगी। पूर्व सीजेआई यूयू ललित सभी 16 बेंच को जनहित याचिकाएं सुनवाई के लिए अलॉट कर रहे थे। हालांकि उनके उत्तराधिकारी रहे सीजेआई चंद्रचूड़ ने इस प्रथा को बंद कर दिया था।

अमेरिकी सपने की कड़वी हकीकत

-38 डिग्री ठंड में ठिठुर कर मरा भारतीय परिवार, सबसे ज्यादा गुजराती गिरफ्तार

केलिफोर्निया (एजेंसी)। जनवरी 2022 में कनाडा से अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश के दौरान एक भारतीय परिवार की दुखद मौत ने मानव तस्करी के खतरनाक पहलुओं को उजागर किया है। इस घटना में गुजरात के जगदीश पटेल, उनकी पत्नी वैशालीबेन और उनके दो छोटे बच्चे, 11 वर्षीय विहांगी और 3 वर्षीय धर्मिक माइनस 38 डिग्री सेल्सियस की ठंड में जान गंवा बैठे। परिवार ने एक रात बिना रौशनी के, गहरे बर्फीले इलाकों से होकर 11 घंटे तक पैदल यात्रा की थी।

अमेरिकी सरकारी वकीलों के अनुसार, इस तस्करी नेटवर्क के कनाडाई हिस्से को हरषकुमार पटेल नाम का शख्स संचालित कर रहा था। यह शख्स 'डर्टी हैरी' के नाम से कुख्यात है। वहीं, अमेरिकी साइड में स्टीव शैंड नामक व्यक्ति इस धंधे को अंजाम दे रहा था। स्टीव शैंड को हाल ही में फ्लोरिडा के एक कैसीनो में तस्करी के लिए भर्ती किया गया था। इन दोनों पर मानव तस्करी के एक संगठित गिरोह का हिस्सा होने का आरोप है। दोनों ने खुद को निर्दोष बताया है।

तस्करी नेटवर्क की भयावहता

परिवार और अन्य 11 प्रवासी उस रात अमेरिका में प्रवेश की कोशिश कर रहे थे। यह लोग अपर्याप्त कपड़ों में, जैसे जींस और रबर के

जूते, बिना किसी उचित सर्दी के बचाव वाले उपकरणों के साथ यात्रा कर रहे थे। रास्ते में यह समूह बिखर गया, और पटेल परिवार अलग हो गया। कनाडाई सीमा पर जगदीश और उनके बेटे धर्मिक के शव एक-दूसरे से लिपटे हुए मिले। उनकी पत्नी और बेटी पास ही पाई गईं।

अधिकारियों के मुताबिक, यह तस्करी नेटवर्क गुजरात के परिवारों को अमेरिका में बेहतर जीवन का सपना दिखाकर प्रति व्यक्ति 90,000 डॉलर (करीब 75 लाख) तक की राशि वसूलता है। कई परिवार अपनी जमीन बेचकर या जमा पूंजी का इस्तेमाल कर इस खतरनाक यात्रा पर निकलते हैं।

आंकड़ों में भयावह सच

अमेरिकी सीमा और सीमा सुरक्षा (US-CBP) के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024 में कनाडा और मैक्सिको के रास्ते अवैध रूप से अमेरिका में घुसने की कोशिश करने वाले 90,415 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से लगभग आधे गुजरात से थे। खासकर, अमेरिका-कनाडा सीमा पर 43,764 भारतीयों को पकड़ा गया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

आगे की कार्रवाई

हर्षकुमार पटेल और स्टीव शैंड पर मानव तस्करी के आरोपों पर 18 नवंबर से मुकदमा शुरू होने वाला है। यह मामला मानव तस्करी की समस्या पर वैश्विक ध्यान आकर्षित कर रहा है। गुजरात में गरीबी और बेहतर जीवन के सपने ने कई परिवारों को जोखिम भरे रास्तों पर चलने को मजबूर किया है। लेकिन ऐसे हादसे यह सवाल उठाते हैं कि इन खतरनाक यात्राओं को रोकने के लिए कब प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

चीन : 21 साल के छात्र ने 8 लोगों को चाकू मार उतारा मौत के घाट, 17 को किया घायल

वुशी (चीन) (एजेंसी)। चीन के पूर्वी शहर वुशी में शनिवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 21 साल के छात्र ने चाकूबाजी की वारदात को अंजाम देते हुए आठ लोगों की जान ले ली और 17 अन्य को घायल कर दिया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, आरोपी की पहचान शू मौ जिन के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि परीक्षा में असफलता और नौकरी से नाखुश जिन अपनेआप पर काबू नहीं कर सका और इस घटना को अंजाम दे दिया। आरोपी शू मौ जिन ने पुलिस के सामने अपने अपराध को कबूल करते हुए बताया कि वह परीक्षा में फेल होने के कारण अपना स्नातक प्रमाणपत्र नहीं प्राप्त कर सका था। साथ ही, उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान कम वेतन और लंबे वर्किंग आवर (16 घंटे प्रतिदिन) को लेकर भी नाराजगी जताई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कई लोग खून से लथपथ जमीन पर पड़े हैं। घटना के दौरान छात्रों ने चीख-पुकार मचाई और डरे-सहमे अपने कमरों में बंद हो गए।

संक्षिप्त समाचार

चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान में हुआ 'निवेशक जागरूकता कार्यक्रम'

उदयपुर (पुकार)। भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की उदयपुर शाखा सेक्टर 14 स्थित आईसीएआई भवन में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन वित्तीय मार्केट और निवेश योजना के तत्वाधान में किया गया। शाखा उपाध्यक्ष सीए. राहुल माहेश्वरी ने बताया कि कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में प्रमुख वक्ता मुंबई से आए मनोज कुमार, कार्यकारी निदेशक, सिक्योरिटीज़ एण्ड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ़ इंडिया (एसएफबीआई) और दिल्ली से आए सूर्यकांत शर्मा, वरिष्ठ सलाहकार, एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया ने वित्तीय मार्केट पर विचार रखे और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स व कंपनी से आए रिप्रेजेन्टेटिव को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में संतोष मीणा एवं तरुण गर्ग भी मौजूद थे। इन कार्यक्रमों के ज़रिए, निवेश के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ, वित्तीय साक्षरता को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। सभी उपस्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के निवेश से जुड़ी चिंताओं को दूर किया। कार्यक्रम के अंत में शाखा के सिकासा अध्यक्ष सीए हितेष भदादा ने उपस्थित सभी चार्टर्ड एकाउंटेंट्स व अन्य को धन्यवाद् ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सीए. अभिषेक संचेती उपस्थित रहे।

राजस्थान के पहले डेडिकेटेड फ्लोट सेंटर लिक्विड सैंक्चुअरी का हुआ उद्घाटन

उदयपुर (पुकार)। राजस्थान के पहले डेडिकेटेड फ्लोट सेंटर 'लिक्विड सैंक्चुअरी उदयपुर' का मीरा नगर ब्लॉक-बी स्थित एनआईसीसी ग्राउंड फ्लोर पर शुभारंभ किया गया। इस विशेष अवसर पर इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया ने रिबन काटकर उद्घाटन किया।

पिछले 30 वर्षों से छाबड़ा परिवार के साथ जुड़े डॉ. मुर्डिया ने इस नई पहल के लिए तहे दिल से बधाई दी और इसे शहर के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की शुरुआत बताया, व गर्भवती महिलाओं के लिए भी बहुत फायदेमंद है।

लिक्विड सैंक्चुअरी' सेंटर के सह-संस्थापक जसजीव भसीन और डॉ. दृष्टि छाबड़ा ने बताया कि यह सेंटर फ्लोट (सेंसरी डिप्राइवेशन टैंक) थेरेपी प्रदान करता है, जो विशेष रूप से उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) के मरीजों के लिए लाभकारी है। हालांकि, यह थेरेपी निम्न रक्तचाप (लो ब्लड प्रेशर) वाले व्यक्तियों के लिए उपयुक्त नहीं है। डॉ. स्वीटी छाबड़ा एवं डॉ. पूजा छाबड़ा ने बताया कि इस थेरेपी के माध्यम से तनाव, अनिद्रा, मांसपेशियों के दर्द से राहत और मानसिक शांति का अनुभव किया जा सकता है। इस अवसर पर एनआईसीसी के सफल 23 वर्षों का भी जश्न मनाया गया। एनआईसीसी ने इन वर्षों में ब्यूटी और वेलनेस के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है और अब लिक्विड सैंक्चुअरी' के साथ स्वास्थ्य सेवा में एक नई दिशा की शुरुआत की है।

आरटीआई वीक पर राउंड टेबल इंडिया और लेडीज़ सर्कल ने मूक बधि विद्यालय

उदयपुर (पुकार)। उदयपुर के सभी राउंड टेबल्स और लेडीज़ सर्कल ने मिलकर 'आरटीआई वीक'' के अवसर पर रामपुरा चौराहा 'अभिलाषा विशेष विद्यालय मूक बधिर बच्चों के लिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये। कार्यक्रम में बच्चों ने 'कहानी सुनाने का सत्र' प्रस्तुत किया, जिसनें सभी का दिल जीत लिया। उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए ''250 ड्राइंग किट्स'' का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम की सबसे अनोखी बात यह रही कि स्कूल के बच्चों ने राउंड टेबल इंडिया के सदस्यों को ''साइन लैंग्वेज'' सिखाई, जिससे सभी के बीच आपसी समझ और सम्मान को बढ़ावा मिला। इस अवसर पर अनुभव चौधरी चेयरमैन यूएमआरटी 349, मोहित अग्रवाल चेयरमैन यूएलआरटी 206, टेबलर असीम बोलिया,टेबलर अमित अग्रवाल सहित उपस्थित गणमान्य सदस्यों में शामिल थे। राउंड टेबल इंडिया और लेडीज़ सर्कल द्वारा किया गया यह प्रयास विशेष बच्चों के सशक्तिकरण और समावेशी शिक्षा को समर्थन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ऑनलाइन गेम्स से बेहतर हैं मैदानी खेल

उदयपुर (पुकार)। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद उदयपुर के निर्देशन में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर के तत्वावधान में छह दिवसीय संयुक्त शोध कार्यशाला शनिवार को सम्पन्न हुई। जिसमें दत्त विश्लेषण एवं व्याख्या से निष्कर्ष निकल कर आया कि वर्तमान परिवेश में वर्चुअल गेम्स के बजाय खेल के मैदान में खेलने से विद्यार्थियों का शैक्षणिक, सामाजिक, मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है।

डाइट प्रिंसिपल चंद्रशेखर जोशी के अनुसार आईएफएससी प्रभागाध्यक्ष गायत्री जोशी एवं प्रभारी अमृता जोशी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में लीडर डाइट उदयपुर के अतिरिक्त कुचामन सिटी (नागौर), शाहपुरा (भीलवाड़ा) एवं बगड़ी नगर (पाली) के शोध विशेषज्ञों द्वारा संयुक्त सर्वे शोध 2024-25 की दत्त विश्लेषण, व्याख्या तथा प्रतिवेदन लेखन का कार्य किया गया। जिसमें शोध विषय 'विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों का योगदान' पर प्राप्त दत्तो का शोध विशेषज्ञों द्वारा विश्लेषण एवं व्याख्या की गई। शोध विश्लेषण में शोध विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण दोषी, डॉ.मोहम्मद सलीम,कल्पेश जैन,डॉ. कल्पना सुथार तथा अश्विनी कुमार द्वारा उपयुक्त सांख्यिकी एवं तकनीकी का प्रयोग करते हुए दत्तो का सारणीयन एवं विश्लेषण किया गया।

इस अवसर पर डॉ संजय कुमावत,अरुण कुमार, डॉ. नरेंद्र वैष्णव, डॉ. धीरेंद्र कुमार रांकावत एवं जगदीश चंद्र ने रिव्यू लिटरेचर पर कार्य किया। जबकि चांद तंवर, भारती तंवर, गार्गी भट्ट तथा निवेदिता कुमावत ने शोध आकल्प पर कार्य किया जबकि डॉ.भागचंद सोमानी, डॉ.मोहम्मद इस्लाम एवं डॉ. बंशीलाल बैरवा ने शोध विधि प्रविधि पर कार्य किया।

सुविविः पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

मौजूदा पत्रकारिता के लिए बड़ी चुनौती है फेक न्यूज़ और डीप फेक

उदयपुर (पुकार)। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से शनिवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी के मुख्य अतिथि सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की एसोसिएट डीन प्रोफ़ेसर दिग्विजय भटनागर ने कहा कि पत्रकारिता बहुत ज़िम्मेदारी और चुनौतियों से भरा पेशा है। बदलते तकनीक की दौर में मोबाइल जर्नलिज़्म और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की वजह से ख़बरों की दुनिया और व्यापक और समृद्ध हुई है लेकिन फेक न्यूज़ और डीप फेक जैसी चुनौतियां भी बढ़ गई है जिनसे निपटने के लिए भी गंभीर प्रयास करने होंगे।

विभागाध्यक्ष डॉक्टर कुंजन आचार्य ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में निरंतर बदलाव आ रहे हैं ऐसे में भावी पत्रकारों को भी तकनीक के साथ क़दमताल करते हुए स्वयं को इन बदलावों के लिए तैयार रखना होगा तभी वह भविष्य की चुनौतियों से सजगता के साथ सामना कर पाएंगे।

हिमांशु जैन ने प्रेस दिवस के इतिहास को रेखांकित करते हुए इसकी संकल्पना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। किन्जल तिवारी ने फेक न्यूज़ और फेक्ट न्यूज़ के बीच महीन रेखा को समझने और कामकाज में अपनाने की बात कही। वरिष्ठ पत्रकार विपिन गांधी ने कहा कि पत्रकारों के वेतनमान को लेकर लगातार संघर्ष होते रहे हैं लेकिन उसकी वजह से पत्रकारिता का जज़्बा कम नहीं होना चाहिए बल्कि पत्रकारिता को समाज को नई दिशा देने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। डॉ भारतभूषण ओझा ने कहा कि व्यावसायिकता के इस दौर में मीडिया एथिक्स का समुचित पालन होना बेहद आवश्यक है और बड़े संस्थानों को इस दिशा में चिंतन करना चाहिए ताकि नई पीढ़ी के पाठकों को समाचारों की सत्यता और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में समुचित जानकारी प्राप्त हो सके।

तरुण कुमार मीणा ने सोशल मीडिया के दौर में ख़बरों के तेज़ी से होते प्रसार के दौर में ख़बरें वायरल करने से पूर्व तथ्यों की पड़ताल करने पर बल दिया और कहा कि सोशल मीडिया भी पत्रकारिता का एक मज़बूत स्तंभ बन कर उभरा है लेकिन इसे अभी और अपनी ज़िम्मेदारी समझनी होगी। पलक चौधरी, राहुल बाजिया, हर्षिल, सिया पंवार और अभिषेक पंचोली ने भी विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के शुरू में सिया पंवार और किंजल तिवारी ने मुख्य अतिथि प्रोफसर भटनागर का उपरना ओढा कर, स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। धन्यवाद पलक चौधरी ने दिया।

उदयपुर की मेहमान नवाजी जीवन भर में दिल मे रहेगी : मैथ्यु वेईका

रोटरी इन्टरनेशनल फ्रेन्डशीप एक्सचेंज के तहत ब्राजील से उदयपुर पंहुची टीम का हुआ भव्य स्वागत

उदयपुर (पुकार)। रोटरी इन्टरनेशनल फ्रेंडशीप एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत ब्राजील से 4 सदस्यों की एक टीम आज रानी रोड़ स्थित रोटरी बजाज भवन पंहुची, जहां रोटरी क्लब उदयपुर की ओर से पूर्वाध्यक्ष सतीश जैन के नेतृत्व में टीम का भव्य स्थित किया गया।

क्लब अध्यक्ष अनिल छाजेड़ ने रोटरी फ्रेंडशीप कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कहा कि इस कार्यक्रम में नॉन रोटेरियन शामिल होते है और वे दूसरे देश जा कर वहां की संस्कृति, रहन-सहन,खान-पान को नजदीक से देखते है और इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर रोटरी इन्टरनेशनल ने यह कार्यक्रम बनाया था। इस अवसर पर टीम लीडर मैथ्यु वेईका ने कहा कि दो दिवसीय भ्रमण के रूप में उदयपुर आयें जहां उन्हें रोटेरियन पूर्वाध्यक्ष सीतश जैन के निवास पर ठहराया गया ताकि हम वहां दो देशों के बीच की संस्कृति का आदान-प्रदान कर सकें। उन्होंने कहा कि उदयपुर की मेहमान नवाजी को वे व उनकी टीम आजीवन याद रखेंगे। यहां उनकी 4 सदस्यों एलबॉन अपरारेका,जीन ह्यूगो, अन्डामारा मोटा डे अगुलार ने विश्व प्रसिद्ध उदयपुर का भ्रमण कर यहां की सुन्दरता को नजदीक निहारा। यहां के लोग काफी मिलनसार एवं खुशमिजाज है और यहीं उदयपुर को दुनिया के विभिन्न देशों से अलग बनाता है।

इस अवसर पर पूर्व प्रान्तपाल निर्मल सिंघवी ने कहा कि रोटरी इन्टरनेशनल का यह कार्यक्रम दो देशों को आपस में जोड़ती है। इस कार्यक्रम के तहत उदयपुर से भी कई नॉन रोटेरियन ने विभिन्न देशों की यात्राएं की है। अंत में सचिव एडेवाकेट डॉ. भरत सरूपरिया ने आभार ज्ञापित किया।

उदयपुर महिला समृद्धि अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की सहकारिता की भूमिका पर व्याख्यान माला संपन्न

उदयपुर (पुकार)। दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.के 71वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के तृतीय दिवस उद्यमिता रोजगार एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने में सहकारिता की भूमिका विषय पर शनिवार को उदयपुर महिला समृद्धि अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के संयोजन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रमोद सामर प्रदेश संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ उपस्थित थे। विषय के मुख्य वक्ता शांतिलाल शर्मा एवं बैंक अध्यक्षा डॉ. किरण जैन के सानिध्य में व्याख्यानमाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि प्रमोद सामर ने अपने उद्बोधन में बताया की सहकारिता एक स्वायत्त क्षेत्र है जो स्वेच्छा से एकजुट होकर संयुक्त रूप से स्वामित्व वाले लोकतांत्रिक रूप से नियंत्रित उद्यम के माध्यम से अपनी सामान्य आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आवश्यकताओ को पूरा करता है। सहकारी समितियां कई आर्थिक क्षेत्रों में एक मजबूत प्रतिस्पर्धी के रूप में खड़ी हैं। इस संदर्भ में, सहकारिता ही एक मात्र व्यवहार्य समाधान के रूप में उभरती है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शान्तिलाल शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि सहकारिता व्यक्तियों का स्वायत्त समूह है जो लोकतांत्रिक रूप से नियंत्रित उद्यमों के माध्यम से अपनी सामान्य आर्थिक, सामाजिक आवश्यकता के लिए एकजुट होते है। सहकारिता स्वयं सहायता, लोकतंत्र, समानता के साथ साथ संयुक्त दायित्व के मूल्यों पर आधारित है। भारत में सहकारिता क्षेत्र का ऐतिहासिक महत्व 1904 से है जो उद्यमिता, रोजगार एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने में अग्रणी है। कार्यक्रम में बैंक अध्यक्षा डॉ किरण जैन ने उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि आज महिला समृद्धि अरबन को ऑपरेटिव बैंक समाज के प्रत्येक वर्ग की महिलाओं को लघु एवं मध्यम स्तर के ऋणों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक स्तर को मजबूत करने के साथ साथ उनकी कार्य क्षमता को विकसित करने के कौशल विकास के कार्यों द्वारा उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का कार्य सफलता पूर्वक किया है व आगे भी निरन्तर करते रहेगा।

कार्यक्रम में संघ के उपाध्यक्ष किरण कुमार नागोरी, संचालक सदस्य अमृत मेनारिया, विष्णु प्रजापत, अध्यक्ष भूमि विकास बैंक रेवा शंकर गायरी महिला समृद्धि बैंक के निदेशक मंडल से खुशबू मालवीय, कंचन केसर सोनी, मंजू शर्मा, मीना चौहान, सुभाषिनी शर्मा, विद्या किरण अग्रवाल, आशा लता सिंघवी, मीनाक्षी श्रीमाली उपस्थित रहे।

संघ के अध्यक्ष डाया लाल लबाना द्वारा धन्यवाद दिया गया एवं मंच संचालन श्रीमती सुदर्शना भट्ट द्वारा किया गया।

आचार्य विजयराज जी म.सा. आदि ठाणा के मंगल विहार में उमड़ा अपार जन समूह

विदाई की वेला पर श्रद्धालुओं की आंखों से बहे अश्रु

जय-जयकार जय-जयकार विजय गुरू की जय-जयकार से गूंजा नभ

उदयपुर (पुकार)। केशवनगर स्थित नवकार भवन में आत्मोदय वर्षावास की पूर्णाहूति पर हुक्मगच्छाधिपति आचार्य श्री विजयराज जी म.सा. एवं उपाध्याय श्री जितेश मुनि जी म.सा. आदि ठाणा के साथ शनिवार सुबह 8 बजकर 21 मिनट पर मंगल विहार। विहार की वेला पर भारी संख्या में श्रद्धालु श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित हुए। विहार से पूर्व आचार्य श्री जी ने सभी को मांगलिक फरमाई, मांगलिक पश्चात सभी ओर से हु शि उ चौ श्री ज ग नाना विजय चमकते सूर्य समाना, जय-जयकार जय-जयकार विजय गुरू की जय-जयकार से गगन गूंजायमान हो गया। इस अवसर पर कइयों की आंखों से अश्रुधारा बह निकली।

श्री हुक्मगच्छीय साधुमार्गी स्थानकवासी जैन श्रावक संस्थान के अध्यक्ष इंदर सिंह मेहता ने बताया कि शनिवार को आचार्य श्री जी के मंगल विहार की वेला पर अलसुबह से ही नवकार भवन पर श्रद्धालु श्रावक-श्राविकाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। विहार की वेला में कई श्रद्धालुओं की आंखों से अश्रु निकल पड़े। विहार से पहले सभी श्रद्धालुओं को आचार्य श्री विजयराज जी म.सा. ने मांगलिक प्रदान की, इसके बाद ठीक 8 बजकर 21 मिनट पर आचार्य श्री विजयराज जी म.सा., उपाध्याय प्रवर श्री जितेश मुनि जी म.सा. आदि ठाणा ने विहार किया एवं न्यू केशवनगर मैन रोड़, रूपसागर मैन रोड़ होते हुए शुभ मंगल वाटिका पधारे जहां विशाल जनमेदिनी धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। आचार्य श्री ने उपस्थित जनमेदिनी को उद्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में सत्य को प्रतिष्ठित करें। गौतम स्वामी ने प्रभु महावीर से पूछा कि लोक का सार क्या है? तो प्रभु ने कहा कि लोक का सार सत्य है। जीवन में सत्य प्रतिष्ठित हो जाता है तो हम कषाय से भी मुक्त हो जाते हैं। सत्य जीवन में निश्चिंतता लाता है। सत्य से ही शान्ति, शक्ति व सुरक्षा मिलती है। सत्य की नौका में बैठकर ही कितने ही जीवों का कल्याण हुआ है। तपस्या करने हेतु तन की शक्ति, मन की भक्ति एवं जीवन में विरक्ति चाहिए पर तप हर कोई नहीं कर सकता। हम सत्य के साथ जिएंगे, यह संकल्प तो हर कोई ले सकता है। इसके लिए सकारात्मक सोच चाहिए। सत्य सकारात्मक सोच में, शान्ति में बसता है। सोच सही हो तो सब सही होने लगता है। सही सोच से ही सुंदर व्यक्तित्व का निर्माण होता है। उपाध्याय श्री जितेश मुनि जी म.सा. ने कहा कि मनुष्य जन्म बड़ा दुर्लभ है। हम तय करें कि इस दुर्लभ मनुष्य जीवन में हम नूतन जीवन का निर्माण करें। हम अपनी आंख, कान, नाकादि पंचेन्द्रियों की शक्ति का सदुपयोग करें। हम अपने मस्तिष्क से व्यर्थ की बातों को निकाल कर नवीन सद्प्रेरणाओं को अपनाएं। संत जिनवाणी का प्रसाद बांटते हैं, उसे गले से नीचे उतार कर हृदयंगम करें। श्रद्धेय श्री विशालप्रिय जी म.सा. ने फरमाया कि हम शरीर को ही सत्य मान रहे हैं, जबकि यह तो पुद्गल है। हमें समझना होगा कि आत्मा ही सत्य है, हम अपनी आत्मा को पुष्ट करें। श्रीसंघ महामंत्री पुष्पेन्द्र बड़ाला ने बताया कि आनंदीलाल बम्बोरिया ने आगत सभी अतिथियों का स्वागत किया। सभा में रजनी सरूपरिया एवं सखियों ने विदाई गीत एवं गोटू लालजी लसोड़ ने विचार व्यक्त किये। मीडिया प्रभारी डॉ. हंसा हिंगड़ ने बताया कि गौतम प्रसादी के लाभार्थी मंजू ललित बम्ब थे। वहीं आचार्य श्री जी की दोपहर की मांगलिक लवली स्टेट में हुई। श्री बलवन्त सिंहजी कोठारी ने सभी का आभार माना .आचार्य श्री रविवार प्रातः की प्रार्थना ऋषभ- पारस मेहता के निवास पर कराएंगे, तत्पश्चात विहार कर सेक्टर-3 महावीर भवन पधारेंगे जहां सवा नौ बजे से व्याख्यान होगा।

नव आगन्तुक एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों का स्वागत एवं वाइट कोट सेरेमनी

उदयपुर (पुकार)। पेसिफिक इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, उमरड़ा में नये एम.बी.बी.एस. विद्यार्थी 2024 का प्रेरणा कार्यक्रम और वाइट कोट समारोह का आयोजन किया गया। पेसिफिक इंस्टियूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में अभी तक 150 एम.बी.बी.एस. विद्यार्थी प्रतिवर्ष भर्ती होते थे। इस वर्ष एन.एम.सी. द्वारा एम.बी.बी.एस. में 200 सीटे दी गयी है। यह संस्थान के लिये गर्व का विषय है। संस्थान में उपलब्ध बढ़िया इंफ्रास्ट्रक्चर एवं स्टाफ के कारण इस वर्ष स्नातकोत्तर (एम.डी./एम.एस.) विषयों मे भी सीटों की अभीवृद्धि दी गयी है। पहले 67 पी.जी. विद्यार्थी प्रतिवर्ष प्रवेश लेते थे। इस वर्ष 158 पी.जी. विद्यार्थियों के लिये एन.एम.सी. ने सहमति पत्र प्रदान की है। समारोह में 200 नये एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों का स्वागत किया गया।

संस्था के चेयरमैन आशीष अग्रवाल एवं श्रीमती शीतल अग्रवाल ने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति डॉ. प्रशांत नाहर ने विद्यार्थियों को वाइट कोट के महत्व के बारे में समझाया। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. सुरेश गोयल ने हिप्पोक्रेटिक ओथ की शपथ दिलाई कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण मेहनत से रोगियों की देखभाल बिना किसी भेदभाव के करेगें, चिकित्सा के समय प्राप्त रोगी से संबधित समस्त जानकारी गोपनीय रखेंगे। सभी विद्यार्थियों ने शपथपूर्वक प्रण किया कि वे आजीवन समस्त नवीन अनुसंधान के अनुसार रोगियों को सेवा प्रदान करेंगे, रोगियों को कभी ऐसी दवा/चिकित्सा उपलब्ध नही करवायेंगे जो उनको किसी प्रकार का नुकसान पहुंचा सकें। उन्हें यह भी शपथ दिलाई गयी कि आवश्यक होने पर अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों से भी परामर्श लेंगे। अधीक्षक डॉ. सरीता क्रान्त ने चिकित्सा नैतिकता का विशलेषण किया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र जैन, लैब डायरेक्टर डॉ. चांदरा माथुर, सीनियर प्रोफेसर डॉ. बी.एल. कुमार एवं मेडिकल डायरेक्टर डॉ. कमलेश शेखावत उपस्थित रहे। फोरेंसिक मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. प्रणव कुमार ने अतिथियों का हर्षोल्लास से स्वागत किया।

इसी क्रम में राष्ट्रीय खेल सप्ताह कार्यक्रम के विजेताओं को आशीष अग्रवाल, डॉ. प्रशांत नाहर एवं डॉ. सुरेश गोयल ने पुरस्कृत किया। अकादामिक निदेशक डॉ. दिलीप कुमार पारीक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन अकादामिक टीम, एम.बी.बी.एस. छात्रा खुशी वशिष्ट, संजना अग्रवाल एवं अन्य सहियोगी छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया।

पीएमयू में पंजाबी गायक गुरी की संगीतमय प्रस्तुति ने बांधा समां

उदयपुर (पुकार)। पेसिफिक मेडिकल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए शुक्रवार रात एक यादगार संगीतमय अनुभव लेकर आई, जब मशहूर पंजाबी गायक गुरी ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के आरंभ में विश्वविद्यालय के चेयरमेन राहुल अग्रवाल ने कहा इस तरह के कार्यक्रम हमारे विद्यार्थियो के लिए न केवल मनोरंजन का जरिया हैं, बल्कि यह उन्हें नए जोश और ऊर्जा के साथ अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते हैं। हमें गर्व है कि पीएमयू ऐसा मंच प्रदान कर रहा है जहां शिक्षा और संस्कृति का अद्भुत संगम होता है। कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग प्रस्तुतियों से हुई जहां छात्रों ने अपने नृत्य और गायन से दर्शकों का मनोरंजन किया। इसके बाद मंच पर पहुंचे गुरी और उनके हिट गानों की गूंज से पूरा परिसर झूम उठा। गुरी ने लवली वर्जिनिया,यार बेली, और सोहने लगदे जैसे सुपरहिट गाने गाकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

पंजाबी गायक गुरी की मधुर आवाज और ऊर्जावान प्रदर्शन ने छात्रों को अपने सीटों से उठकर नाचने पर मजबूर कर दिया। दर्शकों के बीच उत्साह इतना अधिक था कि पूरा कार्यक्रम तालियों की गडगडाहट से गूंजता रहा। कार्यक्रम के अंत में पीएमसीएच की चेयरमेन प्रीति अग्रवाल ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि संगीत वह भाषा है जो हर दिल तक पहुंच सकती है। आज का यह कार्यक्रम हमारे छात्रों को न केवल खुशियां दे रहा है बल्कि यह उन्हें आत्मविश्वास और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देता है। हमारा उद्देश्य हर छात्र को उनके जीवन में संतुलन और सफलता की ओर ले जाना है।

इस दौरान गुरी ने मंच से विद्यार्थियो को उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया और अपने फैंस के प्रति आभार व्यक्त किया।

अवैध दुकानों के निर्माण पर पूर्व विधायक जोशी ने दी आंदोलन की चेतावनी

उदयपुर (पुकार)। मावली के पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर मावली में डाक बंगले के पास बनी अवैध दुकानों के मामले में निरन्तर आगाह करने के बाद भी डेढ़ वर्ष में भी प्रशासन द्वारा कार्यवाही नहीं करने की स्थिति पर क्षोभ व्यक्त करते एक माह में कार्यवाही न होने पर आंदोलनात्मक रुख अपनाने की चेतावनी दी है। जोशी ने पत्र में लिखा है कि प्रशासन व विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत व प्रश्रय के कारण अतिक्रमणकारियों व अवैधनिर्माणकर्ताओं को प्रोत्साहन मिला है। एक विभागीय कार्मिक ने रिकॉर्ड में उक्त भूमि के खसरा नौबर में हेरफेर कर फर्जी दस्तावेजों सू नामांतरण किया गया। इस सम्बन्ध में अब तक कोई जांच या कार्यवाही नहीं की गयी। केवल नाममात्र के लिये दुकाने सीज की गयी।

जोशी ने कहा कि उन्होनें विधायक रहते यह मामला विधानसभा में भी उठाया था, लेकिन तत्कालीन सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की, लेकिन अब तक निरंतर आगाह के बाद भी प्रशासनिक शिथिलता क्षोभ का विषय है। जोशी ने आरोप लगाया है कि इस मामले को दबाने व कार्यवाही शिथिल करने के लिये बड़ी धनराशि का लेनदेन हुआ है, इसी कारण प्रशासन कार्यवाही नहीं कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. मेधा माथुर आईएपीएसएम राजकॉन 2024 में सर्वश्रेष्ठ शोध के पुरस्कार से सम्मानित

उदयपुर (पुकार)। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज, उदयपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की डॉ. मेधा माथुर को आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर द्वारा आयोजित आईएपीएसएम राजकॉन 2024 में 120 शोध पत्रों में से सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार मिला। उन्होंने 'स्वास्थ्य कर्मियों पर हिंसा' पर अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया जो आज के परिदृश्य में एक ज्वलंत विषय है। डॉ मेधा ने 'ब्रिटिश मेडिकल जर्नल के अनुसंधान और प्रकाशन' विषय पर प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला में रिसोर्स फैकल्टी के रूप में सत्र लिया। उन्होंने उदयपुर में राज्य स्तरीय सम्मेलन के दौरान 'स्वास्थ्य के क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' विषय पर सत्र की अध्यक्षता भी की।

हेमंत सालवी गिर्वा मंडल अध्यक्ष नियुक्त

उदयपुर (पुकार)। बजरंग सेना मेवाड़ ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए हेमंत सालवी को गिर्वा मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति संभागीय प्रभारी करणवीर सिंह राठौड़ की अनुशंसा पर संगठन प्रमुख कमलेंद्र सिंह पंवार ने की।

समुत्कर्ष समिति का 21वां रक्तदान सेवा शिविर कल

उदयपुर (पुकार)। समुत्कर्ष समिति उदयपुर द्वारा सामाजिक समरसता के पुरोधा गुरु नानक देव की 555वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से 'समुत्कर्ष रक्तदान सेवा' का आयोजन रविवार को किया जाएगा। समुत्कर्ष रक्तदान सेवा संयोजिका निर्मला मेनारिया ने बताया कि शहर की समुत्कर्ष समिति एवं वन्दे मातरम् सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 21वीं समुत्कर्ष रक्तदान सेवा का आयोजन सूरजपोल उदयपुर स्थित निंबार्क शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में किया जाएगा। इस अवसर पर न्यूनतम 51 यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है। समुत्कर्ष रक्तदान सेवा कार्यक्रम के सह संयोजक गिरीश चौबीसा ने बताया कि रविवार प्रातः 10 बजे से प्रारम्भ होने वाले इस कार्यक्रम में सभी समाजों के साथ साथ विभिन्न महाविद्यालयों के स्वयंसेवक बढ़ चढ़कर रक्तदान करने तथा रक्तदान करवाने का संकल्प लेंगे।

फतहबाला हनुमान मन्दिर पर अन्नकूट आयोजन

उदयपुर (पुकार)। लोक कला मण्डल के पार्श्व में स्थित श्री बाला हनुमान मन्दिर में ट्रस्ट द्वारा अन्नकूट धराया गया।

महोत्सव के आयोजन में उदयपुर के विधायक ताराचंद जैन, राज्यसभा सदस्य चुन्नीलाल गरासिया, भाजपा नेता मांगीलाल जोयी,ट्रस्ट के ट्रस्टीज लक्ष्मण सिंह कर्णावट, करणसिंह नलवाया, दिलीप सांखला, कमल कर्णावट, श्याम सुन्दर शर्मा, आशुतोष पितलिया, लक्ष्मी नारायण टांक, आकाश वागरेचा सहित पार्षद अरुण टांक, सोनिका जैन, कुसुम पंवार युवा नेता गजेन्द्र भण्डारी आदि कई महानुभावो ने महा आरती के समय मौजूद थे। बाद मे सभी भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

सबलपुरा अन्नकूट भोग धराया

उदयपुर (पुकार)। खेखरे के पर्व के बीत जाने के पश्चात अब उदयपुर के कई मंदिरों में ठाकुर जी को अन्नकूट का भोग लगाने की कवायद लगातार जारी है। इसी कड़ी में उदयपुर शहर के समीप बेदला खुर्द पंचायत के सबलपुरा गांव में स्थित चारभुजा मंदिर में अन्नकूट भोग धराया गया। मंदिर को इस अवसर पर सजाया गया और ठाकुर जी को विशेष आंगी धराई गई। इसके अलावा मंदिर में मार्बल के कीमती नव आकर्षक हाथी के जोड़ो को विधि विधान से भी स्थापित किया गया। हाथी के जोड़ो के राजसमंद से सबलपुरा गांव आगमन पर लोगों में उत्साह का माहौल हो गया। इस दौरान हाथी के जोड़ो के आने की खुशी में ग्रामीणों और गांव के मौतबीरों ने उपसरपंच निमित डांगी के नेतृत्व में ढोल नगाड़ों से भव्य स्वागत करते हुए पूरे गांव में शोभा यात्रा निकाली। इस खुशी में विशेष कर महिलाओं ने नृत्य कर इस आयोजन को भव्यता प्रदान की। वहीं देर शाम को मंदिर परिसर में बेदला के स्थानीय प्रसिद्ध भजन गायक चंद्रप्रकाश पानेरी और हीरा लाल डांगी की अगुवाई में कलाकारों ने ठाकुर जी के भजनों का गायन कर कार्यक्रम को भक्ति मई कर दिया।

डॉ इन्द्र प्रकाश श्रीमाली को भावांजलि अर्पित

उदयपुर (पुकार)। प्रसंग संस्थान उदयपुर की ओर से पूर्व केन्द्र निदेशक, आकाशवाणी, वरिष्ठ साहित्यकार और कवि डॉ इन्द्र प्रकाश श्रीमाली की स्मृति में विद्या भवन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के सभागार में स्मरणांजलि सभा आयोजित हुई। नगर के साहित्यकारों, मित्रों और परिजनों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि समर्पित की। सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट पुत्र कौस्तुभ प्रकाश ने कहा कि मुझे बचपन से ही हिन्दी भाषा से प्रेम रहा है जिसका श्रेय मेरे नाना नंद चतुर्वेदी और पिता को जाता है। उन्हें मेरे प्रोफेशन पर गर्व होता था।वे मुझे कहते थे कि तुम हमेशा वंचित और सच्चे व्यक्ति को न्याय दिलवाना।

गीतकार किशन दाधीच ने कहा कि वे आवाज़ के जादूगर थे। प्रोफेसर अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि श्रीमाली जी ने मीडिया पर अनेक पुस्तकें लिखी है। उन्होंने सुखाडिया विश्वविद्यालय में पत्रकारिता विभाग में अध्यापन के दौरान आकाशवाणी में भाषा प्रयोग की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया था। जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी ने उनके मृदु व्यवहार को याद किया। राजेन्द्र सेन ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा एवं आकाशवाणी के संपूर्ण कार्यकाल पर प्रकाश डाला। डॉ. गरिमा चतुर्वेदी ने कहा कि श्रीमाली जी मेरे पेशेंट थे। मैंने ऐसा जिंदादिल पेशेंट नहीं देखा जो बीमारी को हरा देने का जज्बा रखता हो। श्रीमती तृप्ति ने परिजनों की ओर से संदेश वाचन किया। युगधारा की अध्यक्ष किरण बाला जिनगर, अशोक मंथन, प्रगतिशील लेखक संघ की अध्यक्ष सरवतुन्निसा खान ने डॉ इन्द्र प्रकाश श्रीमाली को आवाज़ और शब्दों का जादूगर कहा। सभा में जय राजस्थान अखबार के श्री शैलेश व्यास, वरिष्ठ आलोचक कवि श्री नंद भारद्वाज, आलोचक एवं बनास जन पत्रिका के संपादक , लेखक पल्लव, दिल्ली के संस्मरण सुनाए गए।सिम्मी सिंह, पाथेय संस्थान की मधु अग्रवाल, व्यापार मंडल,फतहपुरा सहित अनेक संदेश पढ़े गए। डाक्टर सुयश चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीमाली जी ने हिफाजत, गांधी,होमर जैसी फिल्मों में काम किया। इसके साथ ही उनकी रूचि रंगमंच के क्षेत्र में भी थी। उन्होंने हाल में दूरदर्शन पर कविता पाठ भी किया था। सभा का संचालन डॉ सरिता जैन ने किया जिसमें उन्होंने डाक्टर श्रीमाली द्वारा लिखी मीडिया और साहित्य पर प्रकाशित पुस्तकों की भी जानकारी दी।

श्री राम स्केटिंग क्लब ने मनाया बालदिवस

उदयपुर (पुकार)। लायंस क्लब उदयपुर श्रीजी और श्री राम स्केटिंग क्लब द्वारा सेंट्रल अकादमी हिरन मगरी के खेल मैदान में स्केटिंग खिलाड़ियों के साथ बाल दिवस मनाया। कार्यक्रम में लॉयन राजेंद्र प्रसाद सनाढ्य, बालकृष्ण सुहालका, श्री राम स्केटिंग क्लब के डायरेक्टर मनजीत सिंह, अध्यक्ष लॉयन दिनेश कुमार माली, वाइस प्रेसिडेंट लॉयन धारावती सुहालका, लॉयन राकेश अरोड़ा, लॉयन नीलम सनाढ्य, कोच जगत प्रताप सिंह और सिद्धि अरोड़ा खिलाड़ियों के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के साथ बालदिवस मनाया गया।

उपराष्ट्रपति, उप मुख्यमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने महेंद्र सिंह मेवाड़ को दी श्रद्धांजलि

उदयपुर (पुकार)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शनिवार को अपनी धर्मपत्नी श्रीमती डॉ.सुदेश धनखड़ संग उदयपुर स्थित समोर बाग पहुँचे। यहां उन्होंने पूर्व राजपरिवार सदस्य महेंद्र सिंह मेवाड़ को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने दिवंगत महेंद्र सिंह मेवाड़ के पुत्र नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ और परिवारजनों से मुलाकात कर बैठ कर महेंद्र सिंह मेवाड़ के योगदान और उनकी विरासत को याद करते हुए उनके प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि महेंद्र सिंह मेवाड़ ने संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में अतुलनीय योगदान दिया है। इस दौरान राजसमंद सांसद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ भी मौजूद रही।

दिवंगत महेंद्र सिंह मेवाड़ को अर्पित किए श्रद्धा सुमन : उप मुख्यमंत्री दियाकुमारी शनिवार को एकदिवसीय दौरे पर उदयपुर पहुंचीं। उप मुख्यमंत्री आज डबोक एयरपोर्ट से सीधे ही शहर के समोर बाग पहुंचीं और यहां उन्होंने पूर्व राजपरिवार सदस्य दिवंगत श्री महेंद्र सिंह मेवाड़ को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। उन्होंने शोक संतृप्त परिजनों से चर्चा की और ढांढस बंधाया। उप मुख्यमंत्री ने दिवंगत मेवाड़ के व्यक्तित्व की सराहना की और कहा कि उनका मुझ पर बड़ा आशीर्वाद रहा। उनके निधन को उपमुख्यमंत्री ने अपूरणीय क्षति बताया।

दिवंगत मेवाड़ को दी श्रद्धांजलि : उदयपुर दौरे पर रहे संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल शनिवार को समोर बाग पहुंचे और वहां मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार सदस्य दिवंगत महेंद्र सिंह मेवाड़ को श्रृद्धांजलि अर्पित कर शोक संवेदना प्रकट की एवं शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। पटेल ने दिवंगत महेंद्र सिंह मेवाड़ के पुत्र एवं नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ से मुलाकात की एवं शोक प्रकट किया।

संसदीय कार्य मंत्री पटेल उदयपुर दौरे पर रहे

सर्किट हाउस में की बार एसोसिएशन प्रतिनिधियों से मुलाकात

उदयपुर (पुकार)। विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल शनिवार को उदयपुर दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने सर्किट हाउस में आमजन एवं प्रबुद्धजनों से मुलाकात की। पटेल से शनिवार सुबह राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत, उपमहापौर पारस सिंघवी, समाजसेवी प्रमोद सामर, गजपाल सिंह राठौड़ आदि ने भी आत्मीय भेंट की।

बार एसोशिएशन प्रतिनिधियों से की चर्चा : इस अवसर पर सर्किट हाउस में पटेल से बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी मुलाकात की तथा उदयपुर में हाइकोर्ट बेंच की स्थापना हेतु ज्ञापन सौंपा, इस दौरान पटेल ने बार एसोसिएशन प्रतिनिधियों से उदयपुर में न्यायिक क्षेत्र, नवीन न्यायालय परिसर आदि के संबंध में चर्चा की एवं सुझाव लिए। ज्ञापन सौपनें के दौरान बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मंत्री पटेल को बताया कि दक्षिणी राजस्थान के बहुसंख्यक निवासी सामाजिक, आर्थिक, न्याय, स्वतंत्रता एवं समानता से वंचित रहे है, क्योंकि राज्य के सबसे बड़े न्यायालय (उच्च न्यायालय) में न्याय प्राप्त करने हेतु नहीं जा सकते, इसी कारण से इस क्षेत्र की जनता विगत 43 वर्षों से राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थायी खण्डपीठ, उदयपुर में स्थापित करने हेतु मांग कर रही है। इस क्षेत्र की विशेष, ऐतिहासिक, भौगोलिक, आर्थिक एवं सामाजिक स्थितियों व विशिष्ट संवैधानिक व्यवस्थाओं के आधार पर भी उदयपुर में स्थायी खण्डपीठ स्थापित किया जाना अपेक्षित है।

इस दौरान शम्भू सिंह राठौड़, रमेश नन्दवाना, भरत कुमार वैष्णव, बार कार्यकारिणी अध्यक्ष भरत जोशी, महासचिव राजेश शर्मा, उपाध्यक्ष बंशी लाल गवारिया, वित्त सचिव पंकज तम्बोली,के साथ अधिवक्ता रामकृपा शर्मा, गजपाल सिंह राठौड़, आशुतोष पुरी गोस्वामी, आदि मौजुद थे।

मुख्यमंत्री ने डाली व मोहन को किया सम्मानित

उदयपुर (पुकार)। बांसवाड़ा में आयोजित हुए राज्य स्तरीय बिरसा मुंडा जन्म जयंती जनजाति गौरव दिवस सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर जिले के टीएसपी क्षेत्र की उभरती जनजाति खेल प्रतिभा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धार की छात्रा डाली गमेती तथा पूर्व छात्र मोहनलाल गमेती को उनकी खेल उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। डाली ने एशियाई लैक्रोज़ प्रतियोगिता में रजत पदक, लैक्रोज़ फ़ेडरेशन कप में स्वर्ण पदक, जूनियर राष्ट्रीय लैक्रोज़ प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहते हुए स्वर्ण पदक, सब जूनियर टेनिस बॉल क्रिकेट में कांस्य पदक जीता। वहीं राजस्थान विद्यापीठ के छात्र राजस्थान सीनियर लैक्रोज़ टीम के कप्तान मोहन लाल गमेती को प्रथम फेडरेशन कप तथा जूनियर राष्ट्रिय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर सम्मानित किया गया।

पानी भरने के दौरान विवाहिता के साथ छेड़छाड़ के विवाद में युवक की हत्या

उदयपुर (पुकार)। सुखेर थाना क्षेत्र में पानी भरने के दौरान विवाहिता के साथ छेड़छाड़ करने पर आदिवासी युवक की साला-बहनोई ने लठ से पीट-पीटकर हत्या कर दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार तेजपाल (40) पुत्र देवजी मीणा निवासी अम्बेरी ने शनिवार सुबह पानी भरने के दौरान महिला के साथ छेड़छाड़ की। इस पर उसी मकान में रहने वाले महेन्द्रसिंह और उसके साले सत्यपाल सिंह ने तेजपाल को लठ से पीट-पीटकर गंभीर घायल कर दिया। सूचना पर सुखेर थाने के एएसआई लालसिंह व कांस्टेबल दिनेश सिंह मौके पर पहुंचे और उसे घायलावस्था में एमबी चिकित्सालय ले गए, जहां उसकी मौत हो गई।

इस घटना की रिपोर्ट हरिसिंह पुत्र तेजपाल सिंह दुलावत ने दर्ज कराई। शव को एमबी चिकित्सालय के मुर्दाघर में रखवाया गया है।

मृतक का पोस्टमार्टम रविवार को होगा। पुलिस ने दोनों आरोपियों को डिटेन कर लिया है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

घर के बाहर खड़ी कार चोरी

उदयपुर (पुकार)। यहां प्रतापनगर थाना क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी कार को रात में अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार डिंगरकिया हाल देबारी निवासी कैलाश पुत्र लोगर लाल गाडरी ने रिपोर्ट दी कि वह निशा पत्नी संतोष कुमार श्रीवास्तव की गाड़ी चलाता था। उसने मकान के बाहर 13 नवम्बर को रात 8.30 बजे गाड़ी खड़ी की थी। 16 नवम्बर सुबह 6 बजे गाड़ी के पास गया तो वह वहां नहीं मिली। गाड़ी की आरसी, इंश्यारेंस पॉलिसी एवं सभी मूल कॉपी उसमें ही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिरसा मुण्डा नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को दिलाई क्रांतिकारियों की याद

उदयपुर (पुकार)। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा भगवान बिरसा मुण्डा के 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय जनजाति महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को बिरसा मुण्डा के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति बिरसा मुण्डा का मंचन शिल्पग्राम के दर्पण सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत तथा विशिष्ठ अतिथि उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा एवं डॉ. रजनी रावत थे।

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय जनजाति महोत्सव के अंतिम दिन बिरसा मुण्डा के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति बिरसा मुण्डा का मंचन किया गया। इस नाटक के लेखक सतीश दवे तथा परिकल्पना एवं निर्देशन राजकुमार रायकवार ने किया। संगीत अभिषेक दुबे द्वारा किया गया। यह नाटक रामकृष्ण रिपरटायर कल्चरल एंड सोशल सोसाइटी की 25 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला के अंतर्गत तैयार किया गया। अबुआ दिशुम अबुआ राज (बिरसा मुण्डा) एक ऐसे सामान्य व्यक्ति की कहानी है जो अपने समाज अपने देश के लिए क्रांतिकारी काम करके स्वयं भगवान के रूप में प्रतिष्ठापित हो जाता है। वनवासी के रूप में बिरसा मुंडा ने जिस तरह का कार्य किया है निश्चित रूप से एक सामान्य आदमी की संवेदनाओं से परे का कार्य है। हैजा, चेचक जैसी बीमारियों के बीच भी समाज की सेवा करना और उसी के साथ अपने जल जंगल और जमीन के लिए शक्तिशाली राज्य से सामना करना महत्वपूर्ण कार्यों में से है।

कलाप्रेमियों ने इस नाटक तथा उसके पात्रों द्वारा किए गए अभिनय को सराहा। अंत में सभी कलाकारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर केन्द्र के उपनिदेशक (कार्यक्रम) पवन अमरावत, अधीक्षण अभियंता सी.एल. सालवी, कार्यक्रम अधिशाषी हेमंत मेहता आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन केन्द्र के सहायक निदेशक (वित्तीय एवं लेखा) दुर्गेश चांदवानी ने किया।

पार्सल की आड़ में ट्रावेल्स बसो के जरिये होती थी पंजाब, हरियाणा व दिल्ली तक नशे की तस्करी

अन्तराज्यीय डोडा चूरा तस्कर गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

डेढ़ करोड़ मूल्य का 16 क्विंटल 42 किलो अफीम डोडाचूरा जब्त

उदयपुर (पुकार)। प्रतापनगर थाना पुलिस ने अन्तराज्यीय डोडा चूरा तस्कर गिरोह का पदार्फाश करते हुए गिरोह के मुख्य सरगना विनोद धाकड़ सहित तीन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनसे कुल 16 क्विंटल 42 किलो अवैध अफीम डोडाचूरा जब्त किया जिसकी बाजार मूल्य करीब डेढ़ करोड रुपए बताई जा रही है। आरोपी ट्रावेल्स बस में पार्सल की आड़ में पंजाब, हरियाणा और दिल्ली तक नशे की तस्करी कर रहे थे।

थानाधिकारी भरत योगी ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अपराधियो की धरपकड़ के लिए चलाये जा रहे अभियान में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस टीम ने मध्यप्रदेश के राजस्थान से सटे क्षेत्र से पंजाब, हरियाणा और दिल्ली सहित अन्य राज्यों में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी करने वाले अन्तराज्यीय गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की।

इसके तहत अलख नयन हॉस्पिटल के सामने एक दुकान में भारी मात्रा में अवैध अफीम डोडा चुरा को पार्सल में पैक करते हुए मुख्य आरोपी विनोद धाकड पुत्र सुरेश धाकड निवासी लक्ष्मीपुरा, बडी सादडी व उसके साथियों उदयनाथ पिता नाथु नाथ जाति योगी निवासी साटोला, जलोदा जिला प्रतापगढ एवं पप्पु सिंह पिता बाघ सिंह जाति राजपुत निवासी नाहर सिंह का खेडा, बडीसादडी को गिरफ्तार किया।

इनके कब्जे से 16 क्विंटल 42 किलो डोडा चूरा को जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मौके से एक ऑटो भी जब्त किया हैं।

आरोपीगण विनोद धाकड व उदयनाथ के विरूद्व पूर्व में एनडीपीएस व आर्म्स एक्ट के विभिन्न थानों में प्रकरण दर्ज है, साथ ही आरोपी विनोद धाकड पुलिस थाना बडी सादडी में वांटेड चल रहा है।

तरीका वारदात :- प्रारम्भिक पूछताछ के आधार पर गिरफ्तार मुख्य आरोपी विनोद धाकड़ उसके साथी पप्पु सिंह निवासी नाहरसिंह खेड़ा बड़ी सादड़ी, उदयनाथ निवासी साटोला प्रतापगढ़ के साथ मिलकर निम्बाहेड़ा, बड़ी सादड़ी, चितौड़गढ़ की तरफ से भारी मात्रा में अवैध डोडा-चूरा उदयपुर लाता था। इस गोदाम में उस अवैध डोडाचूरा को कार्टन में पैक कर करते थे। पुलिस निगरानी से बचाने के लिए इन्होंने नया तरीका अपनाया और मादक पदार्थ को मुर्गीदाना बता पार्सल के जरिये उदयपुर से पंजाब, हरियाणा व दिल्ली जाने वाली ट्रावेल्स बसों के जरिये तस्करी करते है। आरोपी इसी तरीके से पिछले दो वर्षों से मेवाड़ व मध्यप्रदेश से सटे क्षेत्रों से डोडा चूरा की तस्करी कर रहे थे।

पुलिस टीम : भरत योगी (थानाधिकारी), मोहन सिंह, भगवत सिंह, सोहन शर्मा, राजपाल, लोकेश रायकवाल (साईबर सेल) के साथ राजुराम, नन्दकिशोर, रामस्वरूप, नरेन्द्र सिंह की विशेष भूमिका रही।

युवक का अपहरण कर मारपीट करने में दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर (पुकार)। युवक को पार्सल देने के बहाने गांव से उदयपुर बुलाने और अपहरण कर मारपीट करने में दो को गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार रवि पुत्र देवीलाल मेनारिया निवासी खरसाण ने 12 नवम्बर को रिपोर्ट दी कि मुझे 10 नवम्बर को हिमांशु नाम के व्यक्ति का पार्सल के लिए फोन आया। इस पर मैं उदयपुर आकर सेक्टर 5 में रुका। हिमांशु ने पुनः फोन कर ठोकर चौराहा पर पार्सल लेने के लिए बुलाया। रवि ने हिमांशु को पुनः फोन किया तो उसने कॉल रिसीव नहीं किया। इसी बीच, दूसरे नम्बर से फोन आया और सामने वाले ने खुद को रामलाल बताया और कहा कि मैं हिमांशु का दोस्त हूं और पार्सल मेरे पास है। उसने पार्सल लेने के लिए पहले मादड़ी में एक कैफे पर और बाद में दूसरी जगह मिलने बुलाया।

वहां पर कार में सवार 5- 6 अज्ञात व्यक्ति ने रवि के सिर पर डंडे से वार किया। वहां से वे लोग रवि को कानपुर ले गए और मारपीट के बाद वहीं छोड़ कर चले गए।

प्रतापनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर इस प्रकरण में जांच करते हुए ललित पुत्र रामलाल बावरी निवासी आवरी माता कच्ची बस्ती हिरणमगरी और अरुण सेन पुत्र पन्नालाल सेन निवासी बांसड़ा को गिरफ्तार किया है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

सेंटपॉल के पूर्व छात्रों के लिए ऑनलाइन जॉब कार्निवल

उदयपुर (पुकार)। सेंटपॉल उदयपुर के पूर्व छात्रों के आपसी जुड़ाव के साथ सहयोग और अवसर प्रदान करने के उद्देश्य गठित सेंट पॉल्स उदयपुर एलुमनाई एसोसिएशन (एसपीयूएए) एक और अनूठी पहल करने जा रहा है। युवा उद्यमियों, एंटरप्रेन्योर्स और बिज़नेस कनेक्ट के लिए अनूठा मंच उपलब्ध करवा रहा है। इसके तहत एसपीयूएए ऑनलाइन जॉब कार्निवल शुरू होने जा रहा है। एसपीयूएए सदस्यों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया यह प्लेटफॉर्म करीब सप्ताह तक वर्चुअल करियर इवेंट के रूप में सबको एक दूसरे के साथ जोड़ेगा।

एसपीयूएए के अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता ने बताया कि ऑनलाइन जॉब कार्निवल से कनेक्ट होने के लिए एलुमनाई एसोसिएशन से जुड़े सदस्यों को https://members.spuaa.com पर जाना होगा। यहां पर सदस्यों के लिए तैयार की गई विशेष जॉब लिस्टिंग, करियर संसाधन और नेटवर्किंग संभावनाओं की जानकारी उपलब्ध होगी।

इस मंच के जरिए सदस्य वर्तमान क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। नए करियर के बारे में जान सकते हैं तो अनुभवी कारोबारियों और सफल उद्यमियों से जुड़ भी सकते हैं।

ये अवसर मिलेंगे कार्निवल में

नौकरी की तलाश करने वाले युवाओं के लिए यह कार्यक्रम उनके कौशल और अनुभव के अनुरूप डिज़ाइन किया गया है। इस मंच पर वे सीधे एसपीयूएए से जुड़े नियोक्ताओं और पूर्व छात्रों से जुड़ सकते हैं जो एलुमनाई नेटवर्क के भीतर प्रतिभाओं की तलाश में जुटे हैं।

जुड़ाव का मौका

जॉब कार्निवल का मकसद नौकरी देने वालों और उसे पाने वालों के बीच बेहतर संवाद और समन्वय स्थापित करना है। एक ही संस्थान से जुड़े पूर्व छात्र भविष्य में एकसाथ सफलता के पथ पर अग्रसर होंगे तो सेंटपॉल के साथ शहर का नाम भी ऊंचा करेंगे। एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्निवल के बारे में ज्यादा जानकारी https://members.spuaa.com पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मृत्यु

उदयपुर (पुकार)। गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में शनिवार अलसुबह सत्संग से घर लौट रहे अधेड़ की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार किटोड़ा फलां निवासी केशर सिंह (55) पुत्र रघुनाथ सिंह 15 नवंबर की रात को गांव के पास ही सत्संग में गया था। शनिवार अलसुबह वहां से पैदल ही घर लौट रहा था।

तलाई फलां के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर घायल हो गया। सुबह 8 बजे वहां से गुजर रहे राहगीर ने उसे घायलावस्था में पड़ा देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे एमबी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया।

एलिवेटेड रोड का शिलान्यास कल

उदयपुर (पुकार)। सिटी रेलवे स्टेशन से कलेक्टर आवास तक बहुप्रतीक्षित एलिवेटेड रोड का शिलान्यास 18 नवंबर को सायं चार बजे नगर निगम प्रांगण में होने वाले कार्यक्रम में किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया होंगे।

सम्पादकीय

मधुमेह अब युवाओं और बच्चों तक

कभी वयस्कों में देखी जाने वाली बीमारी मधुमेह अब युवाओं और बच्चों तक को एक बड़ी संख्या में अपनी चपेट में ले चुकी है। विडम्बना यह है कि खानपान की आदतों के कारण होने वाली मधुमेह जैसी बीमारी के ये बढ़ते आँकड़े ऐसे देश मेंसामने आ रहे हैं जहाँ बचपन की स्वास्थ्य समस्याएँ पहले मुख्य रूप से कुपोषण औरसंक्रामक रोगों से संबंधित थीं। लेकिनअधिक चिंताजनक विषय यह है कि देश के युवाओं में मधुमेह रोग जिस प्रकार अपने पैरपसार रहा है उसके दूरगामी प्रभाव सिर्फ इन युवाओं के स्वास्थ्य पर ही नहीं बल्किदेश के भविष्य पर भी निश्चित तौर पर पढ़ेंगे।

इस विषय में सबसे निराशाजनक पहलू यह है कि देश की युवा पीढ़ीमें मधुमेह के बढ़ते मामले आधुनिक जीवनशैली से जुड़े हैं। क्योंकि एक तरफ वर्तमानजीवन शैली के चलते हमारी शारीरिक गतिविधियां सीमित हो रही हैं वहीं दूसरी तरफडिजिटलाईजेशन के परिणामस्वरूप हमारास्क्रीन टाइम बढ़ जा रहा है। आज मोबाइल फोन, वीडियो गेम और डिजिटल मनोरंजन के साधन बच्चों के जीवन का मुख्य केंद्र बन गए हैं। इनसब के बीच शारीरिक खेल और बाहरी गतिविधियाँ बच्चों के जीवन में से कहीं पीछे छूटगई हैं। जैसे-जैसे तकनीक अधिक सुलभ होती जा रही है, बच्चे स्क्रीन के सामने अधिक समय व्यतीत रहेहैं और दौड़ने या खेल में कम समय बिता रहे हैं। यह वाकई में चिंताजनक है कि जीवनशैली का यह बदलाव सिर्फ़ बच्चों के समय बिताने के तरीके को ही नहीं बदल रहा हैबल्कि यह उनके स्वास्थ पर भी प्रतिकूल असर डाल रहा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की हालिया रिपोर्ट से यह गम्भीरविषय सामने आया है। राष्टीय स्वास्थ्यमिशन द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह पाया गया कि पिछले पाँच वर्षों में 5-14 वर्ष की आयु के बच्चोंमें टाइप 2 मधुमेह की घटनाओं में 65त्न की वृद्धि हुई है। इस रिपोर्ट में यह चौंकाने वाली बात भी सामनेआई है कि यह वृद्धि केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है बल्कि देश के ग्रामीणऔर अर्ध-शहरी इलाकों में भी देखी जा रही है। नेशनल हेल्थ मिशन की इस रिपोर्ट कोपढ़ने पर यह विचलित करने वाला तथ्य सामने आया कि ग्रामीण जिलों में, बच्चों में बढ़ते मोटापेके कारण उनमें टाइप 2 मधुमेह होने का खतरा एकसे तीन गुना बढ़ गया है। बल्कि वास्तविकता तो यह है कि कई बच्चे अब वयस्क होने सेबहुत पहले ही इस बीमारी की शुरुआत (प्री डाइबेटीस) का सामना कर रहे हैं।

विभिन्न रिसर्चों के माध्यम से आज यह बात सिद्ध हो चुकी हैकि टाइप 2 मधुमेह एक जीवनशैली सेजुड़ी बीमारी है। यह तब होती है जब हमारा शरीर इंसुलिन के प्रति प्रतिरोधी हो जाताहै या जब अग्न्याशय सामान्य रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने के लिए पर्याप्तइंसुलिन का उत्पादन करने में असमर्थ होता है। अधिकांश तौर पर यह बीमारी वयस्कों सेजुड़ी होती है, लेकिन गतिहीन जीवनशैली, अस्वास्थ्यकर आहार औरमोटापे के कारण आज यह बच्चों में भी तेजीसे अपने पैर पसार रही है। बच्चों में बाल्यावस्था में ही मधुमेह का बढ़ना चिंताजनकहै क्योंकि न सिर्फ यह तात्कालिक स्वास्थ्य सम्बन्धी उलझने पैदा करती है बल्कि इस बीमारी के साथ होने वालीदीर्घकालिक जटिलताओं के कारण हृदय संबंधी समस्याएं, गुर्दे की बीमारी, तंत्रिका क्षति और यहांतक कि दृष्टि हानि भी हो सकती है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार, पिछले दशक में टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित बच्चों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गईहै। 2023 में, भारत में अनुमानित 2 मिलियन बच्चे इस बीमारीसे पीड़ित थे, और विशेषज्ञों का अनुमानहै कि अगले कुछ वर्षों में यह संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाएगी। यह समस्याविशेष रूप से शहरों में अधिक गंभीर है, जहाँ बच्चों के पास चीनी और वसा से भरपूर फ़ास्ट फ़ूड के अनेकविकल्प उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बेहतर शैक्षणिकप्रदर्शन के दबाव के कारण उनकी खेल कूद जैसी शारिरिक गतिविधियां न के बराबर होतीहो चुकी हैं। परिणामत: जो बच्चे कभी क्रिकेट, फुटबॉल खेलने या अपने दोस्तों के साथ बस इधर-उधर दौड़ने कासपना देखते थे, वे अब इंसुलिन इंजेक्शन, डॉक्टर के पास जाने औरआहार प्रतिबंधों की दिनचर्या तक सीमित रह गए हैं। जिन बच्चों को अपने बचपन का आनंदलेना चाहिए, वे जीवन भर की बीमारी सेनिपटने के भारी बोझ के साथ बड़े हो रहे हैं। माता-पिता के लिए, यह स्थिति और भी ही दुखद है। अपने बच्चों को स्वस्थ औरमजबूत होते देखने की खुशी की जगह एक जटिल बीमारी से निपटने की जद्दोजहद ने ले लीहै। क्योंकि औसत भारतीय बच्चा आज औसतन 4-5 घंटे प्रतिदिन डिजिटलउपकरणों पर बिताता है। जबकि यह अनुशंसित स्क्रीन समय से काफी अधिक है। क्योंकिवैश्विक स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के अनुसार बच्चों के लिए यह समय प्रतिदिन दो घंटेसे अधिक नहीं होना चाहिए। मोबाइल फोन, टैबलेट और कंप्यूटर का अत्यधिक उपयोग हमारी शारीरिकगतिविधियों को सीमित कर देता है। शारिरिक गतिहीन जीवन शैली के अतिरिक्त आहार की हमारी बदलतीआदतें भी इन परिस्थितियों में अपनामहत्वपूर्ण योगदान देती हैं। पारंपरिक, घर का बना खाना, जो कभी भारतीय परिवारों की पहचान था, आज उसकी जगह फास्ट फूड औरपैकेज्ड स्नैक्स ने ले ली है। ये खाद्य पदार्थ न केवल कैलोरी बहुल होते हैं बल्कि वसा, शर्करा और लवण जैसेतत्वों से भी भरपूर होते हैं जो मानव शरीर में इंसुलिन के प्रतिरोध और मोटापे कोबढ़ाने का अहम कारण हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक रिपोर्ट के अनुसार शहरी क्षेत्रोंमें लगभग 40प्रतिशत बच्चे नियमित रूप सेफास्ट फूड का सेवन कर रहे हैं। गौरतलब है कि बचपन में होने वाले मधुमेह का असर सिर्फ़ बच्चों पर ही नहीं पड़ता, बल्कि परिवारों पर, उनके माता पिता पर भी पड़ता है। लेकिन अच्छी खबर यहहै कि मधुमेह, ख़ास तौर पर टाइप 2 मधुमेह को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। स्वस्थजीवनशैली को बढ़ावा देकर और शारीरिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करके, हम मौजूदा आंकड़ों को पलट सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सिंधी समाज की कामकाजी बेटियों का सम्मान अगले माह

उदयपुर (पुकार)। पूज्य जेकबाबाद पंचायत और पूज्य सिंधी साहिती पंचायत की बैठक शनिवार को झूलेलाल भवन में आयोजित हुई। बैठक में पूज्य जेकबआबाद पंचायत अध्यक्ष और पूर्व राज्य मंत्री हरीश राजानी ने समाज की कामकाजी बेटियों को सम्मानित करने का प्रस्ताव रखा जिसका पूज्य सिंधी साहिती पंचायत के अध्यक्ष ओम प्रकाश आहूजा ने समर्थन दिया।

बैठक में यह विशेष सम्मान समारोह दिसंबर में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। राजानी ने बताया कि सम्मान समारोह का उद्देश्य समाज की उन बेटियों और महिलाओं को प्रोत्साहित करना है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

समारोह में हाल ही में आईपीएस, आरएएस, एमबीबीएस, बीडीएस, सीए या अन्य पीजी व प्रोफेशनल कोर्स में सफलता प्राप्त करने वाली समाज की बेटियों व परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ व्यावसायिक, सामाजिक या अन्य क्षेत्रों में अपनी पहचान बनानेवाली मातृशक्ति का सम्मान किया जाएगा। बैठक में राजेश चुग, राम चंद्र चोटरानी, हरीश सिधवानी, मनोहर खूबचंदानी, कैलाश डेमला, भारत खत्री, भरत गंगलानी, किशोर सिधवानी, सुरेंद्र नेभनानी, अशोक पाहुजा, ठाकुर खानचंदानी, अशोक मंगवानी, राजेश गोकलानी, अशोक लिंजारा आदि मौजूद थे।

हाईटेक होगा आदिगौड़-सनाढ्य परिचय सम्मेलन

उदयपुर (पुकार)। आदिगौड-सनाढ्य-छहन्याती ब्राह्मण समाज के संयुक्त तत्वावधान में 25 दिसम्बर को आयोजित वैवाहिक परिचय सम्मेलन आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी आधारित हाई-टेक सम्मेलन होगा। सम्मेलन में दूर -दराज के युवा ऑनलाइन परिचय देंगे। साथ ही यह सम्मेजन यू ट्यूब पर पूरे देश में देखा जा सकेगा। यह निर्णय शनिवार को समिति पदाधिकारियों की बैठक में लिया गया।

इस बैठक के मुख्य अतिथि एडवोकट राजेश कुमार शर्मा, विशिष्ट अतिथि अम्बालाल सनाढ्य,शांति लाल शर्मा एवं किशन लाल शर्मा थे। अध्यक्षता पवन शर्मा ने की । समिति अध्यक्ष सत्यनारायण गौड़ ने कहा कि परिचय सम्मेलन के लिए पंजीयन निशुल्क है। परिचय पत्रिका में देश के सभी क्षेत्रों के अविवाहित युवाओं के परिचय प्रकाशित किए जाएंगे। प्रवक्ता डॉ.अनिल शर्मा ने बताया कि शहर के निम्बार्क महाविद्यालय में आयोजित सम्मेलन के सोशल मीडिया पर प्रचार के लिए आई.टी. प्रकोष्ठ का गठन कर चिराग गौड़,अंतेश गौड़,अशोक गौड़, जयेश गौड़,पराग शर्मा आदि सदस्य नियुक्त किया गया।

बिना परिश्रम और उद्यमिता के कुछ भी हासिल नहीं होता

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत उद्यमिता प्रोत्साहन विचार गोष्ठी

बांसवाड़ा। राष्ट्र-ऋषि दत्तोपंत ठेंगडी जयन्ती को स्वदेशी स्वावलंबी दिवस के रूप में मनाया जाता है इसी के उपलक्ष्य पर स्वदेशी जागरण मंच की ओर से स्वावलंबी भारत अभियान के तहत उद्यमिता प्रोत्साहन विचार गोष्ठी न्यू लुक गर्ल्स पीजी कॉलेज में आयोजित की गयी।

स्वदेशी जागरण मंच के विभाग संयोजक नवनीत शुक्ल ने बताया कि गोष्ठी के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला विभाग कार्यवाह अशोक सुथार, मुख्य वक्ता जीजीटीयू के परीक्षा नियंत्रक प्रो मनोज पंड्या व विशिष्ट अतिथि भारतीय मजदूर संघ के जुगल किशोर जोशी एवं सेवानिवृत्त शिक्षा उपनिदेशक हरिकृष्ण आचार्य रहे जबकि अध्यक्षता न्यू लुक संस्थान के निदेशक डॉ प्रदीप कोठारी ने की।

मुख्य वक्ता प्रो मनोज पंड्या ने कहा कि श्रम, पुरुषार्थ और स्वावलंबन सनातन संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रही है समय, कालांतर में विभिन्न शासन-कालों में योजनाबद्ध तरीके से हमारी संस्कृति की इस महत्त्वपूर्ण थाती को भुलाया गया और आज युवा पीढ़ी इस श्रम-संस्कृति, स्वावलंबी भाव से विमुख होती जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि दिन-प्रति बढ़ती प्रतिस्पर्धी जगत में बिना परिश्रम और उद्यमिता के कुछ भी हासिल नहीं होता है। प्रो पंड्या ने स्थानीय अनेक उदाहरण देकर स्पष्ट किया कि राजकीय सेवाओं पर निर्भरता, उसी की आस लगाने के बजाय आज का युवा कुछ नई दृष्टि, सनातन संस्कृति से सीख ले और अभिनव प्रयोग करें, नए क्षेत्रों के कौशल में दक्ष हो तो वह सरकार के सामने याचक नहीं बनेगा अपितु अनेक युवा योग्य युवकों को रोजगार में उन्मुख करेगा और समाज-सेवा-देशसेवा में अपना योगदान कर सकेगा।

उन्होंने कहा कि युवा अपनी रूचि और योग्यता अनुसार कौशल दक्ष बनेगा तभी हमारा देश अपने वैभव को प्राप्त होगा। मुख्य अतिथि सुथार ने परिवार जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवन शैली, सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्य के पंच परिवर्तन का संदेश देते हुए कहा कि सनातन भारतीय जीवन पद्धति संस्कार से ओत-प्रोत है। सामजिक समरसता देश के कण-कण में विद्यमान है और इसे हमारे ऋषियों-महर्षियों ने जीवन्तता से सार्वभौमिक बनाया है।

उन्होंने कहा कि जीवन पद्धति में सम्यक भजन, भोजन, भाषा और भूषा का सर्वोत्तम महत्त्व और प्रासंगिकता है। उन्होंने कहा कि स्व का भाव जागृत करने से ही पवित्र ध्येय की प्राप्ति होगी। विशिष्ट अतिथि जुगल किशोर जोशी ने भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ, स्वदेशी जागरण मंच के संस्थापक राष्ट्र ऋषि दत्तोपंत ठेंगडी के व्यक्तित्त्व और कृतित्त्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार उनके वैचारिक प्रतिबद्धता, भारतीयता से संयुक्त संगठन आज विश्व में सिरमौर हैं। इसके उपरांत उन्होंने गीत के माध्यम से संगठन के ध्येय को स्पष्ट किया।

अध्यक्षता करते हुए डॉ प्रदीप कोठारी ने विगत पांच दशकों के स्व अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्वदेशी और स्वावलंबन अपने आप में पूरक है।

उन्होंने कहा कि आज समय के साथ कौशल और उद्यमिता का महत्त्व जानकार इसे अंगीकार करना ही होगा और इसकी शुरूआत स्वयं से ही करनी होगी। आज इस बात की भी आवश्यकता है कि भारतीयता से ओत-प्रोत और मूल्य प्रसारक शिक्षण-संस्थानों को अधिकाधिक प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जो सनातन मूल्यों को अधिकतम प्रसारित कर सकें। गोष्ठी का प्रारंभ वाग्देवी और गोविन्द गुरु की प्रतिमा के माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुआ। डॉ कमल पाठक ने काव्य गीत प्रस्तुत किया।

स्वदेशी जागरण मंच के विभाग संयोजक नवनीत शुक्ल ने मंच के जिले के नए दायित्वों की घोषणा की। संचालन जीतेंद्र जोशी ने किया जबकि आभार त्रिभुवन व्यास ने माना। स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ, सेवा-भारती, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्, लघु उद्योग भारती, वनवासी कल्याण परिषद्, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, भारतीय शिक्षण मंडल, विश्व हिन्दू परिषद्, सहकार भारती व विद्या भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी में प्रचारक गोविन्द, भाजपा जिलाध्यक्ष लाभचंद पटेल, महेंद्र भावसार, नागेन्द्र दोसी, हीरजी भाई, ललित दवे, नरहरि त्रिवेदी, सब्बलसिंह, दिनेश जोशी सहित आरएसएस के आनुशांगिक संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं व 250 छात्राओं ने सहभागिता की।

इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के दायित्वों का निर्धारण करते हुए त्रिभुवन व्यास को सह जिला संयोजक, जितेन्द्र जोशी को नगर संयोजक, विरेन्द्र जोशी व राजमल जैन को सह नगर संयोजक, मुकेश उपाध्याय को विचार-विभाग प्रमुख, घनश्याम जोशी को नगर प्रचार प्रमुख, अरुण राठौड़ को नगर युवा कार्य प्रमुख व ज्ञानेश भट्ट को नगर कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

बांसवाड़ा में 20 नवम्बर से आठ दिवसीय विराट धार्मिक महोत्सव की तैयारियां चरम पर

संतों एवं सभापति ने किया महोत्सव स्थल पर तैयारियों का अवलोकन

विभिन्न प्रबन्धों की जानकारी ली, दिए आवश्यक सुझाव

बांसवाड़ा (पुकार)। ऐतिहासिक लालीवाव मठ में आगामी 20 नवम्बर से आयोजित होने जा रहे बहुआयामी एवं विराट धार्मिक महोत्सव की तैयारियां परवान पर हैं।

मठ के विस्तृत परिसर में भागवत कथा के लिए विशाल डोम का निर्माण किया जा रहा है जबकि 9 कुण्डीय श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं श्रीमहाविद्या यज्ञ के लिए वैदिक परम्परा के अनुरूप यज्ञ मण्डप का निर्माण किया गया है। इसके अलावा शेष पाण्डालों की स्थापना का कार्य जारी है।

शनिवार को संत श्री रघुवीरदासजी महाराज, नगर परिषद के सभापति जैनेन्द्र त्रिवेदी, महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष एड्वोकेट लक्ष्मीकान्त त्रिवेदी एवं समिति के पदाधिकारियों ने लालीवाव पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर श्रीमहंत हरिओमदासजी महाराज के साथ समूचे महोत्सव स्थल का दौरा किया और विभिन्न पाण्डालों की स्थापना और व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी ली और आवश्यक सुझाव दिए।

इस दौरान् शांतिलाल भावसार, संयोजक भुवनमुकुन्द पण्ड्या, डॉ. दिनेश भट्ट, कोषाध्यक्ष नगेन्द्र दोसी, अंजनी त्रिवेदी, कार्यालय प्रभारी मनोहर जोशी, रामशंकर जोशी, राजेन्द्र भावसार, लकी पंचाल सहित आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं से जुड़े प्रभारियों एवं उनकी टीम के सदस्यों ने अपने प्रभार से संबंधित तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

यज्ञ मण्डप व अनुष्ठान से जुड़ी तैयारियों की जानकारी ली

इससे पूर्व अनुष्ठानों एवं यज्ञों के आचार्य ब्रह्मर्षि पं. दिव्यभारत पण्ड्या एवं पं. निकुंज मोहन पण्ड्या ने यज्ञ एवं अनुष्ठानों की तैयारियों की जानकारी ली और इनसे संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान् यज्ञ मण्डप स्थापना के कार्य को देखा और मण्डप सृजेताओं को आवश्यक निर्देश दिए।

प्रभारियों की समीक्षा बैठक : लालीवाव में होने जा रहे आठ दिवसीय विराट धार्मिक महोत्सव को लेकर 35 से अधिक व्यवस्था समितियों का गठन किया गया है। इन सभी के प्रभारियों एवं सदस्यों के साथ शनिवार को अलग-अलग बैठकों का आयोजन कर अब तक की तैयारियों के बारे में जानकारी लेते हुए इनकी समीक्षा की गई। सभी प्रभारियों को निर्देश दिए गए कि सौंपे गए कार्यों को जल्द से संपादित करते हुए सभी आवश्यक तैयारियां बेहतर ढंग से पूर्ण करें।

अम्बामाता में चातुर्मास सम्पन्न, विदाई में भावुक हुए श्रावण-श्राविका

उदयपुर (पुकार)। मेवाड़ गौरव पूज्य गुरुदेव रविन्द्र मुनि जी म सा 'नीरज' का चातुर्मास विहार शनिवार को सुबह महावीर स्वाध्याय समिति अम्बामाता से कन्हैया वाटिका के पास नन्द लाल सेठिया के निवास पर पदार्पण हुआ।

समिति अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र कोठारी ने बताया कि संत सुबह 8.30 बजे विशाल रैली के रूप में करीब 250 श्रावक-श्राविका भगवान महावीर के जयकारों के साथ,सेठिया परिवार के निवास पर पहुंचे

गुरुदेव ने फरमाया की इन चार महीनों में श्रावक,श्राविकाओ ने जो ज्ञान,दर्शन, चरित्र, तपस्या की आराधना की अब वह आराधना साकार हो यही कामना है, चार माह प्रवचन सुना,अब उपहार रूप में हमे उनपर अमल करना है, अम्बामाता संघ की व्यवस्था पर,मुनि ने सभी का आभार जताकर सफल चातुर्मास बताया।समिति अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र कोठारी ने बताया कि महापुरुषों का गुणगान सहज नहीं है, क्योंकि वक्तित्व, कृतित्व ओर विचारों की गहराई इतनी विशाल होती है कि उन्हें पूरी तरह समझना और व्यक्त करना बहुत कठिन है, उनकी महानता न केवल उनके कार्यों में प्रगट होती है, बल्कि उनके त्याग और दृष्टिकोण में भी दिखाई देती है। इस अवसर पर,नंद लाल सेठिया परिवार, कालु लाल जैन,वीरेंद्रजी चौधरी, नितिन नागोरी,ललित धूपिया, फतेह सिंह मेहता आदि ने भी सम्बोधित किया।

जीप, पिकअप और कार में भिड़ंत, 12 घायल

डूंगरपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के बोरी गांव के पास शनिवार को जीप, पिकअप और कार में टक्कर हो गई। हादसे में तीनों वाहनों में सवार 12 लोग घायल हो गए, घायलों को राजकीय जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि, सवारियों से भरी एक जीप सीमलवाड़ा से डूंगरपुर की तरफ आ रही थी। इस दौरान सीमलवाड़ा-डूंगरपुर मार्ग पर बोरी गांव के पास सामने से आ रही जीप पिकअप से टकरा गई। पिकअप से टकराने के बाद जीप पिकअप के पीछे आ रही एक कार से भी टकरा गई। हादसे में तीनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए तथा वहीं तीनों गाड़ियों की टक्कर में उनमें सवार 12 लोग घायल हो गए। सवारियों के हाथ, पैर, सिर और कई जगह चोटें आईं एवं उक्त घटना के बाद लोग इकट्ठे हो गए। घटना की सूचना पर 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को राजकीय जिला अस्पताल की आपातकालीन यूनिट में पहुंचाया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया गया है।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

नई पीढ़ी को शोध की प्रेरणा देने के साथ रिसर्च की बारीकियां बताई

बीकानेर (पुकार)। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में 'अप्लाइड फिजिक्स और मटेरियल साइंस में नवीनतम प्रवृत्तियाँ' विषय पर हाइब्रिड मोड पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन आज मुख्य अतिथि प्रो.विवेक गुप्ता, विशिष्ट अथिति प्रो. आर आर देशमुख के सानिध्य में हुआ। आयोजन सचिव डॉ. सुधीर भारद्वाज ने बताया कि समारोह का प्रारंभ प्रो. अरुण बासिल, फ्लोरिडा, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रोफेसर के ऑनलाइन आमंत्रित वक्ता के रूप में जुड़ने से प्रारंभ हुआ।आमंत्रित वक्ता प्रो.पवन कुलहेरी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रो. विनोद पुनिया, प्रो. अनामी भार्गव थे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश की विभिन्न प्रतिभागियो द्वारा 400 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। आयोजन सचिव डॉ. सुधीर भारद्वाज ने इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों एवं आयोजित समिति का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा की इस अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में विभिन्न प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किया और किस प्रकार शोध को और अधिक उन्नत बनाया जा सकता है इस पर खुलकर चर्चा की। वरिष्ठ शोधकर्ताओं ने नई पीढ़ी को शोध की प्रेरणा देने के साथ रिसर्च की बारीकियां भी बताईं। इस अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में विभिन्न प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किया और किस प्रकार शोध को और अधिक उन्नत बनाया जा सकता है इस पर खुलकर चर्चा की। तकनीकी शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भौतिकी विषय के वैज्ञानिक समुदायों के बीच अंतर्राष्ट्रीय शोध सहयोग को बढ़ावा देने, दुनिया भर के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को जोड़ने का बीटीयू का यह नवाचार शोध-अनुसंधान के क्षेत्र में नवीन अवसर सृजित करेगा।

संत और सरिता को बहते रहना चाहिए -जिनेन्द्रमुनि

गोगुन्दा (पुकार)। श्री वर्धमान स्थानक वासी जैनश्रावक संघ के तत्वाधान में आज वर्षावास परिवर्तन कार्यक्रम में जिनेन्द्रमुनि मसा ने फरमाया की सन्त और सरिता को बहते रहना चाहिए।जिस प्रकार निर्झर भरा है,नदी बहती है तो उसका जल सदैव निर्मल बना रहता है।उस जल में न काई जमती है,न कीड़े पैदा होते है।साधु भी इस प्रकार समय समय पर विचरण करता रहे तो वह अपने संयम दोष से बच जाता है। सज्जनों का लाभ समाज और राष्ट्र में सभी को प्राप्त हो,इसके लिए उनका विचरण आवश्यक है। उमरणा में चातुर्मास परिवर्तन के समय जिनेन्द्रमुनि ने कहा कि संत और सरिता एक जगह नही रहते है। मुनि ने कहा कि चातुर्मास की पूर्ण होते ही संतो को उस जगह को छोड़ना ही पड़ता है।यह महावीर की परंपरा रही है। मुनि ने कहा संतो ने धर्म की महिमा को दूर दूर पहुंचाया है।

स्थानक भवन में चार महीने तक श्रावक श्राविकाओं ने प्रवचन श्रवण कर आत्मकल्याण की तरफ उन्मुक्त होने का मार्ग प्रशस्त किया। संत सांसारिक तापो की ज्वाला को कम करने के लिए लोगो को ज्ञान के द्वारा कल्याण करने की प्रेरणा देते है। संतो ने आध्यात्मिकता के अमृत से संसार को जीवन दिया है।

मुनि ने कहा कि जिस प्रकार सिंधु का जल बिंदु से संबंध है,वैसा ही समाज एवं साधु का सम्बब्ध है।जहाँ साधु है,वहां समाज सदैव आदर्श का अनुसरण करता है। संत समाज की संस्कृति को उन्नत बनाता है।समाज का कर्तव्य है कि वह त्यागी साधुओ का निर्माण करता रहे। मुनि ने कहा साधु कल्पवृक्ष है। कल्पवृक्ष का तातपर्य है कि ऐसा वृक्ष,जिसके नीचे जाकर जो कल्पना करो वह तत्काल पूरी हो जाती है। संत समाज की भावना को समझकर ही देता है।रितेश मुनि ने कहा राष्ट्र एवं समाज हित मे धर्मगुरु की आदर्श भूमिका रही है। आज के युवाओ को उन महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। मुनि ने कहा धर्म की व्यवस्था बनाये रखने के लिए नई पीढ़ी में आध्यात्म के संस्कार पैदा करे।आदर्श समाज के निर्माण में जो भूमिका साधु की हो सकती है,वह अन्य की कभी नही हो सकती। मुनि ने कहा साधु संतों का जीवन तो हिमालय सदश होता है जिससे करुणा प्रेम सत्य अहिंसा का निर्झर हर पल फूटता रहता है।प्रभातमुनि ने कहा जब जब युवाओ में शक्ति का संचार होगा,तभी इस समाज मे क्रांति का सूत्रपात हो सकेगा। साधुत्व का बीज अंतर्मन में अंकुरित हो,इस हेतु नैतिक एवं धार्मिक शिक्षण दिया जाना आवश्यक है। रविवार को राष्ट्र संत गणेशमुनि शास्त्री का 10वा स्मृति दिवस समारोह संतो के सानिध्य में पूर्ण होगा। स्थानक भवन में विशेष कार्यक्रम रखा गया है। गोतम प्रसादी रखी गई है।आज महावीर जैन गोशाला के अध्यक्ष हीरालाल मादरेचा ने सम्बोधितकरते हुए कहा कि रविवार को गणेशमुनि शास्त्री के विशेष कार्यक्रम में उपस्थित होना है। इस बीच खुबिलाल लोढा महावीर मांडोत रमेश मांडोत मीठालाल कच्छारा शांतिलाल बम्बोरी आदि श्रावक उपस्थित रहे।

सौहार्द एवं भाईचारे की दिव्य झलक बिखेरता 77वें वार्षिक निरंकारी संत समागम का भव्य शुभारम्भ

परमात्मा को जीवन में शामिल करने से होता है मानवीय गुणों का विस्तार - निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

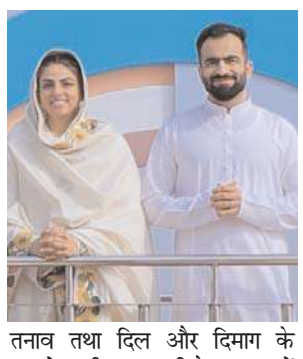

उदयपुर (पुकार)। 'परमात्मा जानने योग्य है, इसे जानकर जब हम इसे अपने जीवन का आधार में बना लेते हैं तब सहज रूप में हमारे जीवन में मानवीय गुणों का विस्तार होता चला जाता है।' उपरोक्त उद्गार निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज द्वारा हरियाणा के समालखा स्थित निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर हो रहे तीन दिवसीय 77वें वार्षिक निरंकारी सन्त समागम के दौरान प्रथम दिवस पर मानव हित में संबोधित किए गये। इस तीन-दिवसीय संत समागम में उदयपुर ब्रांच के अनेकों निरंकारी भक्तों सहित विश्वभर के अनेक स्थानों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होकर समागम का भरपूर आनंद प्राप्त कर रहे हैं। उदयपुर मीडिया सहायक राजेश सोनी ने बताया कि इस अवसर पर सतगुरु माता जी ने विशाल सत्संग के रूप में एकत्रित सभी अनुयायी व संतो को सम्बोधित करते हुए फरमाया कि वास्तविक रूप में 'असीम की ओर-विस्तार', यह एक अंदर से बाहर की दिव्य यात्रा है। अक्सर मनों में तनाव तथा दिल और दिमाग के तालमेल की बात आती है। वास्तव में मन और मस्तिष्क दोनों ही साथ है परन्तु कभी मन कुछ ओर चाहता है और मस्तिष्क कुछ और सोचता है। लेकिन जब हम इस परमात्मा संग जुड़ जाते हैं तब मन में स्थिरता आ जाती है और अपनत्व का भाव उत्पन्न हो जाता है फिर मन विशाल बन जाता है। अंत में सतगुरु माता जी ने अपने प्रवचनों में कहा कि युगों-युगों से संतों, पीरों ने यही सन्देश दिया कि हमें अपनी आध्यात्मिक यात्रा करते हुए मानवता के काम ही आना है। परमात्मा द्वारा प्रदान की हुई चीजें एवं इन्सानों ने भी जो आविष्कार किए हैं, उनका सदुपयोग करते हुए इस धरा को ओर अधिक सुंदर बनाना है।

इससे पूर्व समागम स्थल पर आगमन होते ही सतगुरु माता जी व निरंकारी राजपिता जी का सन्त निरंकारी मण्डल की कार्यकारिणी समिति के सदस्यों व अन्य अधिकारियों ने फूल मालाओं एवं पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। तदोपरांत मंच तक उनका स्वागत एक भव्य शोभा यात्रा के रूप में किया गया। इस शोभा यात्रा में निरंकारी इंस्टिटुयट ऑफ मयूजिक एण्ड आर्टस के 300 से भी अधिक छात्रों ने नृत्य एवं संगीत के माध्यम द्वारा दिव्य युगल का अभिनन्दन किया।

फूलों से सुसज्जित खुली पालकी में दिव्य युगल विराजमान होकर श्रद्धालु भक्तों को अपना पावन आशीर्वाद प्रदान कर रहे थे और वहाँ उपस्थित सभी श्रद्धालु भक्त आनंदित होकर अपनी नम आंखों से, हाथ जोड़ते हुए उनका स्वागत भक्तिभाव से कर रहे थे। दिव्यता का यह अनुपम नज़ारा मिलवर्तन की सुंदर भावना को वास्तविक रूप में साकार कर रहा था जिसमें हर भक्त अपनी जाति, धर्म, भाषा को भुलाकर केवल प्रेमाभक्ति में सराबोर था।

निरंकारी प्रदर्शनी:- इस वर्ष का समागम शीर्षक 'विस्तार-असीम की ओर' है, जिस पर आधारित निरंकारी प्रदर्शनी सभी संतों के लिए मुख्य आर्कषण का केन्द्र बनी हुई है। इस दिव्य प्रदर्शनी को मूलतः तीन भागों में विभाजित किया गया है जिसके प्रथम भाग में भक्तों को मिशन के इतिहास, विचारधारा एवं सामयिक गतिविधियों के अतिरिक्त सतगुरु द्वारा देश व विदेशों में की गई दिव्य कल्याणकारी प्रचार यात्राओ की पर्याप्त जानकारी प्राप्त होगी। द्वितीय भाग में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग के सभी उपक्रमों व गतिविधियों को दर्शाया जा रहा है। तृतीय भाग के अंतर्गत बाल प्रदर्शनी को बड़े ही मनमोहक व प्रेरणादायक रूप में बाल संतों द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

राष्ट्रीय समूह गान प्रति. का आयोजन

उदयपुर (पुकार)। भारत विकास परिषद की रीजन स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता 17 नवंबर 2024 को राजस्थान कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल

संक्षिप्त समाचार

गुरु नानक जयंती मनाई

राजसमंद (पुकार)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती नौगामा में संचालित गुरु नानक शिक्षण संस्थान में गुरु नानक जयंती पर्व समारोह पूर्वक मनाया गया। विद्यालय प्रभारी तिलका टेलर ने बताया की समारोह की अध्यक्षता संस्थान निदेशक शांतिलाल कुमावत ने की। विशिष्ट अतिथि संस्थान सचिव संतोष कुमावत ने गुरु नानक देव के समाज एवं देश के लिए दिए गए योगदान

के लिए उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर दीपक जलाकर उनका स्मरण किया। विद्यार्थियों ने प्रार्थना एवं गुरु नानक देव के जीवन के वृतांत की अभिव्यक्ति दी। संस्थान निदेशक शांतिलाल कुमावत ने गुरु नानक देव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों एवं समाज सुधार के लिए किए गए उनके कार्यों को अपने जीवन में उतरने के लिए विद्यार्थियों को आव्हान किया। इस दौरान जयेश सुथार, दाखु पुरोहित, रेखा बंशीवाल, त्रिफला चौहान, रेणुका पालीवाल, अनीता लोहार, कुंतेश रावत, रेखा गोस्वामी, शिवानी गुर्जर, दीपिका पालीवाल, कैलाश कुमावत सहित विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

राजसमन्द फुटबॉल का उभरता खिलाडी विशाल कलोसिया संतोष ट्रॉफी में दिखायेगा जलवा

राजसमंद(पुकार)। जिले का उभरता बाल खिलाड़ी विशाल कलोसिया का इंडिया लेवल की संतोष ट्रॉफी (सीनियर नेशनल) के लिए राजस्थान टीम में चयन हुआ। जिले के फुटबॉल प्रशिक्षक मनोज हाडा ने बताया कि

विशाल कलोसिया

हाल ही में राजस्थान की फुटबॉल टीम चयन प्रक्रिया में जिले के उभरते सितारे विशाल कलोसिया का चयन हुआ, जो राजसमन्द जिले ही नहीं अपितु राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए सन्तोष ट्रॉफी (सीनियर नेशनल) में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेगा। हाडा ने बताया कि यह प्रतियोगिता जयपुर में 16 नवम्बर 2024 से शुरू हो चुकी है, जिसमें अपना प्रतिनिधित्व करेगा। विशाल की इस उपलब्धि पर जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष घनश्याम बागोरा , सचिव अशोक सर्वा, प्रशिक्षक मनोज हाड़ा, रूपेश व्यास, संदीप नायक, जागृत सनाढ्य, राकेश डांगी , नरेश गारू, हेमन्त पालीवाल, विरेन्द्रसिंह राव, जितेन्द्र सनाढ्य, धर्मेन्द्र गुर्जर, सत्यनारायण ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारीयों व खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया।

क्रिकेट सलेक्शन ट्रायल का अंतिम चरण कल

राजसमंद (पुकार)। जिला क्रिकेट संघ समस्त आयु वर्ग (अंडर-16, 19, 23 एवं सीनियर वर्ग) की क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। यह प्रतियोगिता बालक एवं बालिकाओं दोनो ही वर्गों के लिए है। जिला क्रिकेट संघ के सचिव गिरिराज सनाढ्य ने बताया कि क्रिकेट प्रतियोगिता में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभा को कम अवसर मिल पाता है। इस सोच को ध्यान में रखते हुए एक ऐसी प्रतिगोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे ग्रामीण एवं शहरी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिले। इसके लिए जिला क्रिकेट संघ गत माह 5 दिवसीय ट्रायल का आयोजन कर चुका है। परन्तु किसी कारण वश अगर कोई खिलाड़ी वह ट्रायल देने से चूक गया हो तो उनके लिए पुनः एक अवसर प्रदान करते हुए सोमवार को राजकीय जेके स्टेडियम में दोपहर 3 बजे ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। ट्रायल प्रभारी जयंत वासू ने बताया कि जो खिलाड़ी पूर्व में आयोजित ट्रायल में भाग ले चुके हैं उन्हें पुनः इस ट्रायल में आने की आवश्यकता नहीं है। ट्रायल के लिए सभी खिलाड़ी सफेद कपड़ों में व अपने स्वयं के क्रिकेट किट के साथ आएं।

नगर महिला कांग्रेस की कार्यकारिणी का विस्तार

राजसमंद(पुकार)। महिला नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश एवं जिलाध्यक्ष राजकुमारी पालीवाल के निर्देश पर महिला नगर कांग्रेस अध्यक्ष उषा विजयवर्गी द्वारा अपनी नगर कार्यकारणी का विस्तार किया। जिसमें उपाध्यक्ष रीता कुमावत, कान्ता शर्मा एवं अरुणा जोशी को महामंत्री तथा संगीता पालीवाल को सचिव, खुशबू सालवी और दिव्या भारद्वाज को नियुक्त किया गया। इस कार्यकारिणी का महिला कांग्रेस द्वारा बैठक आयोजित कर स्वागत किया गया। इस दौरान नगरपरिषद पूर्व सभापति आशा पालीवाल, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्षा राजकुमारी पालीवाल, विधिक सलाहकार भावना पालीवाल सहित महिला कांग्रेस की अन्य महिला कार्यकर्ता उपस्थित थी।

रेसला पी का शैक्षिक सम्मेलन आज

राजसमंद (पुकार)।राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद प्रधानाचार्य का शैक्षिक सम्मेलन व दीपावली स्नेह मिलन समारोह रविवार को प्रातः 10 बजे राउमावि धोइंदा में होगा। जिसमे प्रांतीय राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद, रेसला पी का जिला शैक्षिक सम्मेलन व दीपावली मिलन समारोह राउमावि धोइंदा में रविवार सुबह 10 बजे होगा। सम्मेलन में जिले की सभी आठों तहसीलों के राउमावि के प्रधानाचार्य शामिल होंगे। सम्मेलन में प्रान्तीय पदाधिकारी प्रमोद मिश्रा, राजेन्द्र बंसल, दिलीप पारीक व संभाग के जिलों से अध्यक्ष एवं परामर्शद उदयपुर से कमल जोशी, मनीष सोनी, बांसवाडा से विमल चौबीसा और चित्तोड से आनन्द दीक्षित शिरकत करेगें। जिला सम्मेलन में वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर चिन्तन, राजस्थान में शैक्षिक परिदृश्य, प्रधानाचार्यों के दायित्व, समस्याएं आदि विषयों पर वार्ताएं दी जाएगी।

विलक्षण, अद्वितीय एवं ऐतिहासिक रहा आचार्य महाश्रमण का सूरत चातुर्मास : दक

राजसमंद (पुकार)। पिछले चार माह से सूरत में प्रवासरत तेरापंथ धर्म संघ के 11वें आचार्य महाश्रमण का चातुर्मास पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। यह चातुर्मास धर्मसंघ में विलक्षण, अद्वितीय एवं ऐतिहासिक कहा जाएगा। यह बात धर्मसंघ के कार्यकर्ता राजकुमार दक ने चातुर्मास संपन्नता पर मंगल भावना व्यक्त करते हुए कही। दक ने बताया कि भगवान महावीर यूनिवर्सिटी वेसु के विशाल परिसर में पिछले चार महीनो में देश-विदेश के लाखों व्यक्तियों ने पहुंचकर आचार्य महाश्रमण का आशीर्वाद प्राप्त किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष संजय सुराणा एवं महामंत्री नानालाल राठौड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की विशाल टीम ने आगंतुकों की सार संभाल में कोई कसर नहीं छोड़ी। दक ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस विशाल परिसर में इस तरह से सारी व्यवस्था की गई जैसे कोई छोटा गांव बसा लिया गया हो। हर छोटी से छोटी एवं बड़ी से बड़ी सुविधा उपलब्ध कराने में पूर्ण ध्यान रखा गया। चातुर्मास के दौरान आचार्य महाश्रमण के सानिध्य में एवं तेरापंथ महासभा, महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, किशोर मंडल, कन्या मंडल, अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, प्रेक्षा वाहिनी के नेतृत्व में अनेक गतिविधियों का सफलता पूर्वक संचालन किया गया। दक ने कहा कि आचार्य महाश्रमण ने सद्भावना, नैतिकता एवं नशा मुक्ति के लिए जो विशेष संदेश दिए उन्हें न केवल प्रत्येक व्यक्ति को आत्मसात करना चाहिए वरन जन-जन तक इस संदेश को पहुंचाने का प्रयास कर उत्कृष्ट समाज निर्माण में सहभागी बनना होगा। यही चातुर्मास संपन्नता पर आचार्य को सबसे बड़ी भेंट होगी।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने की अधिशेष समायोजन रोकने की मांग

राजसमंद (पुकार)। शिक्षा विभाग द्वारा अधिशेष शिक्षकों के समायोजन के लिए की जाने वाली कार्यवाही पर रोक लगाने के लिए राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय जिला शाखा ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और शिक्षा निदेशक बीकानेर को ज्ञापन भेजकर पूर्व में प्रदेश संगठन के साथ हुई सहमति के अनुसार पदोन्नति के बाद अधिशेष समायोजन प्रकिया करने की मांग की। जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्रसिंह चारण और जिला मंत्री सुजीत त्रिपाठी ने बताया कि शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक राजेश्वर त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष सतीश आचार्य, सभा अध्यक्ष ऋषिकेश गुर्जर, संगठन मंत्री शंकर माली, महिला मंत्री वीणा वैष्णव, संगठन मंत्री कल्पना खंडेलवाल सहित पदाधिकारियों ने शिक्षा मंत्री को भेजे ज्ञापन में बताया कि विभाग की कार्यशैली के कारण अधिशेष हुए ये शिक्षक अभी यह प्रकिया अपनाने से दूरस्थ क्षेत्रों में पदस्थापित होंगे जो अनुचित है क्योंकि अधिकांश रिक्त पद दूरस्थ क्षेत्रों में है जबकि वर्षों से अटकी पदोन्नति में देरी की सजा अधिशेष शिक्षकों को न्यायोचित नहीं है।

दुधिया रोशनी में खेली जानेवाली राजसमन्द सीनियर फुटबॉल प्रीमियर लीग चैम्पियनशिप का उद्घाटन

● जिले की बेहतरीन 6 टीमों के बीच लीग मैचों का हो रहा आयोजन

राजसमंद (पुकार)। जिला मुख्यालय के बालकृष्ण स्टेडियम कांकरोली में जिला फुटबॉल संघ एवं नगर परिषद राजसमन्द के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार से 19 नवम्बर तक आयोजित राजसमन्द सीनियर फुटबॉल प्रीमियर लीग चैम्पियनशिप का उद्घाटन शुक्रवार को हुआ। प्रतियोगिता के संयोजक मनोज हाडा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जिले की बेहतरीन 6 टीमों के बीच लीग मैचों का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में तमाम मैच सांयकालीन सत्र में दुधिया रोशनी में खेले जायेंगे। उद्घाटन मैच में अतिथि पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी ओम व्यास, जीतू सनाढ्य, मिन्टु बन्ना, मनोज हाड़ा, राकेश डांगी, अशोक सरवा आदि ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर फुटबॉल प्रीमियर लीग का उद्घाटन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच टाईटेनिक फुटबॉल क्लब बनाम आरके क्लब गवारडी के बीच खेला गया। जिसमें दसवें मिनट में आरके क्लब गवारडी के जर्सी नं-2 के खिलाडी महेश ने मैदानी गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई, जिसके मुकाबले में टाईटेनिक क्लब के निखिल ने सैकण्ड हाफ के 5वें मिनट में शानदार 1 गोल कर अपनी टीम को 1-1 की बराबरी पर

खड़ा किया। मैच के ऑफिशियल के रूप में मैच रेफरी आशीष मीणा, राजीव महल्ला, सुनील सुथार व दयाल सुथार थे। जिला फुटबॉल संघ के सचिव अशोक सरवा ने बताया कि प्रतियोगिता का दूसरा मैच एनजीपी एमडी बनाम बालाजी क्लब लवाणा के बीच खेला गया। जिसमें एमडी फुटबॉल क्लब कैप्टन देवनारायण सेन के नेतृत्व में एवं बालाजी फुटबॉल क्लब लवाणा टीम ने कैप्टन गोपाल सालवी के नेतृत्व में शानदार खेल का प्रदर्शन किया। एनजीपी एमडी फुटबॉल क्लब के मैनेजर के रूप में कमलेश कुमावत ने अपनी टीम की हौंसला अफजाई करते हुए अपना मार्गदर्शन दिया। जिससे एमडी टीम के जर्सी नं-7 के खिलाड़ी भावेश ने हेड शॉट खेलते हुए अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसी तरह एमडी टीम के जर्सी नं-1 के खिलाडी नरेन्द्र ने शानदार मैदानी गोल कर अपनी टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई जो अन्तिम क्षणों तक बरकरार रही। जिससे एनजीपी एमडी टीम ने 2-0 से इस प्रतियोगिता का प्रथम मैच अपने पक्ष में किया। प्रतियोगिता के कॉर्डिनेटर धर्मेन्द्र अनोखा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच रहने वाले खिलाड़ी को शम्भु इलेक्ट्रॉनिक की ओर से वायरलैस इयरफोन दिया जाएगा। शुक्रवार को हुए पहले मैच टाईटेनिक क्लब बनाम आरके क्लब गवारडी में मैन ऑफ द मैच आरके फुबॉल क्लब गवारडी के भावेश को एवं द्वितीय मैच में मैन ऑफ द मैच एनजीपी एमडी फुटबॉल क्लब के खिलाड़ी नरेन्द्र को दिया गया। इस चैम्पियनशिप में संदीप नायक द्वारा फाईनल मैच में फुटबॉल हब फाईनल प्लेयर ऑफ टुर्नामेंट का दिया जाएगा। प्रतियोगिता में कॉमेन्ट्री हेमन्त पालीवाल एवं तुलसीराम कुमावत ने की।

आलोक के विद्यार्थियों ने साइंस मॉडल एक्जीबिशन में लहराया अपना परचम

राजसमंद (पुकार)। भारत सरकार के नीति आयोग एवं अटल इनोवेशन मिशन द्वारा परिवर्तित एवं प्रायोजित तथा आलोक संस्थान फतेहपुरा की ओर से आयोजित विज्ञानोत्सव-2024 में व शहर के बीएन गर्ल्स कॉलेज में आयोजित साइंस मॉडल एक्जीबिशन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में आलोक स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने हुनर को प्रदर्शित कर परचम लहराया। सभी विजेता विद्यार्थियों को निदेशक डॉ प्रदीप कुमावत, प्रशासक मनोज कुमावत, प्राचार्य ललित गोस्वामी व सहायक प्रशासक ध्रुव कुमावत ने महाराणा प्रताप सभागार में उपरणा पहनाकर व मोमेंटों और सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। प्राचार्य ललित गोस्वामी ने बताया कि भारत सरकार के नीति आयोग एवं अटल इनोवेशन मिशन द्वारा परिवर्तित एवं प्रायोजित तथा आलोक संस्थान फतेहपुरा द्वारा आयोजित विज्ञानोत्सव-2024 में उदयपुर संभाग के 20 विद्यालयों के 400 विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा अभियांत्रिकी एवं गणित के क्षेत्र में अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा नवाचारों को मॉडल एवं प्रोजेक्ट्स के रूप में प्रस्तुत किया। इसमें कक्षा 1 से लेकर 12 तक के सभी विद्यार्थियों ने बड़े

उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। प्रतिभागियों को चार श्रेणियां में विभाजित किया गया। ग्रुप ए, बी, सी और डी। इनमें से ग्रुप बी में आलोक विद्यालय के छात्र उत्कर्ष हिंगड़ एवं तन्मय बागोरा ने तथा ग्रुप सी में जैन्या पुरोहित, दिव्यांशी पालीवाल, पूर्वा श्रीमाली तथा जसराज वीर सिंह को अद्भुत रचनात्मकता एवं नवाचार के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। ग्रुप सी में जीवितेश त्रिपाठी, नैतिक सुखवाल, प्रतीक्षा झाला, लतिका टेपन तथा ग्रुप डी में (वरिष्ठ वर्ग) यशविनी स्वर्णकार, देदीप्य जोशी, ख्याति शर्मा, कुलदीप शर्मा तथा उज्जवल कुमावत ने अपने असाधारण वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं नवाचारों से युक्त साइंस प्रोजेक्ट के माध्यम से विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, आगुंतकों एवं अनुसंधानकर्ताओं का न केवल ध्यान आकर्षित किया बल्कि मस्तिष्क उद्वेलन भी किया। विज्ञान महोत्सव, स्टेम फेस्टिवल ने न केवल छात्र-छात्राओं अपितू सभी उपस्थित दर्शकों के मन में विज्ञान के प्रति रुचि एवं एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सृजन किया। इसी तरह से शहर के भूपाल नोबल्स गर्ल्स कॉलेज में आयोजित साइंस मॉडल एवं आर्ट एंड क्राफ्ट एग्जीबिशन में विद्यालय की छात्राओं ने भाग लिया एवं अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया। 12वीं कॉमर्स की छात्रा नियति जांगिड़ ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वही साइंस एग्जीबिशन में कक्षा 11वीं की छात्राएं खुशी गर्ग एवं प्रिंसी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

किसी के दुख में दुखी होना धर्म है लेकिन किसी के सुख और ग्रोथ में खुश होना परम धर्म है : मुनि अतुल

राजसमंद (पुकार)। मुनि रविंद्र कुमार एवं मुनि अतुल कुमार के सानिध्य में चातुर्मास की संपन्नता पर तेरापंथ समाज की ओर से भिक्षु विहार केलवा में मंगल भावना समारोह आयोजित हुआ। मुनि अतुल कुमार ने कहा किसी के दुख में दुखी होना धर्म है और किसी के सुख और ग्रोथ में सुखी होना परम धर्म है। दुःख में दुखी होने वाले अनजान भी मिल जाएंगे लेकिन आपके सुख में प्रायः अपने भी सुखी नहीं होते। संसार में हर इंसान खुद के लिए जी रहा है। लोगों ने पड़ोसी से नाता रखना भी बंद कर दिया है। लेकिन ध्यान रहे यह इंसानियत नहीं। जो इंसान दूसरों को दुःखी देखकर खुशियां मनाते हैं वो दैत्य के समान हैं। मुनि ने कहा कि एकदम से हार्ट अटैक नहीं आता और ना ही कैंसर, स्ट्रोक या डायबिटीज होती है। जैसे -जैसे मनुष्य के दिमाग में नकारात्मक और बुरे विचार डेरा

जमाने लगते हैं तब जहरीले स्राव बनते हैं। भावनाओं का असर धीरे-धीरे शरीर पर आने लगता है। बार-बार क्रोध करने से लीवर कमजोर होने लगता है। दुखी रहने से फेफड़े कमजोर होते हैं। चिंता करने से पेट कमजोर होता है। तनाव रखने से दिमाग कमजोर होता है और डर में जीने से किडनी कमजोर होने लगती है। इसलिए जरूरी है अपने विचार, भावनाओं और इरादों को कंट्रोल में रखना। कुछ लोग किसी का सुख देखकर उसके प्रति या तो ईर्ष्यालु हो जाते हैं या फिर क्रोध भाव से अभिभूत होकर अकारण ही सुखी व्यक्ति को हानि पहुंचाने का प्रयास करने लग जाते हैं। व्यक्ति को दूसरे का सुख और समृद्धि अधिक दिखती है और अपनी कम। अपनी उपलब्धि से असंतुष्ट रहने वाला व्यक्ति पराई उपलब्धि से जलता रहता है या उस पर हस्तक्षेप करता रहता है। इससे अनेक उलझनें सामने आती हैं। वह हर तरह से सुखी और संपन्न होने पर भी दुखी और दरिद्र प्रतीत होता है। इसी कारण समस्याओं से भी घिरा रहता है। सुखी होने का बहुत सरल फार्मूला है संतुष्ट होना।

ऑरेंज काउंटी स्कूल में धूमधाम से मनाया गया आनन्दम डांडिया रास एवं बाल मेला

राजसमंद (पुकार)। जिला मुख्यालय स्थित ऑरेंज काउंटी स्कूल में गरबा महोत्सव एवं बाल मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां की आरती के साथ अतिथियों एवं निर्णायकों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में छात्र- छात्रों व अभिभावकों ने शानदार डांडिया रास व गरबा नृत्य किया व कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। बाल मेला में विविध प्रकार के खाने पीने के व्यंजन एवं गेम जोन में विविध खेलों के माध्यम से दर्शकों ने भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के निदेशक दलपत चौधरी, प्रधानाचार्य सुमित गोयल ने की। कक्षा नर्सरी से 1 के नन्हे मुन्हे -बच्चों ने आदि काल से आधुनिक काल के विशिष्ठ व्यक्तित्वों की वेशभूषा धारण कर मनोरम प्रस्तुति दी। वहीं कक्षा 2

से 12वीं के विद्यार्थियों ने कक्षा वार राउंड में गरबा नृत्य किया। साथ ही अभिभावकों के लिए स्पेशल गरबा राउंड का आयोजन भी किया गया। स्थानीय विद्यालय के समस्त स्टाफ ने भी समूह गरबा नृत्य किया गया। निर्णायक की भूमिका सीमा कवाड़िया, स्वातिसिंह एवं धरा पालीवाल ने निभाई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लकी ड्रॉ था। जिसमें बम्पर इनाम साइकिल एवं अन्य विभिन्न इनाम वितरण किए गए। कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ नृत्य, सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा आदि के लिए पारितोषिक वितरण कर कार्यक्रम का समापन हुआ।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह को लेकर किया पोस्टर विमोचन

राजसमंद(पुकार)। पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी वर्ष समारोह समिति ने शनिवार को अहिल्या कुंड स्थित शिवालय यशवंतेश्वर महादेव मंदिर नाथद्वारा में विभाग संघचालक फतहचंद सामसुखा, अविचल मदनमोहन, शिवानंद महाराज व श्रीनाथ मंदिर अधिकारी सुधाकर शास्त्री के आतिथ्य में पोस्टर विमोचन हुआ। जिला संघचालक मीठालाल शर्मा ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर को साहस, शक्ति, धर्म व पुरुषार्थ का प्रतीक बताया। देवी अहिल्या बाई राजमाता भी थीं परंतु उनका परिचय लोकमाता पुण्यश्लोक है क्योंकि उनके जीवन में पुण्य कर्मों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है। देवी अहिल्या बाई के जीवन से कुशल प्रशासन, लोकहित, न्याय, धार्मिक उत्थान, पुरुषार्थ, सामाजिक समरसता

आदि गुणों को आज की सामाजिक व्यवस्था में आत्मसात किया जाना चाहिए। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्होंने महेश्वरम साड़ी उद्योग विकसित किया जो आज भी रोजगार का प्रमुख साधन हैं। उच्च चारित्रिक मूल्यों को जीने वाली देवी अहिल्या बाई होलकर हमें सदियों तक प्रेरणा देती रहेंगी।

छः दिवसीय होगें कार्यक्रम

अहिल्याबाई होल्कर के जन्म के त्रिशताब्दी वर्ष पर 1 दिसंबर से 6 दिसंबर तक कार्यक्रम होंगे। जिसमें 24 नवंबर को गोवर्धन राउमावि नाथद्वारा में विराट संगौष्ठी होगी, जिसमें समाज के प्रबुद्ध लोग मौजूद रहेगें। 25 नवंबर से 30 नवंबर तक गृह संपर्क अभियान चलेगा। 1 दिसंबर को प्रातः 9 बजे अहिल्या कुंड नाथद्वारा में पुष्पांजली देंगे। इसके बाद शाम 7 बजे ऑडोटियोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 2 दिसंबर को प्रातः 10:30 बजे राउमावि नाथद्वारा में विद्यार्थी रैली होगी। शाम 5 बजे ऑडोटियोरियम में शैक्षणिक संस्थान सांस्कृतिक प्रस्तुति कार्यक्रम होगा। 3 दिसंबर को रसाला चौक नाथद्वारा में रात 8 बजे कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। 4 दिसंबर को रसाला चौक नाथद्वारा में रात 8 बजे भजन संध्या होगी। 5 दिसंबर शाम 6 बजे अहिल्या कुंड पर दीपोत्सव व 6 दिसंबर को दोपहर 12:15 बजे गोवर्धन राउमावि नाथद्वारा से शोभायात्रा व कलश यात्रा विभिन्न मार्गो से होती हुई रसाला चौक पहुंचेगी, जहाँ पर हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

सहकारिता की भूमिका दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

उद्यमिता, रोजगार और कौशल विकास को बढावा देने पर हुई चर्चा

राजसमंद (पुकार)। जिला सहकारी संघ लिमिटेड राजसमन्द द्वारा 71वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के

अर्न्तगत शनिवार को दी राजसमन्द अरबन को ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड राजसमन्द के तत्वाधान में उद्यमिता, रोजगार और कौशल विकास को बढावा देने में सहकारिता की भूमिका दिवस कार्यशाला का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता मुख्य कार्यकारी अधिकारी बैंक जेआर विश्नोई ने की। कार्यक्रम में कैलाश तलेसरा, दिनेश जांगिड, कालूराम, कुलदीप सिंह, दिनेश आमेटा, पवन कुमार औदिच्य, मनीष बागोरा, ओमप्रकाश छापरवाल, रमेश चन्द्र पुरोहित, गजेन्द्रसिह राणावत, शिवलाल पुरोहित, रिद्धीमय सनाढ्य, सत्यनारायण टेलर, राजूलाल गमेती, लविश जोशी इत्यादि द्वारा उद्यमिता, रोजगार और कौशल विकास को बढावा देने में सहकारिता की भूमिका विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय की जिला महिला संगोष्ठी आज

राजसमंद (पुकार)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय जिले की ओर से महिला कार्य को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रदेश नेतृत्व के निर्देश के अनुसार रविवार को गायत्री शक्तिपीठ पर जिला महिला संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। जिला महिला मंत्री वीणा वैष्णव ने बताया कि इस

कार्यक्रम में जिले की 11 उप शाखाओं की महिला शिक्षिकाएं शामिल होगी, जिसमें संगठन की प्रदेश महिला मंत्री डॉ अरुणा शर्मा और मातृशक्ति विभाग संयोजिका मधु चोरडिया का सानिध्य प्राप्त होगा। जिला महिला संगठन मंत्री कल्पना खंडेलवाल और जिला महिला उपाध्यक्ष मधु पालीवाल ने अधिकाधिक महिला शिक्षकों से संपर्क कर कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया। इस दौरान पूर्व जिला महिला मंत्री मधु पालीवाल, गगन मिनोचा, जमना पालीवाल, दीपिका पालीवाल, संध्या चौधरी, प्रियंका गोदारा, रीना सुथार, सरोज कुंवर सहित अन्य महिला कार्यकर्ता मौजूद थी।

खटीक समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आज

राजसमंद (पुकार)। जिले में कुंवारिया कस्बे के मेला ग्राउंड परिसर पर रविवार को खटीक समाज द्वारा आयोजित होने जा रहे सामूहिक विवाह सम्मेलन में दो तुलसी मैया व ठाकुरजी के संग फेरे लेंगे व 33 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। आयोजक रमेश चंदेल, ओमप्रकाश चावला ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। शनिवार को विवाह उत्सव को लेकर बैंडबाजों की मधुर स्वर लहरियों के साथ बन्नो मारो चारभुजा रो नाथ, बन्नी मारी तुलसा लाडली,

मोहन आओ तो सही गिरधर आओ सहित विभिन्न धार्मिक भजनों के साथ महिला अपने सिर पर कलश लेकर आई। महिलाएं इस दौरान मंगल गीत गाती हुई चल रही थी। कलश यात्रा मुख्य मार्ग से गुजरी। जगह -जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। बाद

● दो तुलसी मैया सहित 33 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे
● कुंवारिया में आज निकलेगी भव्य शोभायात्रा
● कलश यात्रा व हल्दी एव मेहंदी की रस्म हुई

में कलश यात्रा बस स्टैंड पहुंची। जहां विनायक स्थापना परिसर पर कलश रखे गए बाद में तुलसीजी की हल्दी व मेहंदी रस्म की गई। जिसमें महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए तुलसी मैया के हल्दी व मेहंदी लगाई। सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर भजन कीर्तन से माहौल धर्ममय बना हुआ है।

नरसिंह द्वारा पर आज होगा बारात का स्वागत

विवाह को लेकर कुंवारिया शहर में जगह -जगह दो दर्जन से अधिक स्वागत द्वार भी बनाए गए हैं। कुंवारिया के मेला ग्राउंड पर रविवार को दो तुलसी संग ठाकुरजी सहित 33 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। रविवार सुबह 7 बजे नरसिंह द्वारा पर बारात का स्वागत किया जाएगा।

कुंवारियां कॉलेज में तंबाकू और धूम्रपान के दुष्प्रभावों पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

राजसमंद (पुकार)। जिल के कुंवारिया तहसील मुख्यालय पर स्थित किरण माहेश्वरी राजकीय महाविद्यालय में जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ व जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में तंबाकू के दुष्प्रभावों पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमे विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ में भाग लिया। प्रभारी डॉ मनदीप सिंह ने बताया कि जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा तंबाकू के दुष्प्रभावों पर

निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें कोमल कीर प्रथम, शारदा रैगर द्वितीय, भावना जाट तृतीय, बंशीलाल सालवी चतुर्थ एवं खेमराज नायक पंचम स्थान पर रहे। निम्बंध प्रतियोगिता में यशवंत रैगर प्रथम, कोमल जाट द्वितीय, निशा सुथार तृतीय, निरमा नायक चतुर्थ एवं काली तेली पंचम स्थान पर रही। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से विनोद पुरोहित ने तंबाकू और धूम्रपान के दुष्प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों को वैज्ञानिक तथ्यों के माध्यम से समझाया। सभी विजेता विद्यार्थियों को महाविद्यालय व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस दौरान प्रभारी डॉ मनदीप सिंह, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से हार्दिक जोशी, कैलाश बिनवाल आदि उपस्थित थे।

राउमावि फरारा में समग्र प्रगती पायलटिंग का कार्य शुरू

राजसमंद (पुकार)। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान नई दिल्ली के निर्देशानुसार राउमावि फरारा में परिषद की ओर से फील्ड इनवेस्टिगेटर गोविंदसिंह चौहान ने शनिवार को विद्यालय पहुंच समग्र प्रगति पत्र का पाइलटिंग कार्य शुरू किया। संस्था प्रधान सुरेंद्रसिंह ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रदेश में लागू करने को लेकर राष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रारूप 2023 के अनुसार एनसीईआरटी द्वारा निर्मित समग्र प्रगति पत्र का राजस्थान के परिवेश के अनुसार तैयार ड्राफ्ट की

पायलटिंग का कार्य प्रदेश के 10 चयनित जिलों में शुरू किया गया। इस निमित्त जिले के चयनित दस विद्यालयों में राउमावि फरारा को चयनित किया गया है। विद्यालय की कक्षा 7 के हिंदी, सामाजिक विज्ञान, गणित एवं कला शिक्षा से संबंधित विषय पर गतिविधियां आधारित शिक्षण प्रदर्शन कर अभिभावकों, विद्यार्थियों, उनके सहपाठियों एवं शिक्षकों तथा संस्था प्रधान से फीडबैक लिया गया।

सिगरेट से हुक्का ज्यादा खतरनाक...

इन दिनों हर छोटे बड़े शहरों और मॉल्स में हुक्का बार या शीशा लाउंज पॉपुलर होते नजर आ रहे हैं। युवा हुक्के का एक कश नहीं बल्कि हजार कश लेते हुए दिखते हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि हुक्का पीना सिगरेट पीने के मुकाबले बिल्कुल भी हानिकारक नहीं होता।

लेकिन हुक्के से खींचा गया तंबाकू का धुआं पानी से होता हुआ एक लंबे होज पाइप के जरिए फेफड़ों तक पहुंचता है। पानी के बरतन से होते हुए आने के कारण ही यह एक आम भ्रांति है कि हुक्के का धुआं हानिकारक नहीं होता। सच यह है कि हुक्के से निकलने वाला धुआं सिगरेट या बीड़ी के धुएं से अधिक घातक होता है। हुक्का पीना सिगरेट की ही तरह हानिकारक है क्योंकि दोनों उत्पाद के अंत में कार्सिनोजन लगा रहता है जो कि एक कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ है।

हुक्के का स्वाद बदलने के लिए केवल उसमें फ्रूट सीरप मिलाया जाता है जिससे उसके फ्लेवर में बदलाव आ जाता है। इसका यह बिल्कुल भी मतलब नहीं है कि हुक्के में किसी भी प्रकार का फल मिलाया गया हो। इसलिए यह आशा न करें कि हुक्के को पी कर आपको विटामिन मिलेगा।

सीने में जलन को ऐसे दूर करता है बेकिंग सोडा

एसिडिटी होने पर कई बार आपको भोजन नली या सीने में जलन की महसूस होती है। कभी-कभार ऐसा होना सामान्य बात है, लेकिन अगर आप लगातार इस तरह की जलन महसूस करते हैं तो यह एक गंभीर समस्या भी हो सकती है। आपकी इस परेशानी का इलाज बेकिंग सोडा में छिपा है। खान-पान और सौंदर्य निखारने के लिए फायदेमंद बेकिंग सोडा आपकी इस परेशानी को दूर करने का बहुत कारगर उपाय है।

स्टैंडिंग साइड क्रंच करने का सही तरीका

स्टैंडिंग साइड क्रंच, ऑब्लिक मसल्स को लक्षित करने वाली स्टैंडिंग एब एक्सरसाइज है। इस एब एक्सरसाइज को अधिक प्रभावी विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने के लिए आप नियमित रूप से इस क्रंच को फर्श पर करें या अपने नियमित एब रूटीन में एक किस्म के रूप में जोड़ें। यह एक्सरसाइज आपको अधिक कैलोरी को जलाने, कोर स्ट्रेंथ को बनाने और आपके संतुलन में सुधार करने में मदद करती है। स्टैंडिंग साइड क्रंच के अंतर्गत कई अन्य प्रकार की मसल्स मूवमेंट भी शामिल होते है।

स्टैंडिंग साइड क्रंचेज पीठ के निचले हिस्से और गर्दन की मसल्स के लिए अच्छी तरह से काम करती है। इसमें गर्दन को स्ट्रेच करने या पीठ के बल लेटने की जरूरत नहीं होती है। इसलिए यह एब एक्सरसाइज के दौरान गर्दन में परेशानी या पीठ में दर्द अनुभव करने के कारण एब्डॉमिनल एक्सरसाइज से बचने वाले लोगों के लिए बेहतर होती है। यह एक्सरसाइज डांसर, फाइटर और अन्य एथलीटों के लिए आदर्श है। यह उन लोगों के लिए भी अच्छी एक्सरसाइज है जो फर्श पर आसानी से झुक और उठ नहीं सकते।

स्टैंडिंग साइड क्रंच कैसे करें?

- स्टैंडिंग साइड क्रंच को करने के लिए किसी भी उपकारण की जरूरत नहीं होती।
- इसे करने के लिए आप सीधे खड़े हो जाए और वजन को अपने बाये पैर पर डाल दें।
- अब अपनी दाहिने घुटने को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ें।
- फिर अपने दाये पैर को शरीर के पीछे की तरफ उठाएं ताकी आपको घुटना समाने की ओर सीधा हो जाए।
- अब दोनों हाथों को सिर के पीछे लगा लें। सांस को बाहर छोड़ते हुए अपने दाहिनी कोहनी को दाहिने घुटने के पास ले जाएं।
- फिर अपनी कोहनी और घुटने को इतना नजदीक ले जाने की कोशिश करें कि आपकी पसली और दाहिने कूल्हे पर प्रभाव महसूस हो।
- स्टैंडिंग साइड क्रंच को 15-15 क्रंचेज में दोनों तरफ से करें।

स्टैंडिंग साइड क्रंच के लाभ

- इससे गर्दन और पीठ के निचले हिस्से कम दबाव पड़ता है।
- मैट पर होने वाला यह साइड क्रंचेज अधिक कैलोरी जलता है।
- इसके लिए किसी उपकरण की जरूरत नहीं होती, इसे आप कहीं भी, कभी भी कर सकते हैं।
- हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग के लिए अच्छी एक्सरसाइज है। कार्यात्मक शरीर के विकास को बढ़ावा देता है।

टिप्स

- ऑब्लिक मसल्स को अधिक एक्टिव करने के लिए स्लो और कंट्रोल मूवमेंट करें।
- इस एक्सरसाइज को कार्डियों के लिए उपयोग करने के लिए, हार्ट रेट को बढ़ाने के लिए तेजी से रेप्स करें।
- एक्सरसाइज करते समय, हिप्स को आगे या पीछे स्विंग न करें।
- अपने सिर को हाथों के आगे या बगल से खींचने से बचें।
- रीढ़ की हड्डी को आगे झुकाने से बचें।

दवाओं के दुष्प्रभाव से निपटने के लिए आसान तरीके

दवाएं कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हानिकारक बैक्टीरिया के खिलाफ मुकाबला करने, दर्द से राहत देने और जान बचाने में मदद करती है। दवाएं ऐसे रोगों का भी इलाज करती है जिनका अन्य किसी तरीके से इलाज नहीं हो पाता। लेकिन अफसोस, दवाओं के उपयोग में एक खामी भी है।

दवाएं मानव शरीर के साथ एक नाजुक संतुलन में काम करती हैं, लेकिन इस संतुलन के बिगड़ने पर यह कई प्रकार के साइड इफेक्ट का कारण बन सकती है।

साइड इफेक्ट

लगभग सभी प्रकार की दवाओं के साइड इफेक्ट होते है, लेकिन कुछ लोगों को साइड इफेक्ट का पता नहीं लगता वह इन साइड इफेक्ट के साथ आसानी से डील कर लेते हैं। यहां ऐसी कुछ महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दी गई है जो आपको पता होनी चाहिए।

किसे होते हैं साइड इफेक्ट

किसी को भी दवा से साइड इफेक्ट हो सकते हैं, लेकिन कोई भी एक विशेष दवा आपके लिए साइड इफेक्ट का कारण नहीं हो सकता। यह दवा की खुराक, उम्र, लिंग, वजन और आपके द्वारा ली जाने वाली अन्य दवाओं पर निर्भर करता है। बुजुर्गों में जवां लोगों की तुलना में साइड इफेक्ट अधिक होने की संभावना होती है।

कब्ज

कई निर्धारित और काउंटर दवा से कब्ज की समस्या हो सकती है। नियमित रूप से पेनकिलर दवाओं को लेने पर होने वाला यह सबसे आम दुष्प्रभावों में से एक है। हालांकि, आप ब्रान और होल वीट ग्रेन और हाई फाइबर सब्जियां और फल जैसे बींस, सेब और ब्रोकली के सेवन से इसका इलाज कर सकते हैं। इसके साथ ही तरल पदार्थों को खूब सेवन करें और नियमित रूप से एक्सरसाइज करें।

दिन के समय उनींदापन

कुछ दवाओं के कारण दिन में उनींदापन की समस्या भी हो सकती है, लेकिन शरीर द्वारा दवा के आदि होने पर समस्या आमतौर पर अपने आप ही दूर हो जाती है। अगर समस्या काफी दिनों तक ऐसी ही बनी रहती है तो डॉक्टर से पूछ कर दवा रात के समय लें। साथ ही यह भी सलाह दी जाती है कि उनींदापन महसूस होने पर भारी उपकरण न उठाये और ड्राइविंग करने से भी बचें।

सिरदर्द

कई निर्धारित और गैर निर्धारित दवाएं भी सिरदर्द का कारण हो सकती है। हालांकि शरीर को दवा की आदत हो जाने पर सिरदर्द अपने आप दूर हो जाता है। लेकिन अगर समस्या लंबे समय तक बनी रहती हैं तो बिना देर किये अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

आमतौर पर दवा के लाभ मामूली साइड इफेक्ट से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। क्योंकि अधिकांश दवाओं के साइड इफेक्ट अक्सर एक समय के बाद अपने आप दूर हो जाते हैं। लेकिन अगर साइड इफेक्ट लंबे समय तक रहते हैं तो आपको खुद से दवाओं को बंद नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने डॉक्टर से इस विषय पर राय लेनी चाहिए। और अगर दवा लेने के बाद पित्ती, चेहरे, होठों और जीभ पर सूजन या सांस लेने में परेशानी महसूस हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

डायरिया

लगभग सभी दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में डायरिया की समस्या देखने को मिलती है। हालांकि कीमोथेरेपी के लिए इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाएं जैसे एंटीबॉयोटिक, एंटी-डिप्रेसेंट और एंटासिड डायरिया का कारण बनती है। अगर आपको दवा से डायरिया की समस्या होती है तो अपने आहार में हल्के, फाइबर युक्त जैसे की चावल और दही को शमिल करें। और बेहतर महसूस होने तक मसालेदार और फैट से भरपूर खाद्य पदार्थों से बचें।

दिल को हेल्दी रखना है तो पियें ब्लैक टी

काली चाय वजन घटाने में मदद करती है, ये बात तो हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि काली चाय दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। जी हां, एक नए शोध से यह बात सामने आई है कि काली चाय दिल को दुरुस्त रखने में बहुत मददगार होती है।

दिल के लिए काली चाय

काली चाय दिल की सेहत के लिए बहुत अच्छी होती है। एक ताजा शोध में यह बात सामने आई है। इस शोध में काली चाय में पाए जाने वाले एक विशेष तत्व और उसकी उपयोगिता के बारे में बताया गया है। काली चाय में प्रचुरता से पाया जाने वाला एक प्रकार का फ्लेवनॉयड, र्सटीन, धमनियों को ऑक्सीकरण से होने वाले नुकसान से बचाता है। साथ ही यह हृदयवाहिका से संबंधित बीमारियों की संभावना को भी कम करता है।

एंटीऑक्सीडेंट है फ्लेवनॉयड

फ्लेवनॉयड पौधों में पाए जाने वाले साधारण वर्णक यौगिक होता है। यह एंटीऑक्सीडेंट के तौर पर काम करता है। विटामिन सी के असर को बढ़ाता है और रक्तवाहिकाओं के आसपास संयोजी ऊतकों की रक्षा करता है।

शोध के नतीजे

विश्वविद्यालय के बयान के मुताबिक वार्ड और क्रॉफ्ट ने कहा, भविष्य में हृदय रक्तवाहिकाओं पर फ्लेवनॉयड के असर से सम्बंधित अध्ययनों में अलग-अलग तरह के फ्लेवनॉयड और फ्लेवनॉयड के खाद्य स्रोतों के उपयोग पर विचार किया जाना चाहिए।

क्या कहता है शोध

- प्रोफेसोरियल फेला, केविन क्रॉफ्ट ने चूहों पर किए गए एक प्रयोग के आधार पर कहा कि हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि र्सटीन, वाहिकाओं को ऑक्सीडेंट से होने वाले नुकसान से बचाने में सक्षम है।
- शोध पत्रिका बायोकेमिकल फॉर्मेकोलॉजी के मुताबिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि इस बात के प्रमाण हैं कि खाद्य फ्लेवनॉयड्स उच्च रक्तचाप को कम कर सकता है और अथेरोस्क्लेरोसिस के विकास को कम कर सकता है।

घरेलू नुस्खों से मिल सकता है आराम

अब किडनी स्टोन के दर्द से मिलेगी राहत

किडनी में पथरी या स्टोन के दर्द को बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है, कोई भी व्यक्ति इस दर्द को ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं कर सकता है इसलिए कई डॉक्टर दवाइयां देकर इसे यूरीन के रास्ते बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। अगर पथरी ज्यादा बड़ी हो तो डॉक्टर को ऑपरेशन करना पड़ता है, लेकिन अगर आप भी किडनी के स्टोन के दर्द से परेशान हैं तो कुछ घरेलू उपाय अपनाकर किडनी के स्टोन से राहत पा सकते हैं।

कैल्शियम से भरपूर खाना

तुलसी के पत्तों का सेवन करने से किडनी के स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। तुलसी के पत्तों को चबाना, तुलसी की चाय बनाकर पीना, तुलसी के रस में शहद मिलाकर पीने से स्टोन से राहत मिलती है। किडनी में स्टोन की समस्या से राहत पाने के लिए कैल्शियम युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए, जो स्टोन को तोड़ने और बाहर निकालने में मदद करते हैं। दूध, मक्खन, तरबूज का सेवन करना लाभकारी साबित हो सकता है।

नींबू, ओलिव ऑयल और पानी

नींबू का रस चौथाई कप निकालकर उसमें उतना ही ओलिव आयल मिलाकर इसका सेवन करने के बाद पानी पीना चाहिए। दिन में 2 बार ऐसा करने से किडनी स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। किडनी में स्टोन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम 10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। ज्यादा पानी पीने से किडनी में से स्टोन यूरीन के रास्ते बाहर निकल जाता है।

अनार और अजवाइन भी फायदेमंद

फलों का सेवन करना वैसे भी हमारी सेहत के लिए लाभकारी होता है, लेकिन स्टोन की समस्या होने पर अनार या अनार का जूस पीने से स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। वहीं अजवाइन का सेवन करने से पेट संबंधित कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है, लेकिन किडनी में स्टोन होने पर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

रेसिपी

खट्टा मूंग

सामग्री

1 कप मूंग, 1 कप खट्टा दही, 1 टेबल-स्पून बेसन, 3/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 3 से 4 कड़ी पत्ता, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार

सजाने के लिए: 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया

परोसने के लिए: रोटली/ सादे चावल

विधि

मूंग को धोकर, उपयुक्त मात्रा के पानी में 2-3 घंटे के लिए भिगो दें। छानकर, 11/2 कप पानी डालकर 2 सिटी के लिए प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। एक तरफ रख दें। दही, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर को एक बाउल में मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और सरसों, कड़ी पत्ता, हींग और अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालें। जब बीज चटकने लगे, पका हुआ मूंग डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड तक पका कें। दही-बेसन का मिश्रण, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच में एक बार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 से 7 मिनट के लिए पका लें। धनिया से सजाकर सादे चावल या रोटली के साथ गरमा गरम परोसें।

कोवालम मटर

सामग्री

1 1/4 कप उबले हुए हरे मटर, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1 टी-स्पून उड़द दाल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टी-स्पून लहसून की पेस्ट, 1 टी-स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर, 1/4 टी-स्पून हल्दी, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ टमाटर, नमक, स्वाद अनुसार, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, पीस कर नारियल-काजू की मुलायम पेस्ट बनाने के लिए (थोड़े पानी का उपयोग करते हुए), 4 टेबल-स्पून कसा हुआ नारियल, 1 टेबल-स्पून टुकड़ा किया हुआ काजू

विधि

एक नॉन-स्टिक कढाई में तेल गरम करिए और उसमे जीरा और उड़द दाल डालिए। जब जीरा चटखने लगे, तब उसमे प्याज डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूनिए। उसमे लहसून की पेस्ट, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च का पाउडर, हल्दी, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे बनाया हुआ नारियल-काजू के पेस्ट, हरे मटर, धनिया और 1/2 कप पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। गरमा गरम परोसिए।

लहरों के बीच बना सकते हैं बेहतर भविष्य

आजकल के बच्चे काफी सोच समझकर अपने कॅरियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन कई बच्चों को समुद्र की लहरों के बीच राफ्टिंग करना बेहद पंसद होता हैं अगर वो चाहें तो इस हॉबी को रोजगार का साधन भी बना सकते हैं, लेकिन इस कॅरियर की शुरुआत सिर्फ साहसी लोग ही कर सकते हैं और इसके लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद जरूरी है।

प्रमुख संस्थान...

- इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन, नई दिल्ली
- हिमालयन रिवर रनर्स, नई दिल्ली

कैसे करें शुरुआत...?

राफ्टिंग का 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कई संस्थानों द्वारा करवाया जाता है। सबसे पहले प्रार्थी की शारीरिक जांच करने के बाद उसको राफ्टिंग गाइड के साथ खतरनाक राफ्टिंग ट्रैक पर भेजा जाता है। ट्रेनिंग के दौरान रॉफ्टिंग उपकरणों के प्रयोग करने के बारे में समझाया जाता हैं और साथ ही यह जानकारी भी दी जाती हैं कि नदी में पानी के बहाव, उसकी गहराई की कैसे जांच करनी हैं। राफ्टिंग का सारा प्रशिक्षण लेने के बाद आप राफ्टिंग गाइड भी बन सकते हैं और पर्यटकों को राफ्टिंग का सफर करवा सकते हैं। हालांकि ये कॅरियर कमजोर दिलवालों के नहीं, बल्कि मजबूत इरादे वालों के लिए है। इसलिए ये कॅरियर चुनते समय आप ये डिसाइड कर लें कि कहीं आपको पानी से डर तो नहीं लगता।

संक्षिप्त खबरें...

आध्यात्मिक प्रवचन में रासेस्वरी देवी ने बताया ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग

फतहनगर। केआरजी गार्डन के सभागार में चल रहे आध्यात्मिक जीवन उपयोगी प्रवचन श्रृखंला के दूसरे दिन मानव जीवन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रमुख प्रचारिका रासेस्वरी देवी ने बतलाया कि भगवान ने जब सृष्टि का निर्माण किया तो क्रमशः पृथ्वी,जल,पेड़-पौधे, सूक्ष्म जीव, कीट पतंगे, जलचर, नभचर, स्थलचर जानवरों का निर्माण कर उन्हें देखा। परंतु उन्हें संतुष्टि नहीं हुई तब उन्होंने मानव का निर्माण किया और पूर्ण संतुष्ट हुए क्योंकि इस देह में उन्होंने वह सभी क्षमताएं प्रदान की जिससे मानव स्वतंत्रता पूर्वक कर्म करके जीवन के मकसद ईश्वर को प्राप्त कर सकता है। इससे पूर्व इस मानव जीवन के उद्देश्य के बारे में बतलाते हुए स्पष्ट किया कि मानव ही नहीं संसार के समस्त जीव जो भी क्रियाएं करते हैं, कर्म करते हैं उन सभी का एक मात्र उद्देश्य है आनंद की प्राप्ति। आनंद ही भगवान है तथा भगवान का दूसरा नाम ही आनंद है। इस प्रकार जो भी भौतिक चीजों की लालसा मनुष्य द्वारा की जाती है उन सभी की प्राप्ति के पीछे भी एकमात्र कारण उसी आनंद को प्राप्त करना होता है। इस प्रकार समस्त जीव जिस आनंद को चाहते हैंउसे रासेस्वरी देवी द्वारा सरल शब्दों में स्पष्ट किया गया।

साधना सदन से विहार कर साध्वियों ने किया पावनधाम प्रवेश

फतहनगर। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ फतहनगर के चातुर्मास के दौरान साधना सदन में विराजित भारत कोकिला मेवाड़ सिंहनी प्रवर्तनी सदुरुवर्या पूज्या श्री यश कंवर म.सा की सुशिष्या श्री पारस कंवर म.सा व श्री सुप्रभा म.सा आदि ठाणा-2 का मंगल विहार शनिवार को प्रातः 8.15 बजे साधना सदन से हुआ। संघ के अध्यक्ष कनक बाफना व महामंत्री विनोद सियाल ने बताया कि विहार के दौरान विभिन्न मार्गो पर श्रावक-श्राविकाओं ने साध्वीवृंद के दर्शन किए एवं पावनधाम प्रवेश उपरान्त व्याख्यान एवं मंगल पाठ का लाभ लिया। इस दौरान संघ प्रमुख दिनेश सामर,संरक्षक संपत बाफना,देवीलाल खेरोदिया,लक्ष्मी लाल खेरोदिया,डॉ.जैनेन्द्र जैन,अनिल विश्लोत, विमल गड़ोलिया,निलेश पोखरना,नवयुवक मंडल अध्यक्ष आशीष पीपाड़ा सहित समाज के वरिष्ठजन उपस्थित थे। विहार के दौरान श्री वर्धमान श्रावक संघ के सभी वरिष्ठ सदस्य और नवयुवक मंडल के सदस्य भी सेवा में चल रहे थे। पावनधाम प्रवेश पर समाजजनों ने साध्वियों की अगवानी की।

सड़क सुरक्षा नियमों का करें पालन परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह

सलूंबर। परिवहन विभाग सलूंबर ने वर्ल्ड रिमेंबरेंस डे के तहत सड़क सुरक्षा जन जागरुकता की जानकारी छात्र छात्राओं को दी। इस अवसर पर प्रताप विद्यालय चावंड में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में डीटीओ सुरेन्द्र सिंह गुलिया ने संबोधित करते हुए कहा कि वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के संबंधित नियमों का पालन करते हुए सावधानी पूर्वक वाहन का संचालन करें। उन्होंने कहा कि वाहन चालक अगर मोबाइल का उपयोग जिम्मेदारी से करेंगे तो अकस्मात मृत्यु भी टाली जा सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकतर दुर्घटनायें युवा वर्ग द्वारा असावधानीपूर्वक वाहन चलाने के कारण होती है। अतः उनके द्वारा यातायात के समस्त नियमों का पालन करने की सीख दी। तथा उन्होंने कार्यक्रम आयोजन को अत्यधिक महत्वपूर्ण बताते हुए सड़क सुरक्षा के समस्त नियमों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर उनको पालन करने की सीख दी और सड़क दुर्घटना में कमी लाने के लिये परिवहन विभाग द्वारा समय समय पर आयोजित कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी एवं सडक सुरक्षा के लिये विभाग की प्रतिबद्धताओं को दोहराया। इस दौरान विद्यालय के छात्र छात्राए और विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

राउमावि देवरिया में हुआ बाल मेले का आयोजन

आमेट । निकटवर्ती ग्राम देवरिया के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बाल दिवस के उपलक्ष में शनिवार को बाल मेले का आयोजन किया गया। बाल मेले में नो निहालों ने बड़ी मेहनत करके विभिन्न स्टोले लगाई। जिनमें पानी पुरी, चना, चाट,मसाला, राब,पानी पुरी, चना चाट मसाला, देसी राब, सलाद, फल, मूंगफली पास्ता, मेथी पराठा, पॉपकॉर्न नींबू पानी स्टॉल आदि मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यालय स्टाफ व बालको सहित एसएमसी सदस्यों ने बाल मेले का जम कर लुत्फ उठाया । बाल मेले के सफल आयोजन में विद्यालय स्टाफ के सभी साथियों ने विशेष सहयोग किया। प्रधानाचार्य प्यारेलाल आमेट ने बताया कि बालकों के सर्वांगीण विकास में सहायक बाल मेले के आयोजन से बालकों में स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भरता का विकास होता है। इसी प्रकार के आयोजन विद्यालय में समय-समय पर होते रहते हैं। एसएमसी सदस्यों सहित गांव से पधारे गणमान्य नागरिकों ने बालकों की प्रशंसा की।

चातुर्मासिक संपन्नता पर मंगल विहार साध्वी विशद प्रज्ञा

आमेट । तेरापंथ भवन में विराजित में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण की सूशिष्या साध्वी विशद प्रज्ञा,साध्वी प्रशम यशा, साध्वी मनन यशा, साध्वी मंदार प्रभा ठाणा 4 का चार्तुमासिक संपन्नता पर मंगल विहार कर रेल्वे स्टेशन पधारे। यहां साध्वी श्री विशद प्रज्ञा ने मंगल उद्बोधन में परदेसी राजा का प्रवचन व गीतिका के माध्यम से संपूर्ण श्रावक समाज के कार्य की सराहना करते हुए धर्म संघ में इसी तरह कार्य करते रहे व साधु संतों के रास्ते की सेवा उपासना करे। मंगल भावना कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मेहता,तेरापंथ सभा अध्यक्ष यशवंत कुमार चोरड़िया, ज्ञानेश्वर मेहता,सभा मंत्री मनोहर लाल पितलिया,महिला मंडल अध्यक्ष संगीता पामेचा, कन्या मंडल सहसंयोजीका अक्षी डूंगरवाल, अणुव्रत समिति अध्यक्ष रेणु छाजेड़, ज्ञानशाला प्रभारी आशा डूंगरवाल, कन्हैयालाल चिप्पड़ कौशल मेहता, मूलचंद बोलिया, मुकेश सुराणा आदि ने गीतिका व संभाषण द्वारा अपने विचार व्यक्त किये। श्रावक समाज ने नारे की जयकारों से अनुशासन रैली के साथ मंगल विहार सिनेमा गली, लक्ष्मी बाजार, बस स्टेशन, रेल्वे स्टेशन, होते हुए। शीतल गेस्ट हाउस की गली बाबूलाल चोरड़िया के भाई संपतलाल चोरडिया के निवास स्थान पधारे। इस अवसर पर सुंदर लाल हिरण,विनोद चोरड़िया, व चोरडिया परिवार की बहनों ने साध्वी श्री जी का स्वागत अभिनंदन गीतिका द्वारा किया। साध्वी श्री जी ने मंगल पाठ फरमाया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा, महिला मंडल, युवक परिषद, कन्या मंडल, ज्ञानशाला के छोटे-छोटे बच्चे व वयोवृद्ध श्रावक-श्राविकाआ आदि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की जानकारी जेटीऐन प्रतिनिधि पवन कच्छारा ने दी।

विद्युत निगम का विशेष राजस्व वसूली अभियान जारी

अधीक्षण अभियंता अग्रवाल स्वयं फील्ड में रहकर कर रहे हैं वसूली

प्रतापगढ़ (पुकार)। अजमेर डिस्कॉम वृत प्रतापगढ़ में दिनांक 15 व 16 नवंबर को विशेष राजस्व वसूली अभियान चलाया जा रहा है। विशेष राजस्व वसूली अभियान के दौरान अधीक्षण अभियंता राजकुमार अग्रवाल इस अभियान की विशेष मॉनिटरिंग तो कर ही रहे हैं साथ ही अधिकारियों के साथ स्वयं फील्ड में उपस्थित रहकर उपभोक्ताओं से वसूली कर रहे हैं तथा लम्बे समय से बकायादारों द्वारा बकाया जमा न करवाए जाने पर विद्युत कनेक्शन विच्छेद करवा रहे हैं। जानकारी देते हुए अधीक्षण अभियंता ने बताया कि इस विशेष राजस्व वसूली अभियान के दौरान सभी उपखंडों के सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता अपने स्टाफ के साथ फील्ड में रहकर राजस्व वसूली कर रहे हैं तथा ऐसे बकायदार जिनके कनेक्शन पूर्व में काटे जा चुके हैं उनकी भी विद्युत सप्लाई की जांच की जा रही है। इस अभियान के दौरान ऐसे उपभोक्ता जिनके बिल लंबे समय से बाकी हैं , उनको समझाइश द्वारा बिल जमा करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है तथा बार-बार सूचित करने के बाद भी बिल न जमा करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जा रहे हैं। जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि राजस्व वसूली के इस विशेष अभियान के तहत शुक्रवार व शनिवार को वृत मे डीसी केटेगरी के 345 उपभोक्ताओं जिनकी बकाया राशि लगभग 30 से 35 लाख रुपए थी उनके कनेक्शन की चेकिंग कर कुल 3.76 लाख रूपये की राजस्व वसूली की गई तथा शेष राशि आगामी दिनों में जमा कराए जाने की कहा गया। दिसम्बर माह में आयोजित राष्ट्रिय लोक अदालत में भी समझौते के माध्यम से राशी जमा करवाने हेतु कहा गया। विद्युत विभाग के बकाया उपभोक्ताओ में सरकारी विभाग भी शामिल हैं जिसमें बड़े बकायदारों में विशेष रूप से नगर परिषद प्रतापगढ़ के 2 करोड़ 45 लाख रूपये तथा नगर पालिका छोटी सादड़ी के 1 करोड़ 77 लाख रुपए विद्युत बिल के बकाया है, जिस पर अपील कर बिल की राशी जमा करवाने हेतु कहा गया है । आने वाले दिनों में बकाया जमा ने होने पर इन विभागों के भी विद्युत कनेक्शन विच्छेद किए जाने की कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता अग्रवाल ने सभी उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वह अपने विद्युत बिल समय पर जमा करवाए ताकि विभाग द्वारा कनेक्शन विच्छेद की कार्रवाई से बचा जा सके। उपभोक्ता अपने बिल ऑनलाइन माध्यम से भी घर बैठे जमा करवा सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी अपील की उपभोक्ता अपने घरों पर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर प्लांट अवश्य लगवाए ताकि बिजली बिल का भार नगण्य हो जाए। गौरतलब है कि इस योजना के तहत डिस्कॉम के रजिस्टर्ड वेंडर से सोलर प्लांट लगाए जाने पर उपभोक्ताओ को अधिकतम 78000 रूपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है जिसके कारण सोलर प्लांट की लागत काफी कम हो जाती है। योजना की जानकारी के लिए नजदीकी विद्युत कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है, साथ ही इस योजना हेतु अथवा विद्युत सप्लाई संबंधी किसी भी समस्या के लिए डिस्कॉम के टोल फ्री नंबर 18001806565 पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है। राजस्व वसूली अभियान के दौरान अधिशासी अभियंता, लेखा अधिकारी, सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता आदि अधिकारी अपने स्टाफ के साथ उपस्थित रहे।

फतहनगर में नशा मुक्ति अभियान को लेकर संगोष्ठी का किया आयोजन

स्कूल बच्चों एवं आम नागरिकों ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

फतहनगर (पुकार) । युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के नेहरू युवा केन्द्र उदयपुर, आरोग्य जिला नशा मुक्ति केन्द्र उदयपुर एवं सेंट थॉमस उच्च माध्यमिक विद्यालय फतहनगर के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम के तहत शनिवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजक भगवती कुमारी जोशी के अनुसार कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका उपाध्यक्ष नीतिन सेठिया ने की जबकि मुख्य अतिथि व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाशचन्द्र अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि समाजसेवी कैलाश खण्डेलवाल, भाजपा देहात जिला उपाध्यक्ष गणपतलाल स्वर्णकार, ऑल इंडिया कार एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव चंचल सोनी,द्वारिकाधीश मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष शैलेष पालीवाल, ट्रीनीटि एज्युकेशन सोसाईटी सचिव विशाल सोनी, ट्रीनीटि एज्युकेशन सोसाईटी अध्यक्ष विनय सोनी, प्रधानाचार्य रोहित जैन, प्रशासनिक प्रमुख सुनिल कोठारी, आरोग्य जिला नशा मुक्ति केन्द्र उदयपुर सुनिल पंचोली, पुलिस प्रशासन से सुरेन्द्र कुमार व जितेन्द आदि थे। कार्यक्रम का प्रारंभ द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अतिथियों का स्वागत गोपाल वैष्णव लेखा एवं कार्यक्रम अधिकारी नेहरू युवा केन्द्र उदयपुर एवं भगवती कुमारी जोशी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुनिल पंचोली ने अपने उद्बोधन में नशा के दुष्परिणाम एवं उससे बचाव के संसाधनों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यालय के 95 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी विद्यार्थियों व कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को पालिका उपाध्यक्ष सेठिया ने नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में संस्थाध्यक्ष नरपतसिंह चौहान, विशान मेघवाल, कर्णिका राव चौहान हर्षवर्धन सिंह चौहान, शिवानी माली,जाहनवी कोठारी मनोज तातेड एवं विद्यालय परिवार ने सहयोग किया। संचालन प्राध्यापक बाबूलाल जीनगर ने किया।

पुण्य सागर संघ का 18 को महावीर मंदिर में मंगल प्रवेश

धरियावद। मुनि पुण्य सागर संघ का महावीर मंदिर धरियावद में भव्य मंगल प्रवेशए अनंत व्रत उद्यापन 18 नवंबर से प्रज्ञा श्रमण मुनि 108 श्री पुण्य सागर जी महाराज ससंघ का नगर के दिगंबर जैन महावीर मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश शनिवार को हुआ। चातुर्मास 2024 के समापन के बाद दोपहर 3 बजे मुनि.आर्यिका संघ का श्री सिद्धांत क्षेत्र नंदनवन से विहार हुआ। बड़ी संख्या में धर्मावलंबियों ने गुरुदेव के जयकारे के साथ मुनि श्री के कदम धरियावद नगर की ओर बढ़े। दिगंबर जैन नसियां जी मंदिर पर दसा नरसिंहपुरा समाज ने संघ की भव्य अगुवानी की। यहां से शोभायात्रा के रूप में नगर भ्रमण करते हुए मुनि श्री संघ सहित पुराना बस स्टैंड स्थित श्री महावीर मंदिर पहुंचे। इसके बाद शोभायात्रा ने मंदिर परिसर में धर्मसभा का रूप ले लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। अपने गुरु को नगर में पाकर सभी अभिभूत नजर आए। शाम में भगवान जिनेंद्र और मुनि श्री की आरती के बाद अनंत व्रत उद्यापन एवं सिद्ध चक्र महामंडल विधान के मद्देनजर मंगल चौबीसी गीत एवं मेहंदी कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

18 से त्रिदिवसीय अनंत व्रत उद्यापन समारोह

श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में 18 नवंबर से मुनि श्री पुण्य सागर जी महाराज के सान्निध्य में त्रिदिवसीय अनंत व्रत उद्यापन समारोह का आयोजन किया जाएगा। सोमवार को सुबह 6.30 बजे मंदिर से घटयात्रा निकलेगीए जो पूरे नगर का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर तक आएगी। इसके बाद ध्वजारोहणए मंगलाचरणए मंगल कलश स्थापना और विधान पूजन का आयोजन होगा। शाम में आनंद यात्राए जिनेन्द्र भगवान की आरती, शास्त्रसभा और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अनंत व्रत उद्यापन समारोह तीन दिन चलेगा। इस दौरान पंडित हंसमुख जैन के निर्देशन में कई मांगलिक आयोजन किए जाएंगे। 20 नवंबर को रथोत्सव के साथ समारोह का समापन किया जाएगा। वहींए मुनि पुण्य सागर जी के सान्निध्य में 22 नवंबर से 8 दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल का आयोजन भी किया जाएगा।

बिरसा मुंडा की जयन्ति मनाई

धरियावद । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धरियावद में शनिवार को जनजातीय गौरव पखवाड़ा के तहत प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह शक्तावत के निर्देशन में बिरसा मुंडा की 150 जयंती मनाई गई। उप प्रधानाचार्य शिव सिंह चौहान एवम प्राध्यापक रघुवीर सिंह राव ने बिरसा मुंडा का जीवन परिचय तथा अंग्रेजो के विरुद्ध उनके द्वारा किए गए संघर्ष के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अध्यापक नरेश लबाना, राकेश सेन एवम प्राध्यापक नवीन मेघवानी, नीतू राठौड़ आदि का सहयोग रहा।

डाक बंगले के पास बनी अवैध दुकानों के मामले में कार्यवाही नहीं करने पर पूर्व विधायक जोशी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

फतहनगर (पुकार) । मावली के पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर मावली में डाक बंगले के पास बनी अवैध दुकानों के मामले में निरन्तर आगाह करने के बाद भी डेढ़ वर्ष में भी प्रशासन द्वारा कार्यवाही नहीं करने की स्थिति पर क्षोभ व्यक्त करते एक माह में कार्यवाही न होने पर आंदोलनात्मक रुख अपनाने की चेतावनी दी है। जोशी ने पत्र में लिखा है कि प्रशासन व विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत व प्रश्रय के कारण अतिक्रमणकारियों व अवैध निर्माणकर्ताओं को प्रोत्साहन मिला है। एक विभागीय कार्मिक ने रिकॉर्ड में उक्त भूमि के खसरा नंबर में हेरफेर कर फर्जी दस्तावेजों से नामांतरण किया गया। इस सम्बन्ध में अब तक कोई जांच या कार्यवाही नहीं की गयी। केवल नाममात्र के लिये दुकाने सीज की गयी। जोशी ने कहा कि उन्होनें विधायक रहते यह मामला विधानसभा में भी उठाया था, लेकिन तत्कालीन सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की, लेकिन अब तक निरंतर आगाह के बाद भी प्रशासनिक शिथिलता क्षोभ का विषय है। जोशी ने आरोप लगाया है कि इस मामले को दबाने व कार्यवाही शिथिल करने के लिये बड़ी धनराशि का लेनदेन हुआ है। इसी कारण प्रशासन कार्यवाही नहीं कर रहा है।

रेस-मीडिया हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा-कलक्टर आलोक रंजन

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

चित्तौड़गढ़ (पुकार)। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर शनिवार को कलक्ट्रेट परिसर स्थित सांसद जनसुनवाई केंद्र के सभागार में मीडिया के समक्ष वर्तमान समय में चुनौति विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि जिला कलक्टर आलोक रंजन थे। एडीएम रामचंद्र खटीक, डिप्टी विनय चौधरी बतौर अतिथि उपस्थित हुए तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वतंत्र पत्रकार गोविंद त्रिपाठी एवं ललित मेहरा थे। कलक्टर आलोक रंजन ने प्रेस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रेस हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।किसी भी घटना का समाचार का समय नही होता है। मीडियाकर्मी दिन-रात अपने कार्य में लगे रहते है।सोशल मीडिया के दौर में न्यूज जल्दी पहुंचाना आज के समय चुन्नौती हो गया है।उन्होंने कहा कि सूचना की वैल्यू के साथ-साथ सटीक न्यूज हो उसका ध्यान रखना चाहिए। एडीएम(भू.अ.)रामचंद्र खटीक ने संगोष्ठी को संबोधित करते कहा कि मीडिया,प्रेस जहां सरकार,प्रशासन,पुलिस किसी मामले को नजर अंदाज करती है वहां मीडिया अपना रोल प्ले करता है।जब कोई चीज मीडिया पर आएगी उस पर निश्चित रुप से संज्ञान लिया जाता है।यह हो सकता है जैसा लोग चाहते हो वैसी कार्रवाई न हो पर कार्रवाई होती है। पुलिस उप अधीक्षक विनय चौधरी ने कहा कि आज के समय समाज में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है।एक लाईन किसी भी मामले को बढ़ावा देने या नियंत्रण करने में सहायक होती है।ऐसे में पारदर्शी सकारात्मक लेखनी का महत्व है। इस दौरान स्वतंत्र पत्रकार गोविंद त्रिपाठी, ललित मेहरा,पी.के. अग्रवाल आदि ने मुख्य अतिथि को उपरना ओढ़ाकर स्वागत किया। पत्रकार भूवनेश व्यास,राजेंद्रसिंह शेखावत, अमित दशोरा, अमित चेचाणी, दुर्गेश लक्षकार, श्याम वैष्णव, सुभाष बैरागी आदि ने अपने विचार रखे। राजेश जोशी, विनोद शर्मा, नरेश सोनी, चंद्रेश जैन, अभिषेक, राकेश व्यास, ऋतूपर्णा मुखर्जी, सहित सुचना एवं जनसंपर्क कार्यालय से सहायक जनसंपर्क अधिकारी अंकित शर्मा,सहायक प्रशासनिक अधिकारी सैयद आरिफ अली, मनोहर पाराशर, सत्यनारायण, ओम प्रकाश प्रजापत उपस्थित रहें। संगोष्ठी का संचालन रमेश टेलर ने किया।

सर्वे हिन्दु समाज ने मनाया राष्ट्रीय जनजाती गोरव दिवस

आदिवासी समाज हिंदु धर्म का अभिन्न अंग अब समाज को तोडने वालो को मुह तोड जवाब देगे - कटारा

प्रतापगढ़ (पुकार) । जिला केंद्र पर सर्व हिन्दू समाज ने भगवान बिरसा मुंडा जन्म जयंती का कार्यक्रम मनाया कार्यक्रम शहर स्थित कृषी मंडी मे आयोजित किया गया जिस मे आदिवासी समाज के संतो का स्वागत किया गया कार्यक्रम मे आदिवासी सामाजिक नृत्य, आगन्तुको का स्वागत किया कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलसीराम मीणा जिला संघचालक राष्टीय स्वयंसेवक संघ ने की कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता प्रभुलाल कटारा प्रदेश अध्यक्ष जनजाती , ने कहा की गौ सेवा करो एव समस्त प्राणियो पर दया करो, नशा मत करो ,घर को साफ सुथरा रखो , घर मे तुलसी का पौधा रखे एवं धर्मांतरण से बचे ,अपनी संस्कृती धर्म ओर पूर्वजो के प्रति अटूट श्रध्दा रखे, कार्यक्रम के पश्चात शोभा यात्रा आयोजित की गई हो शोभा यात्रा शहर के विभिन्न मार्ग से होते हुए मंडी परिसर पहुची ।

प्रकाश पर्व पर गुरु नानक जयंती मनाई

छोटीसादडी (पुकार) । सिंधी एवं सिख समाज के प्रथम गुरु नानक की जयंती प्रकाश पर्व के रूप में सिंधी समाज छोटी सादडी द्वारा धूम धाम से मनाई गई. उक्त जानकारी देते हुए अध्यक्ष डॉ बृजेश प्रयानी ने बताया कि गुरु नानक के 555 वीं जयंति पर सिंधी समाज के नव निर्माणाधीन सिंधु धाम पर नीमच से विशेष रूप से आई मीरा देवी ने गुरु नानक द्वारा दी गई शिक्षाओं को अपने जीवन मे उतारने की प्रेरणा दी. गुरु नानक देव जी ने अपना पूरा जीवन समाज सुधारक के रूप में समर्पित कर दिया. उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और भेद-भाव को मिटाने के लिए खास कदम उठाए थे. इंसानियत के नाम पर लोगों को एकता के सूत्र में बांधने के लिए उपदेश दिए थे. नानक साहब ने समाज में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का काम किया था और इसी वजह से उनकी जयंती हर साल प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाती है. मीरा देवी और उनके सहयोगियों द्वारा उनके गाये भजनों पर समाज के आकर्षक परिधानों मे सजे स्त्री पुरुष, बालक बालिकाएं झूम झूम कर थिरके. इसके पूर्व समाज के सदस्यों द्वारा दीपक प्रज्वलित किए. सेंकड़ों दीपक दिन की रोशनी में भी आसमान मे चमचमाते तारो जैसे चमक रहे थे । अरदास, पल्लव, आरती के पश्चात लंगर का आयोजन हुआ. रात्री 1.20 गुरु नानक के अवतरण के अवसर पर भव्य आतिशबाजी की गई और प्रसाद के रूप में खीर का वितरण हुआ. इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ चंदन मल लालवानी, माधव दास लालवानी, प्रेम चंद लालाणी, दुर्गा प्रसाद तनवानी, प्रीतम धनकानी, विजय लालवानी, नंदु धनकानी, जेठानंद तनवानी, सुरेश टीलवाणी, अशोक लालवानी, किशोर तनवानी, महेश टिलवानी, जीतू लालवानी, श्याम लालवानी, सुनील प्रयानी, महेश प्रयानी, राजू रामरखयानी, पप्पु प्रयानी, मुकेश लालवानी, रमेश लालवानी, प्रतीक लालाणी, संजय लालवाणी, वासु तनवानी सहित बड़ी संख्या मे समाज जन उपस्थिति थे। कार्यक्रम समाप्ति पर रविश लालाणी ने सबके सहयोग के लिए आभार प्रकट किया और कारू तनवानी की और से हर परिवार को गिफ्ट वितरित किए गए।

संक्षिप्त समाचार

नशा मुक्ति अभियान : संगोष्ठी का आयोजन

उदयपुर (पुकार)। यूवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के नेहरू यूवा केन्द्र उदयपुर एवं आरोग्य जिला नशा मुक्ति केन्द्र उदयपुर एव संत थॉमस उच्च माध्यमिक विद्यालय फतेहनगर के संयुक्त तत्वाधान में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम के तहत संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

भगवती कुमारी जोशी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका फतेहनगर सनवाड के उपाध्यक्ष नीतिन सेठिया ने की जबकि मुख्य अतिथि व्यापार मडल अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि समाजसेवी कैलाश खण्डेलवाल, गणपत सोनी जिला उपाध्यक्ष भाजपा, चंचल सोनी ऑल इडिया कार ए.के राष्ट्रीय सेकेट्री, नेता प्रतिपक्ष शैलेश पालीवाल, विशाल सोनी सचिव ट्रीनीटि एज्युकेशन सोसाईटी विनय सोनी चेयरमेन ट्रीनीटि एज्युकेशन सोसाईटी राहित जैन प्रधानाचार्य संत थॉमस उच्च माध्यमिक विद्याल, सुनिल कोठारी प्रशासनिक प्रमुख संथ थॉमस स्कूल सुनिल पंचोली आरोग्य जिला नशा मुक्ति केन्द्र उदयपुर सुरेन्द्र, जितेन्द पुलिस प्रशासन थे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वल के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत गोपाल वैष्णव लेखा एवं कार्यक्रम अधिकारी नेहरू युवा केन्द्र उदयपुर एवं भगवती कुमारी जोशी राष्ट्रीय युवा पुरूस्कार विजेता ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुनिल पंचोली ने अपने उद्बोधन में नशा के दुष्परिणाम एवं उससे बचाव के संसाधनों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यालय के 95 विद्यार्थियों ने भाग लिया सभी विद्यार्थियों व कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों को उपाध्यक्ष महोदय नीतिन जी सेठिया ने नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

कायस्थ महासभा ने मनाया सेवा दिवस

उदयपुर (पुकार)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के उदयपुर जिला अध्यक्ष डॉ मनोज भटनागर ने बताया कि महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संरक्षक कैलाश सारंग के निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में यहां हिरण मगरी सेक्टर 5 स्थित सभागार में श्रद्धांजलि सभा व 'सेवा दिवस' का आयोजन रखा गया। इस अवसर पर राजनीति एवं सामाजिक क्षेत्र में समाजसेवी स्व.कैलाश सारंग के उल्लेखनीय कार्यों का स्मरण कराते हुए महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार माथुर ने कायस्थ समाज द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में दी जा रही सेवाओं पर प्रकाश डाला। जिला महामंत्री मनीष भटनागर,महासभा की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय सचिव अंबा माथुर, जिला महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मी माथुर आदि ने समाज उत्थान की दिशा में स्व.सारंग द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को बताते हुए सेवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। संयोजन डॉ.मनोज भटनागर ने किया।

ऐश्वर्या कॉलेज के छात्रों ने औद्योगिक किया भ्रमण

उदयपुर (पुकार)। ऐश्वर्या कॉलेज के बीसीए, बीबीए, एमबीए और एमसीए छात्रों के लिए उदयपुर स्थित आर्कगेट आईटी कंपनी में एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया। छात्रों ने सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा प्रोसेसिंग, क्लाइंट मैनेजमेंट और अन्य विभागों का अवलोकन किया।

छात्रों ने कंपनी की कार्यशैली से प्रेरणा ली, जो उनके करियर निर्माण में सहायक साबित होगी। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को आईटी और बिजनेस इंडस्ट्री के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना था। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने छात्रों को कंपनी के कार्य संचालन, नवीनतम तकनीकों, और उद्योग के रुझानों की जानकारी दी। इस दौरे में खुश सोनी, युवराज श्रीमाली, हिमेश सुथार, फाल्गुनी, रिमझिम, कुंदन राव, भावेश पालीवाल, दुर्वा शर्मा, भूमिका नागदा, शुभम डांगी, उज्जवल जैन सहित कई छात्र उपस्थित रहे। सभी ने इसे ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक अनुभव बताया। ऐश्वर्या पीजी कॉलेज प्राचार्या डॉ. ऋतु पालीवाल ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच से मिलती है। उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने और चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास के साथ करने का संदेश दिया।

कोलकाता में हुई इंटरनेशनल लेवल अबेकस प्रतियोगिता में उदयपुर के तीन बच्चे विजेता

उदयपुर (पुकार)। सिप अबेकस की ओर से इंटरनेशनल लेवल अबेकस प्रतियोगिता कोलकत्ता के बिस्वा बांग्ला प्रांगण में आयोजित हुई। जिसमें दुनिया के 11 देशों के बच्चों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में भारत समेत अमेरिका, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, फ़िलीपींस, तंज़ानिया, न्यूज़ीलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका एवं नेपाल के 6000 बच्चों ने भाग लिया।

सिप एकेडमी उदयपुर की डायरेक्टर डॉ राधिका सेठिया ने बताया कि 11 मिनट में 300 सवालों को हल करके बच्चों ने अपनी हाई स्पीड अर्थमेटिक स्किल्स व एकाग्रता का परिचय दिया। इस प्रतियोगिता में उदयपुर के कुल 3 बच्चों ने अलग अलग लेवल पर अवार्ड जीते। गर्वित कंठालिया को ग्रैंडमास्टर लेवल ए एवं कृषा कुमावत को लेवल चार पर फर्स्ट रनर अप का अवार्ड मिला। पवित्र जैन को ग्रैंडमास्टर लेवल बी पर सेकंड रनरअप का अवार्ड मिला। उदयपुर की हेड राधिका सेठिया ने बताया कि छोटे बच्चों में नंबर्स का डर ख़त्म करना व अर्थमेटिक के प्रति उनका रुझान बढ़ाना ही सिप अबेकस का मुख्य उद्देश्य है। बच्चों की सुनने एवं समझने की क्षमता को प्रखर करना तथा बच्चों की एकाग्र शक्ति बढ़ाने के साथ ही उन्हें कैलकुलेशन और मैथमेटिक्स में होशियार किया जाता है।

शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन 24 को

उदयपुर (पुकार)। जिला शतरंज संघ द्वारा डीपीएस स्कूल के सहयोग से एक दिवसीय आयोजन 24 नवम्बर को डीपीएस स्कूल में होगा। जिसकी जन्म दिनांक 1 जनवरी, 2011 या इसके बाद होगी वह इस प्रतियोगिता मे भाग ले सकेगा! प्रतिभागी लाइवचेस डॉट इन पर जाकर अपना पंजीकरण करा सकता है। जिला संघ अध्यक्ष सोनल गर्ग ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु पंजीयन की अंतिम 22 नवम्बर, शुक्रवार तक रहेगी।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर कोटड़ा में जनजाति गौरव महोत्सव

देश की आजादी, जनजाति स्वाभिमान और मिट्टी की मर्यादा के लिए भगवान बिरसा मुंडा का योगदान अविस्मरणीय : उपराष्ट्रपति धनखड़

उदयपुर (पुकार)। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा का नाम सामने आते ही हालात बदल जाते है। महज 25 साल की उम्र भी नहीं हुई और देश की आजादी, जनजाति समाज के स्वाभिमान व मिट्टी के लिए उनका योगदान अकल्पनीय और अविस्मरणीय है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष में उदयपुर जिले के सुदूर कोटड़ा कस्बे में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग तथा राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के तत्वावधान में आयोजित जनजाति गौरव महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि बड़ा अच्छा लग रहा है, जो हमारे मन में है और सदैव प्रातः स्मरणीय हैं उनका आज सम्मान हो रहा है। अगुआ राज, अगुआ राज अर्थात हमारा शासन हमारा शासन यह कहने वाले बिरसा मुण्डा के योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। उनकी सोच दूरदर्शी थी और उनका संकल्प था कि हमारा राज आएगा और उनका राज जाएगा। सांस्कृतिक सोच को इस बालक योद्धा ने तीन शब्दों में समाहित कर दिया- जल, जंगल और जमीन।

उन्होंने बिरसा मुण्डा को इस धरती का पुजारी और पर्यावरण का हितैषी बताते हुए कहा कि आपके दृढ़ संकल्प को सच होता देखकर मेरा मन अति प्रसन्न है कि अब अपना देश बदल रहा है। देश के सर्वाच्च पद राष्ट्रपति के पद पर जनजाति की महिला श्रीमती द्रोपदी मूर्मु बिराजमान है और यह हम सभी के लिए गौरव की बात है। यह सम्मान कोई बक्शीस नहीं है, आपका और हमारा अधिकार और उस अधिकार को प्राप्त कर पद को सुशोभित किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संसद में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा हमें हमेशा प्रेरित करेंगी। राष्ट्र भावना का संचार करेंगी।

अमृत काल स्वाधीनता के भूले बिसरे नायकों को याद करने का अवसर

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि आजादी की लड़ाई में हजारों लाखों लोगों ने योगदान दिया। पता नहीं क्यों इतिहासकारों ने बिरसा मुंडा के योगदान, मानगढ़ धाम के बलिदान को भूला दिया। आजादी के अमृतकाल में आजादी की लड़ाई के भूले बिसरे नायकों को सम्मान दिया जा रहा है। हर वर्ष 15 नवंबर को बिरसा मुण्डा जी की जन्म जयंती को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के रूप मनाया जा रहा है।

बिरसा मुंडा का पूरा जीवन राष्ट्रवाद का संदेश

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का पूरा जीवन राष्ट्रवाद का संदेश है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि सभी इस महापुरूष को समझे और इनके कृत्य को आदर्श माने और हमेशा राष्ट्रवाद को सर्वापरि रखे। भारतीयता हमारी पहचान, भारत हमारी माता, राष्ट्रवाद हमारा धर्म और राष्ट्रहित सर्वापरि है। उन्होंने कहा कि बिरसा मुण्डा को स्वाभाविक रूप से भगवान कहा गया है क्योंकि उनका आचरण, उनकी नैतिकता, उनकी ताकत, उनकी दूरदृष्टि, उनका लक्ष्य जमीन से जुड़ा है और सिर्फ यहीं तक उनका काम सीमित नही रहा। यह वो व्यक्ति थे जिन्होंने हमें जल जंगल जमीन का महत्व बताया। जनजाति के लोग पर्यावरण के महत्व को सिखाते हैं।

नीति निर्माण में महिलाओं की अब विशेष भूमिका

धनखड़ ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ते कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि माताओ बहनों के लिए बहुत बड़ा बदलाव कानून में किया गया है। अब हमारी माताएं बहनें लोकसभा में एक तिहाई या उससे ज्यादा हो सकती हैं लेकिन कम नहीं। राजस्थान में कम से कम जनजाति समाज की 8 महिलाएं हर बार विधानसभा में जाएंगी। आपकी उपस्थित, आपकी सोच, नीति निर्माण का तरीका औरां के लिए प्रेरणादायक होगा।

भारत माता और बिरसा मुंडा के जयकारों से गूंजा पांडाल

उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता और भगवान बिरसा मुंडा अमर रहे के जयघोष के साथ किया। इस दौरान पांडाल में मौजूद हजारों लोगों ने भी जयकारे लगाए। उपराष्ट्रपति ने अपने उद्बोधन के अंत में भगवान बिरसा मुंडा, अमर रहे के साथ सभी का अभिवादन किया।

बिरसा मुंडा जनजाति गौरव का प्रतीकः खराड़ी

समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजाति गौरव के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार जनजाति संस्कृति और सम्मान को पुनर्जीवित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के प्रारंभ में वनवासी कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह खारवा एवं राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री भगवान सहाय ने उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। सह संगठन मंत्री भगवान सहाय ने वनवासी कल्याण परिषद के विभिन्न प्रकल्पों और गतिविधियों की जानकारी दी तथा युवा कौशल उन्नयन, महिला सशक्तिकरण और जनजाति अंचल के सर्वतोमुखी विकास के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं के बारे में बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खारवा ने परिषद की स्थापना के उद्देश्य और जनजाति उत्थान के लक्ष्य को रेखांकित किया।

समारोह में जिले के प्रभारी एवं राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत, गोगुंदा विधायक प्रताप भील, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उप जिला प्रमुख पुष्करलाल तेली, संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी, सीईओ जिला परिषद हेमेंद्र नागर, उपखंड अधिकारी हंसमुख कुमार सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन राधिका लढ्डा ने किया।

उपराष्ट्रपति ने किया जनजाति प्रतिभाओं का सम्मान

कोटड़ा में आयोजित जनजाति गौरव महोत्सव में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जनजाति प्रतिभाओं का सम्मान किया। श्री धनखड़ ने एमबीबीएस चिकित्सक डॉ रामलाल मीणा, डॉ कन्हैयालाल मीणा, डॉ खुमाणसिंह मईडा, पीएचईडी के दिलीपसिंह भील, इंजीनियर मुकेश डामोर, अंतर्राष्ट्रीय तीरंदाज धनेश्वर मईड़ा तथा अंतर्राष्ट्रीय तीरंदाज नरेश डामोर को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

उपराष्ट्रपति ने किया पौधारोपण

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी डॉ सुदेश धनखड़ निर्धारित समय पर सेना के हेलीकॉप्टर के माध्यम से कोटड़ा पहुंचे। यहां पहुंचने पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, जिले के प्रभारी एवं राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, राज्यसभा सांसद श्री चुन्नीलाल गरासिया, लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत, गोगुंदा विधायक प्रताप भील, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उप जिला प्रमुख पुष्करलाल तेली, वनवासी कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह खारवा एवं राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री भगवान सहाय संभागीय आयुक्त सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी सहित अधिकारियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अगवानी की। राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद परिसर में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपनी माताश्री स्व केशरीदेवी तथा श्रीमती धनखड़ ने अपनी माताश्री स्व.भगवतीदेवी की स्मृति में पौधारोपण किया। उप वन संरक्षक अजय चित्तौड़ा ने उपराष्ट्रपति को जिले में अभियान के तहत पौधरोपण की जानकारी दी।

उपराष्ट्रपति ने बढ़ाया लोक कलाकारों का हौंसला

कोटड़ा स्थित राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद परिसर में उपराष्ट्रपति के स्वागत में लोककलाकारों ने परंपरागत गवरी नृत्य किया। कलाकारों की प्रस्तुति से उपराष्ट्रपति गदगद हो उठे। उन्होंने एक कलाकार से ढोल लेकर स्वयं ढोल पर थाप देकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कलाकारों से आत्मीय संवाद भी किया और फोटो भी खिंचवाएं।

वनांचल उत्पाद और हस्तशिल्प कलाकृतियों की सराहना

उपराष्ट्रपति ने आयोजन स्थल पर कमली ट्राइब्स, वनवासी कल्याण परिषद एवं राजीविका वन धन विकास केंद्र फलासिया व कोटड़ा की स्टॉल्स का अवलोकन किया। यहां पर उन्होंने वनवासी कल्याण परिषद के कमली ट्राइब्स ब्रांड की जनजाति महिलाओं द्वारा तैयार हस्तशिल्प के सौंदर्य और वन उत्पादों की प्रशंसा की।

उपराष्ट्रपति धनखड़ का उदयपुर एयरपोर्ट पर स्वागत

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शनिवार को उदयपुर दौरे पर रहे। उनकी धर्मपत्नी डॉ सुदेश धनखड़ भी उनके साथ थीं। भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से उदयपुर पहुंचने पर विमान तल पर राजस्व एवं जिला प्रभारी मंत्री हेमन्त मीणा और चितौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों-अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, महापौर गोविंद सिंह टांक, उपमहापौर पारस सिंघवी, समाजसेवी प्रमोद सामर, रवींद्र श्रीमाली, तख्तसिंह शक्तावत, दीपक शर्मा, आकाश वागरेचा आदि ने भी उनकी अगवानी की। विमानतल पर आईजी राजेश मीणा, जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी योगेश गोयल ने भी स्वागत किया। यहां से उपराष्ट्रपति ने भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से कोटड़ा के लिए प्रस्थान किया।

सुविवि : सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने विद्यार्थियों से कहा-

'ज़ॉब सीकर' बनने की बजाय बने 'जॉब क्रिएटर्स'

उदयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने विद्यार्थियों से कहा कि आज के तकनीकी बदलाव के दौर में 'ज़ॉब सीकर' बनने की बजाय 'जॉब क्रिएटर्स' बने क्योंकि पूरी दुनिया उनकी तरफ़ आशा भरी नज़र से देख रही है। धनखड़ शनिवार को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में मोहनलाल सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही किसी संस्थान की रीढ़ होते हैं और उन्हीं की वजह से उन संस्थानों का नाम भी होता है। युवा विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे देश के असली कर्णधार है। भविष्य के निर्माता हैं। इसलिए सकारात्मक ऊर्जा के साथ नवाचारों और तकनीक के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि भारत चार ट्रिलीयन डॉलर की इकोनॉमी के साथ विश्व की पाँचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है जहाँ 8 प्रतिशत की ग्रोथरेट है। वैश्विक संस्थानों की गुणवत्ता और

तकनीकी उन्नति के साथ बढ़ते डिजिटाइजेशन का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब हम आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो रहे हैं।क्योंकि बीते एक दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की सशक्त अर्थ व्यवस्था बनकर उभरी है, जहाँ पर हर साल 8 नए एयरपोर्ट, हर 2 साल में तीन चार नई मेट्रो, प्रतिदिन 28 किलोमीटर हाईवे और बारह किलोमीटर नया रेलवे ट्रैक बिछाया जा रहा है।बिजली उत्पादन, सौर उर्जा, गैस हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है। अच्छे स्वास्थ्य और अफोर्डेबल घरों का निर्माण अब सपना नहीं रहा है। हर व्यक्ति को सुविधाएँ प्राप्त हो रही है और मानवीय मूल्यों के साथ संसाधनों का समुचित इस्तेमाल करके ही हम सशक्त बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी कई सारे तनावों को लेकर आगे बढ़ती हैं। जब कम मेरिट वाला उनसे आगे बढ़ जाता है, जब भाई भतीजावाद और भ्रष्टाचार आदि समस्याएं दिखती है तो युवाओं के मन में दर्द होता है लेकिन उन्होंने कहा कि इन सब चीज़ों को दिल से नहीं लगाते हुए युवाओं को रोज़गार के नए उभरते फ़लक को देखना और समझना चाहिए। सरकारी सेवाएँ ज़रूरी है लेकिन युवाओं को यह नहीं समझना चाहिए कि सरकारी सेवा ही अंतिम विकल्प है, आज युवाओं को उभरते नए रोजगारों के अवसर और ऊंचाइयों के प्रति जागरूक रहना होगा,आस पास के तमाम संसाधनों जैसे जल,थल, नभ और उभरते अवसरों को एकाग्र होकर देखना होगा।

उन्होने कहा कि अब 6जी की नई तकनीक आ रही है जो ना सिर्फ़ फ़ोन के लिए होगी बल्कि व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए प्रमुख मानी जाएगी इसलिए हमें भी आउट ऑफ़ बॉक्स जाकर सोचना होगा तभी हम कुछ नया और उपयोगी सोच पाएंगे।उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि देश के 500 टॉप लोगों को देखें तो पाएंगे कि उसमें साठ प्रतिशत लोग आपकी उम्र के हैं वे अवसरों के प्रति जागरूक रहे और उन्होंने अवसरों का लाभ उठाया। आज विश्व का कोई भी कॉर्पोरेट संस्थान ऐसा नहीं है जहाँ भारतीय बुद्धिमत्ता और युवा प्रमुख तौर पर उपस्थित नहीं दिखाई पड़े। हर जगह उपस्थित है।

कार्यक्रम क़ी विशिष्ट अतिथि डॉक्टर सुदेश धनखड़ थी।

कार्यक्रम के शुरू में कुलपति प्रोफ़ेसर सुनीता मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विज्ञान महाविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता प्रो एम.एस ढाका ने उप राष्ट्रपति को साफ़ा पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। डॉक्टर जूही प्रधान ने कार्यक्रम का संचालन किया।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, पत्रकार विहार, नांदी फाउण्डेशन के सामने, उदयपुर (राज.) में मुद्रित एवं पुकार प्रकाशन संस्थान कार्यालय 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, पत्रकार विहार, नांदी फाउण्डेशन के सामने, उदयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक : लोकेश कुमार आचार्य। केन्द्रीय कार्यालय : प्रेम कुंज 92 नेहरू बाजार उदयपुर। फोन/फैक्स : (0294) 5103299. मोबाइल : 98290 05007, 94140 58114. प्रबंध सम्पादक : लीला राय आचार्य, उप सम्पादक : अजय कुमार आचार्य।। जयपुर कार्यालय : कुंभामार्ग प्रतापनगर, सांगानेर, जयपुर, फोन : (0141) 3271115, E-mail: dainikpukar@yahoo.com.